प्रयागराज, रविवार 11 मई 2025 से शनिवार 17 मई 2025 तक
वर्ष-14, अंक-19
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

2025 महाकुम्भ
14वर्ष
संघर्ष कि यात्रा

वर्ष-14 अंक-19 प्रयागराज, रविवार 11 मई 2025 से शनिवार 17 मई 2025 तक पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

05.05.2025

06.05.2025

07.05.2025

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

08.05.2025

09.05.2025

10.05.2025

लखनऊ में युद्ध के दौरान बचने की ट्रेनिंग दी, सायरन बजते ही जमीन पर लेटे लोग,19 जिलों में मॉक ड्रिल होगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ।भारत-पाकिस्तान के तनाव के बीच लखनऊ में युद्ध से बचाव के लिए सिविल डिफेंस ने मॉक ड्रिल की। लखनऊ में पुलिस लाइंस में सायरन बजते ही लोग जमीन पर लेट गए और हाथों से अपने दोनों कान बंद कर लिए। गोली लगने या हमलों के दौरान क्या किया जाए, इसकी ट्रेनिंग भी सिविलियंस को दी गई। सिविलियंस को घायल होने पर अस्पताल ले जाने की भी ट्रेनिंग दी गई। हमले के दौरान आग लग जाए तो उसे कैसे बुझाया जाए, गोली लगने और विस्फोटों से घायलों को कैसे बचाया जाए। इसकी भी वॉलंटियरों को जानकारी दी गई। वहीं, कौशांबी मेडिकल कॉलेज में अग्निकांड के बीच छात्राओं को सुरक्षित निकालने की मॉक ड्रिल की गई। डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया- 19 जिलों में 7 मई को सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल होगी। इसमें कानपुर, लखनऊ, मथुरा जैसे प्रशासनिक जिले

भी शामिल हैं। बक्शी का तालाब, सरवासा जैसे इलाके, जो लखनऊ और सहारनपुर में हैं, वहां एयर फोर्स स्टेशन मौजूद हैं। सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को इनके इंपोर्टेंस या सेंसिटिविटी के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है। कैटेगरी 1 में वो डिस्ट्रिक्ट हैं, जो सबसे सेंसेटिव हैं। सिर्फ 1 डिस्ट्रिक्ट- बुलंदशहर कैटेगरी 1 में है, क्योंकि यहां नरौरा न्यूक्लियर प्लांट मौजूद है। इसी तरह कैटेगरी 2 में आगरा, कानपुर, लखनऊ, बख्शी का तालाब (लखनऊ) गोरखपुर, वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज, मुरादाबाद, बरेली, मथुरा, गाजियाबाद, झांसी, सहारनपुर, सरसावां (सहारनपुर), पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर (चंदौली) को रखा गया है। कैटेगरी 3 में बागपत और मुजफ्फरनगर डिस्ट्रिक्ट हैं। देश में पिछली बार ऐसी मॉक ड्रिल 1971 में हुई थी, जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था। बुलंदशहर का नरौरा संवेदनशील क्यों? नरौरा मे न्यूक्लियर पावर प्लांट ह। यह बुलंदशहर से 50 किमी दूर है। प्लांट की दो इकाइयां हैं। प्रत्येक की क्षमता 220 मेगावाट है। वहीं, दूसरी कैटेगरी के ज्यादातर शहरों में थल सेना, वायु सेना सहित सामरिक दृष्टि से जुड़े महत्वपूर्ण संस्थान हैं। इसके अलावा, तीसरी कैटेगरी में बागपत और मुजफ्फरनगर हैं। यहां चीनी मिल के हब हैं।

भारत में पहलगाम हमले का बदला -ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान पर 24 मिसाइल दागीं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नई दिल्ली। पहलगाम हमले में मारे गए तम्माम लोगो में कानपुर के शहीद शुभम द्विवेदी की अस्थियां संगम में विसर्जित की गईं। जिसके बाद से पकिस्तान के साथ चल रही तना तानी के बाद कल आखिरकार भारत ने पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर ही दी। इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार आधी रात के बाद पाकिस्तान और पीओके, यानी पाक अधिकृत कश्मीर के भीतर एयर स्ट्राइक की।इस हमले में 7 शहरों के 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं।भारत की ये जवाबी कार्रवाई पहलगाम हमले के 15 दिन बाद की गई है और इसका नाम दिया है 'ऑपरेशन सिंदूर'। ये नाम उन महिलाओं को समर्पित है, जिनके पतियों की पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हत्या कर दी थी। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डॉयरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा, भारत ने 24 मिसाइलें दागी हैं। एक न्यूज एजेंसी सूत्रों के हवाले से बताया कि पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर को पूरी रात मॉनिटर करते रहे। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी से कहा- भारत ने अपनी हवाई सीमा से पाकिस्तान पर मिसाइल हमले किए

हैं, जो नागरिक इलाकों पर गिरे। पाकिस्तानी मीडिया ने दावा किया- पाकिस्तानी सेना ने 6 भारतीय फाइटर जेट मार गिराए। इनमें 3 राफेल, 2 मिग-29 और एक सुखोई शामिल है। एलओसी के पास भारतीय चेकपोस्ट भी तबाह किए हैं। हमले की लोकेशन और मरने वालों की अलग-अलग संख्या। पाकिस्तान ने रात 2 बजे कहा- हमले 5 ठिकानों पर हुए और 3 लोगों की मौत हुई। 3 घंटे बाद यानी सुबह 5 बजे इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस डारयेक्टर अहमद शरीफ चौधरी ने कहा, 'भारत ने 6 इलाकों में 24 मिसाइलें दागीं। इनमें 8 नागरिक मारे गए, 35 घायल और 2 लापता हैं।'इंडियन आर्मी ने कहा कि स्ट्राइक में केवल आतंकी ठिकानों पर हमले किए गए हैं। किसी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने पर हमला नहीं किया गया। एक न्यूज एजेंसी के सूत्रों के हवाले से बताया कि जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर के ठिकानों को ही टारगेट के तौर पर सिलेक्ट किया गया था। पहलगाम हमले में 26 पर्यटक मारे गए, टीआरएफ़ जिम्मेदारी लेकर मुकरा। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले में एक नेपाली नागरिक समेत 26 पर्यटक मारे गए थे। आतंकियों ने धर्म पूछकर गोली मारी थी। हमले की जिम्मेदारी पहले लश्कर-ए-तैयबा के प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी, हालांकि वह बाद में इससे मुकर गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'यह शर्मनाक है। मुझे लगता है कि लोगों को पता था कि कुछ होने वाला है। वे लंबे समय से लड़ रहे हैं। अगर आप इसके बारे में सोचें तो वे कई दशकों और सदियों से लड़ रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि यह जल्द ही खत्म हो जाएगा। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। इसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। इसमें एक नेपाल का टूरिस्ट भी शामिल था। आतंकियों ने पर्यटकों का धर्म पूछकर गोली मारी थी। पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी पहले द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी, हालांकि बाद में इससे मुकर गया था।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रयागराज में मना जश्न साधु-संतों ने हाथों में तिरंगा लेकर की आतिशबाजी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) जम्मू। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए

आतंकी हमले के खिलाफ भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया तो पूरा देश इसका स्वागत कर रहा है। प्रयागराज में भी इसका जश्न मनाया जा रहा है। श्रृंगवेरपुर धाम पीठाधीश्वर जगतगुरु शांडिल्य जी महाराज ने पाकिस्तान पर हुए हमले का स्वागत करते हुए दीप जलाकर और आतिशबाजी कर जश्न मनाया है। साधु संतों व बाल बटुकों के साथ हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के नारे लगाए गए। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जन भावनाओं के अनुरूप आतंकवाद के खिलाफ कदम उठाया है।जगतगुरु शांडिल्य महाराज ने कहा कि साधु संत भी पीएम मोदी के इस कड़े फैसले के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा है कि पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। हमें अपनी सरकार पर गर्व है कि उसने आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए स्ट्राइक शुरू कर दी है। बता दें कि भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर मिसाइल से हमला कर कई आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया है। भारत ने यह कार्रवाई शुरू कर आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक जंग की शुरुआत कर दी है। पहलगाम में हुई आतंकी हमले के बाद पूरा देश पाकिस्तान से बदला लेने की मांग कर रहा था। पाकिस्तान पर आतंकी हमले के बाद देश में जश्न का माहौल है।

भारतीय सेना द्वारा रात को की गई एयर स्ट्राइक पर हमे गर्व है- निवृत्त कर्नल भरत सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज।अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संघ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सेवा निवृत्त कर्नल भरत सिंह (शौर्य चक्र) ने बात करते हुए कहा कि भारतीय सेना द्वारा रात को की गई एयर स्ट्राइक पर हमे गर्व है। भारतीय सेना ने सही समय पर पहलगाम में हुए नरसंहार का बदला लेने के लिए आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला कर आतंकवादियों के मनोबल को चकनाचूर कर दिया तथा पाकिस्तान को भारतीय सेना द्वारा शिक्षा दी गई कि इस तरह का की कायराना हरकत भारत बर्दाश्त नहीं करेगा । अगर भविष्य में इस तरह की घटना घटी तो पाकिस्तान के टुकड़े-टुकड़े कर दिए जाएंगे। आशा है भारत सरकार जांबाज एयरफोर्स ऑफिसर्स को साहसिक कार्य के लिए वीरता पुरस्कार से सम्मानित करेंगे भारतीय सेवा का हर व्यक्ति देश के लिए मर मिटने को सदैव तत्पर है

कौन हैं कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका, पाकिस्तानी आतंक के ठिकानों की तबाही के सबूत दिए

नई दिल्ली। भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स की विंग कमांडर व?योमिका सिंह ने प्रेस ब्रीफ में भारत के पाकिस्तान पर किए मिलिट्री ऑपरेशन की जानकारी दी। दोनों ऑफिसर्स ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की पूरी कहानी बताई। कर्नल सोफिया जहां आर्मी कम्युनिकेशन एक्सपर्ट हैं, वहीं विंग कमांडर व्योमिका स्पेशलिस्ट हेलीकॉप्टर पायलट हैं। कर्नल कुरैशी सिग्नल कोर में सर्विस देती हैं, जो आर्मी कम्युनिकेशन में एक्सपर्टीज रखती हैं। उनके कामों में शामिल है : साल 2006 में कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में महिलाओं और बच्चों को हिंसा से बचाने को लेकर एक सैन्य टीचर के तौर पर काम किया है। 2001-2002 में पंजाब सीमा पर तैनात होने पर उन्हें उनकी समर्पित सेवा के लिए जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ द्वारा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। आपदा राहत के दौरान कम्युनिकेशन के जरिए उनके असाधारण काम के लिए उन्हें सिग्नल ऑफिसर-इन-चीफ से प्रशस्ति पत्र मिली।विंग कमांडर व्योमिका सिंह भारतीय वायु सेना में हेलीकॉप्टर पायलट हैं। वो चुनौतीपूर्ण इलाकों में चेतक और चीता जैसे स्पेशलाइजड हेलिकॉप्टर ऑपरेट करती हैं। वो अपने परिवार में सशस्त्र बलों में शामिल होने वाली पहली महिला हैं और पिछले 21 साल से एयरफोर्स में अपनी सेवाएं दे रही हैं।व्योमिका जब क्लास 6वीं में पढ़ती थीं, तब क्लास में उनके नाम का मतलब पूछा गया। उन्हें पता चला कि उनके नाम 'व्योमिका' का मतलब है उड़ना। तभी उन्होंने तय कर लिया कि वो एयरफोर्स का हिस्सा बनेंगी।

आंधी-बारिश से गुजरात में 14,बिहार में 5 लोगों की मौत:देश के 26 राज्यों मे तेज आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने बुधवार को देश के 26 राज्यों में आंधी-बारिश और तूफान का अलर्ट जारी है। मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में ओलावृष्टि की भी चेतावनी है। गुजरात में भी मौसम की मिजाज बिगड़ा हुआ है। आंधी-बारिश से जुड़ी घटनाओं में राज्य में अबतक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के कई जिलों में बुधवार को भी आंधी-बारिश के आसार है। बिहार में पिछले दिनों में आसमानी बिजली की चपेट में आने से 5 लोगों की मौत हुई। मंगलवार को भी राज्य के कई इलाकों में 70-110 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी चली। मध्य प्रदेश में बीते दो दिन में कई जिलों में बारिश हुई और तेज आंधी चली। बुधवार को भी 9 जिलों में ओलावृष्टि और 34 जिलों में हल्की से तेज बारिश और आंधी चलने की संभावना है।वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का पैटर्न बदलने से मौसम पर सबसे ज्यादा असर होने लगा है। हिमालय पर जनवरी-फरवरी में होने वाली बर्फबारी मार्च-अप्रैल में होने लगी है। दो साल से सबसे ज्यादा स्नोकवर मार्च में हो रहा है। इससे हीटवेव के दौर घट रहे हैं। यह जानकारी जलवायु परिवर्तन पर अध्ययन करने वाली संस्था क्लाइमेट ट्रेंड ने दी है। सर्दियों में पश्चिम से आने वाले तूफानों को वेस्टर्न डिस्टर्बेंस कहते हैं। कुछ साल पहले तक नवंबर से फरवरी के बीच सबसे ज्यादा डिस्टर्बेंस आते थे।

एयर स्ट्राइक के बाद यूपी में रेड अलर्ट घोषित, डीजीपी बोले- हर हालात से निपटने को हथियारों के साथ तैयार रहे पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नई दिल्ली। पाकिस्तान पर भारत की एयर

स्ट्राइक के बाद यूपी में रेड अलर्ट जारी किया गया है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने रेड अलर्ट का ऐलान किया। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया है कि आर्मी और एयरफोर्स के साथ समन्वय करके महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा मजबूत करें। डीजीपी ने कहा कि पुलिस पूरी तरह सतर्क और तैयार रहे। हथियारों के साथ अलर्ट रहे। राज्य के हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार रहे। रेड अलर्ट के बाद यूपी में अहम धार्मिक और सामारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास फोर्स बढ़ा दी गई है। वहीं, मथुरा और अयोध्या में भी पुलिस ने गश्त किया। वाराणसी एयरपोर्ट, कानपुर रेलवे स्टेशन, लखनऊ विधानसभा में भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। जगह-जगह वाहनों की चेकिंग की जा रही है। यूपी में लंबे अर्से बाद रेड अलर्ट घोषित हुआ है। पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह बताते हैं- मेरी याद में 1971 के बाद यह पहला मौका है, जब किसी हमले या आतंकी घटना को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया। पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश सिंह कहते हैं- सितंबर 2010 में जब रामजन्म भूमि-बाबरी विवाद में हाईकोर्ट का फैसला आना था, उस समय पुलिस ने अभूतपूर्व तैयारी की थी। लेकिन उसे किसी रेड, येलो का नाम नहीं दिया था। मुझे नहीं याद की रेड अलर्ट इससे पहले कभी जारी किया गया हो। पुलिस के मुताबिक, रेड अलर्ट एक चेतावनी प्रणाली है, जो आपात स्थिति की तरफ इशारा करती है। आतंकी खतरे या युद्ध जैसी स्थिति में लोगों को सतर्क रहने और निर्देशों का पालन करने के लिए कहा जाता है। रेड अलर्ट का पालन करना जरूरी होता है। क्योंकि यह जान-माल की सुरक्षा के लिए होता है। पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक पर सीएम योगी ने कहा- जय हिंद! जय हिंद की सेना!। वहीं, अखिलेश यादव ने लिखा- पराक्रमो विजयते! बसपा प्रमुख मायावती ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर गौरवमय व सराहनीय।

शुभम की पत्नी का पैर छूने झुके सतीश महाना ऐशन्या ने रोका तो भावुक होकर गले लगाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नई दिल्ली। पहलगाम हमले के 15 दिन

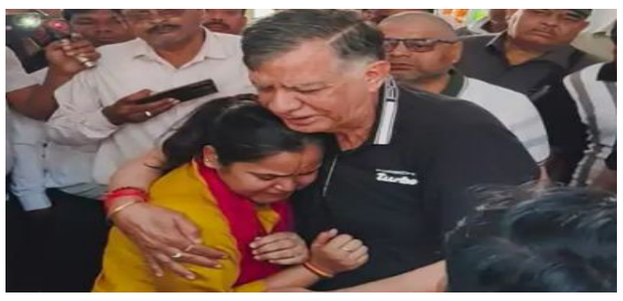

बाद भारत ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर के 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। एयर स्ट्राइक के बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना पहलगाम में 22 अप्रैल को मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के घर पहुंच गए। उन्होंने शुभम की पत्नी ऐशन्या को ऑपरेशन के बारे में बताया। इसी बीच ऐशन्या के पैर छूने के लिए झुके तो ऐशन्या ने महाना का हाथ पकड़ लिया। ऐशन्या बोलीं- आप पैर न छूएं। सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दीजिए बस। महाना ने ऐशन्या के सिर पर हाथ फेरे, गले लगाकर सांत्वना दी। पत्नी ऐशन्या ने कहा पति का मौत का बदला पूरा हुआ तो सारे घर ऐसे उजड़ जाएंगे। वहीं, शुभम के पिता संजय द्विवेदी ने कहा- जब से हमने यह खबर सुनी है, मेरा पूरा परिवार हल्का महसूस कर रहा है। मेरी बहू का सिंदूर उजाड़ने वालों का विनाश करने का काम सरकार ने किया।पत्नी बोली- यही मेरे पति को सच्ची श्रद्धांजलि पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक पत्नी ऐशन्या से बातचीत की। उन्होंने कहा- मैं अपने पति की मौत का बदला लेने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहती हूं। मेरे पूरे परिवार को उन पर भरोसा था। जिस तरह से उन्होंने पाकिस्तान को जवाब दिया, हमारे भरोसे को कायम रखा है।

ग्रेनो प्राधिकरण को 46 करोड़ का भुगतान कर्मचारियों को करना होगा- सुप्रीम कोर्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण (ग्रेनो प्राधिकरण) को अपनी कानूनी लड़ाई में बड़ा झटका लगा है। पिछले 25 साल से नहीं किया, जिससे मामले ने अदालत का रुख किया।उच्च न्यायालय का अंतिम निर्णय में हाई कोर्ट ने कर्मचारियों के पक्ष में आकर सभी याचिकाएं खारिज कर दीं और

नियमितीकरण की मांग कर रहे माली एवं सफाई कर्मियों को अब 46 करोड़ 36 लाख 80 हजार रुपये का भुगतान करना पड़ेगा। इसके साथ ही कर्मचारियों की बहाली के आदेश भी दिए गए हैं। यह निर्णय उच्च न्यायालय द्वारा 16 अक्टूबर 2024 को दिए गए फैसले खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए प्राधिकरण के केस में 05 मई 2025 को आया है, जिसमें प्राधिकरण की याचिकाएं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा खारिज कर दी गईं। और हाई कोर्ट इलाहाबाद द्वारा दिए गए आदेश को बहाल कर दिया।विवाद की शुरुआत 1998 से हुई थी, जब ग्रेनो प्राधिकरण में माली एवं सफाई का कार्य कर रहे कर्मचारियों ने नियमितीकरण के लिए मांग उठाई थी। इसके बाद, वर्ष 2003 में प्राधिकरण द्वारा 240 कर्मचारियों को गैरकानूनी तरीके से नौकरी से हटा दिया गया, जिसका पुरजोर विरोध हुआ। कर्मचारियों ने 'सीटू' के नेतृत्व में अपनी आवाज उठाई और न्याय की लड़ाई में जुट गए। विवाद का मामला औद्योगिक न्यायाधिकरण पंचम, उत्तर प्रदेश, मेरठ में उठा, जिसने मई 2018 में कर्मचारियों के पक्ष में फैसला सुनाया। इस फैसले में प्राधिकरण को आदेश दिया गया था कि वह कर्मचारियों को कार्य पर पुनः बहाल करे और पिछले वेतन का भुगतान भी करे। इसके बावजूद प्राधिकरण ने इस आदेश का पालन औद्योगिक न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए आदेश को बहाल कर दिया। न्यायालय ने जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर को निर्देश दिए कि वे 90 दिनों के भीतर प्राधिकरण से राशि वसूल कर कर्मचारियों को भुगतान कराएं और उन्हें वापस काम पर बहाल करें। यूनियन का आभार सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ग्रेटर नोएडा माली एवं सफाई कामगार यूनियन ने अपनी जीत बताया यूनियन के महामंत्री रामकिशन सिंह और मंत्री टीकम सिंह ने संघर्ष की इस लंबी यात्रा का जिक्र किया और सीटू के पदाधिकारियों, सपा नेता राजकुमार भाटी, इलाहाबाद हाई कोर्ट के अधिवक्ता नरेश कुमार वर्मा और गोपाल नारायण और सुप्रीम कोर्ट में पेरवी करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा, प्रेम मल्होत्रा, अनसूया, सिवान मैनी का आभार व्यक्त किया, जिनकी मदद से यह न्याय संभव हो पाया। सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा कहा कि श्रम विभाग व जिला प्रशासन माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश का पालन सुनिश्चित कराएं यदि ऐसा नहीं किया गया तो यूनियन फिर से आंदोलन करने को विवश होंगी। साथी उन्होंने कहा यह मामला अन्य अस्थायी कर्मचारियों के लिए भी एक उदाहरण बन गया है, जो नियमितीकरण की लड़ाई लड़ रहे हैं। यूनियन ने अपने सदस्यों से एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया है और कहा है कि किसी भी अन्याय के खिलाफ उनकी यह लड़ाई जारी रहेगी।

पत्नी पर खौलता पानी डाला, पिटाई की,36 घंटे चलता रहा समझौता, मायके वालों ने दर्ज कराया केस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के अतरौरा गांव में एक महिला के साथ हुई हिंसा का मामला सामने आया है। सितारा देवी नाम की महिला पर 30 अप्रैल

की सुबह गांव की ही एक महिला और उसकी बेटी ने खौलता पानी डाल दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने बैट और बर्तन से महिला की पिटाई भी की। घटना के बाद सितारा देवी गंभीर रूप से झुलस गईं और बेहोश हो गईं। इस दौरान कुर्मी समाज के कुछ लोग पीड़िता के पति से समझौता कराने में जुटे रहे। जब सितारा के मायके वालों को फूलपुर के रैनी गांव में इस घटना की जानकारी मिली, तो वे तुरंत अतरौरा पहुंचे। मायके वालों ने समाज के लोगों का विरोध किया और घटना के 36 घंटे बाद उतरांव थाने में शिकायत दर्ज कराई। थानाध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी ने तत्काल मामला दर्ज कर सितारा को स्वरूप रानी अस्पताल भेजा, जहां वह इलाज के लिए भर्ती हैं। पुलिस ने आरोपियों के घर पर छापेमारी की, लेकिन देर से सूचना मिलने के कारण वे फरार हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। फिलहाल पुलिस के पकड़ से आरोपी बाहर है। अभी तक मुकदमे में नाम जद लोगों को पुलिस नहीं पकड़ सकी।

पाकिस्तान से युद्ध में गेमचेंजर बनेगा यूपी का गंगा एक्सप्रेस-वे, राफेल से लेकर हरक्यूलिस तक उतरे

नई दिल्ली।पहलगाम आतंकी हमले का ऑपरेशन सिंदूर से बदला लेने के बाद भारत-पाकिस्तान में तनाव और

बढ़ गया है। दोनों देशों की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस स्थिति में हाल ही में शाहजहांपुर के गंगा एक्सप्रेस-वे का महत्व और बढ़ गया है। यहां 2 मई को पहली बार नाइट लैंडिंग कर भारतीय वायुसेना ने रिकॉर्ड कायम किया था। यह नाइट लैंडिंग का सिर्फ एक अभ्यास नहीं था, बल्कि युद्ध के समय बड़ा गेमचेंजर साबित होगा। यह परीक्षण सैन्य तैयारियों, इमरजेंसी ऑपरेशन और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम था। राफेल से लेकर सी-130जे सुपर हरक्यूलिस तक इस अभ्यास में शामिल रहे। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, पाकिस्तान से युद्ध के हालात में गंगा एक्सप्रेस-वे एयरफोर्स के लिए बड़ा उपयोगी होगा। यहां से पाकिस्तान बॉर्डर की दूरी सिर्फ 800 किलोमीटर है। वायुसेना ने यूपी के शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे पर दिन-रात दोनों समय फाइटर जेट की लैंडिंग की प्रैक्टिस की। दिन में जहां एक हेलिकॉप्टर समेत 16 विमान शामिल हुए थे। वहीं रात में 9 से 10 बजे के बीच एक हेलिकॉप्टर समेत 15 विमान लैंडिंग में शामिल हुए थे। अभ्यास में लड़ाकू विमानों में राफेल, सुखोई, मिराज-2000, मिग-29, जगुआर और परिवहन विमान में सी-130जे सुपर हरक्यूलिस व एएन-32 शामिल रहे। वहीं वायुसेना ने एमआई-17 वी5 हेलिकॉप्टर का भी परीक्षण इस रनवे पर दिन-रात की लैंडिंग में किया था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा इस्तीफा देंगे, घर पर मिले जले नोटों की जांच में दोषी पाए गए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर नकदी मिलने के आरोपों की जांच के लिए बनी कमेटी ने अपनी रिपोर्ट चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना को सौंप दी है। इसमें जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है। पता चला है कि जस्टिस वर्मा को इस्तीफा दे सकते हैं। लेकिन, अगर वो इस्तीफा नहीं देते, तो उनकी बर्खास्तगी के लिए राष्ट्रपति को सिफारिश भेजी जाएगी। जस्टिस वर्मा को को जवाब देने के लिए शुक्रवार, 9 मई तक का समय दिया गया है। सीजेआई संजीव खन्ना ने जस्टिस वर्मा मामले की जांच करने के लिए 21 मार्च को कमेटी बनाई थी। इसमें पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की जस्टिस अनु शिवरामन शामिल थे। कमेटी ने 25 मार्च को जांच शुरू की थी। 4 मई को सीजेआई को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। जस्टिस यशवंत वर्मा को वापस इलाहाबाद भेजने की बात का 23 मार्च को इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने विरोध किया था। बार ने जनरल हाउस मीटिंग बुलाई थी। इसमें जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की मांग का प्रस्ताव पारित किया गया था। साथ ही मामले की जांच ईडी और सीबीआई से कराने की मांग का भी प्रस्ताव पारित किया गया था। प्रस्ताव की कॉपी सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई को भी भेजी गई थी। एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने 27 मार्च को सीजेआई संजीव खन्ना और कॉलेजियम के सदस्यों से मिलकर ट्रांसफर पर पुनर्विचार करने की मांग की थी। जस्टिस यशवंत वर्मा इलाहाबाद हाईकोर्ट में ही बतौर जज नियुक्त हुए थे। इसके बाद अक्टूबर, 2021 में उनका दिल्ली हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया था। जज बनने से पहले वह इलाहाबाद हाईकोर्ट में राज्य सरकार के चीफ स्टैंडिंग काउंसिल भी रहे हैं।जस्टिस यशवंत वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित घर में 14 मार्च की रात आग लगी। उनके घर के स्टोर रूम जैसे कमरे में 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले। सवाल खड़ा हुआ कि इतना कैश कहां से आया। मामले ने तूल पकड़ा।

प्रयागराज में युद्ध से बचाव की मॉक ड्रिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' एयर स्ट्राइक के बाद प्रयागराज में भी अलर्ट है। प्रयागराज में भी युद्ध के हालातों से निपटने, हवाई हमले के दौरान बचाव, सायरन बजने के हालात में स्थानीय लोगों को क्या करना है, हमले के दौरान स्थिति बिगड़ने पर कैसे आगे आना है, इसे लेकर आज मॉक ड्रिल हो रही। स्कूलों में छात्रों को किसी भी हालातों से निपटने के लिए पुलिस ने टिप्स सिखाए। छात्रों को बताया गया कि किसी हमले या आपदा की स्थिति में घबराने की बजाय सतर्कता और समझदारी से कैसे प्रतिक्रिया दी जाए। उन्हें यह भी सिखाया गया कि घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार कैसे दिया जा सकता है, जिसमें पट्टी बांधना, बहते खून को रोकना, बेहोशी की स्थिति में प्राथमिक मदद जैसे जरूरी टिप्स शामिल थे। स्कूल के अंदर अलग-अलग आपातकालीन स्थितियों को दिखाते हुए रिहर्सल कराई गई- जैसे आग लगने की स्थिति, विस्फोट, किसी संदिग्ध वस्तु का मिलना।

कॉपी न जांचने वाले 35 हजार शिक्षकों पर कार्रवाई होगी,बोर्ड सचिव की ओर से मांगे गए रिकॉर्ड,फर्जी मिले तो जाएंगे जेल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। युपी बोर्ड प्रयागराज की ओर से 10वीं और 12वीं की परीक्षा संपन्न हुई और इसके रिजल्ट भी घोषित हो चुके हैं। युपी बोर्ड को उन शिक्षकों की तलाश है जिनकी ड्यूटी कापियों के मूल्यांकन में लगाई गई थी लेकिन वह एक भी दिन

कापी जांचने नहीं गए थे। ऐसे करीब 35,000 से ज्यादा शिक्षक हैं। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने सभी जनपद के डी.आई.ओ.एस से इन सभी शिक्षकों के रिकार्ड मांगे हैं। दरअसल, इसमें ज्यादा शिक्षकों ने परीक्षा के दौरान कक्ष निरीक्षक की ड्यूटी तो की थी लेकिन जब मूल्यांकन का कार्य शुरू हुआ तो यह गायब हो गए। ऐसे में बोर्ड को यह संदेह है कि कहीं यह फर्जी शिक्षक तो नहीं हैं। क्योंकि जब एग्जाम चल रहा था तो कई जगहों पर कक्ष निरीक्षक भी फर्जी पकड़े गए थे और उन्हें जेल भी भेजा गया था। यदि इस जांच में भी फर्जी शिक्षक मिलते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए जेल भेजने की तैयारी है। मूल्यांकन के लिए 1.48 लाख परीक्षकों की थी ड्यूटी 19 मार्च से 2 अप्रैल तक प्रदेश के 261 केंद्रों पर 10वीं और 12वीं की कापियों का मूल्यांकन कार्य चला था। इसके पहले 12 मार्च से परीक्षाएं शुरू हुई थी। कापियां जांचने के लिए 1.48 लाख से ज्यादा परीक्षक नियुक्त किए गए थे। बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने एग्जाम और मूल्यांकन कार्य होने के बाद जब डेटा निकलवाया तो पता चला कि 35,000 के लगभग ऐसे शिक्षक हैं जो एक भी दिन कापी जांचने नहीं पहुंचे थे। अब प्रदेश के सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों से इन अनुपस्थित परीक्षकों से जुड़े शिक्षकों के अभिलेख मांगे हैं।

नैनी में अवैध निर्माण पर पीडीए का एक्शन,आदेश के बाद भी काम कराने पर बिल्डिंग सील, नक्शा भी पास नहीं था

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने

नैनी में काटन मिल तिराहे के पास अवैध निर्माण के खिलाफ कार्र

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दीवानी न्यायालय स्थित लॉकअप का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली राज कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा दीवानी न्यायालय स्थित लॉकअप का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मी बृजपाल वर्मा से लॉकअप में निरुद्ध बन्दियों के बाबत जानकारी ली गयी। इस दौरान अपर जिला जज/सचिव द्वारा लॉकअप में बन्दियों के मध्य जाकर लॉकअप में साफ-सफाई का जायजा लिया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लॉकअप में पर्याप्त साफ-सफाई नहीं पाये जाने पर सम्बन्धित को उचित साफ-सफाई हेतु दिशा-निर्देश जारी किये गये। दौरान निरीक्षण लॉकअप में 54 पुरुष व 02 महिला बन्दी की निरुद्धि बताई गयी। निरीक्षण के दौरान पुलिस कर्मी द्वारा बताया गया कि लॉकअप में एकझास फैन लगवाएं जाने की आवश्यकता है जिससे बंदियों को स्वस्थ सांस लेने में समस्या का सामना करना पड़े। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात कुछ सुरक्षाकर्मी उचित वेश-भूषा में नहीं पाये जाने पर उनको निर्धारित पोशाक में रहने हेतु निर्देशित किया गया। लॉकअप में बन्दियों से सम्बन्धित रजिस्टर का भी अवलोकन किया गया। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी बृजपाल वर्मा के द्वारा बताया गया न्यायालय में पेशी के लिए जनपद रायबरेली, जनपद अमेठी व महिला बन्दियो को तीन अलग-अलग वाहनों में लाया जाता है।

मरीजों के परिजनों ने अस्पताल में किया हंगामा।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। डॉक्टर को इलाज़ में लापरवाही बरतने के परिजनों ने आरोप लगा कर में किया हंगामा। इमरजेंसी में तैनात डॉ0. शांतनु कुमार ने दूर से देखकर ही मरीज को किया जिला अस्पताल रेफर। मरीज के परिजनों ने डॉक्टर पर बदतमीजी करने का लगाया गंम्भीर आरोप। मरीज के परिजनों ने डॉक्टर पर ऑन ड्यूटी शराब का सेवन करने का भी लगाया आरोप। सी एच सी चोपन अस्पताल में तैनात डॉ0 शांतनु कुमार ने मीडिया से भी किया झड़प। सीएचसी पर तैनात डॉ0 शांतनु कुमार ने मिडिया का मोबाइल फोन छीन कर फेंका। डॉ0 शांतनु कुमार हमेशा रहते है विवादों में इनके ऊपर स्वास्थ्य विभाग है मेहरबान। हादसे के बाद मरीज को इलाज़ के लिए लाया गया था चोपन हॉस्पिटल। घायल के सिर, हाथ में गंभीर चोट आने की वजह से कराया गया था भर्ती। चोपन थाना क्षेत्र के सीएचसी चोपन का बताया जा रहा है पूरा मामला।

वक्फ सुधार जनजागरण अभियान के तहत अल्पसंख्यक प्रबुद्ध संवाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। वक्फ सुधार जनजागरण अभियान के तहत अल्पसंख्यक प्रबुद्ध संवाद कार्यकम नगर पालिका सभागार रॉबर्ट्सगंज पर सम्पन्न हुयी संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सदर विधायक श्री भूपेश चौबे जी व विशिष्ठ अतिथि के रुप मे नगर पालिका अध्यक्ष रॉबर्ट्सगंज श्रीमती रूबी प्रसाद जी मौजूद रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला मंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा श्री अनवर अली व संचालन वक्फ सुधार जनजागरण अभियान के सह संयोजक अल्ताफ कादरी ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि श्री भूपेश जी ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 कमजोर वर्ग एवं मुस्लिम महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रुप से मजबूत करने मे सहायक साबित होगा आगे कहा कि वक्फ इस्लामी कानून के अंतर्गत स्थापित एक अपरिवर्तनीय धर्मार्थ निधि है, जिसे भारत में वक्फ अधिनियम, 1995 के तहत मान्यता प्राप्त और विनियमित किया जाता है। वक्फ बोर्ड और उनके द्वारा नियंत्रित सम्पत्तियाँ भारत में इस्लामिक जीवन के महत्वपूर्ण अंग हैं, क्योंकि वे अनगिनत मस्जिदों, धार्मिक और परोपकारी संस्थानों के संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं। साथ में उन्होंने यह भी बताया कि 2018 की केंद्रीय वक्फ परिषद रिपोर्ट के अनुसार भारत

में 8 लाख एकड़ से अधिक वक्फ संपत्ति है, जिसकी अनुमानित कीमत रू0 10 लाख करोड़ से अधिक है। यू0पी0ए0 सरकार द्वारा प्रस्तुत वक्फ संशोधन अधिनियम, 2013 ने वक्फ बोर्ड की शक्तियों का विस्तार करके मनमाने ढंग से भूमि अधिग्रहण को सक्षम करके सम्पत्ति के अधिकारों को कमजोर कर दिया। इसमें पारदर्शिता की कमी और हितधारकों की चिंताओं को नजर अंदाज करने के साथ ही बिना किसी नियम कानून के फैसले किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ठ अतिथि श्रीमती रूबी प्रसाद जी ने कहा कि जैसे-राज्य-वित्तपोषित सर्वेक्षण और वक्फ संपत्ति पर प्रतिबंध राज्य सरकार के अधिकार और गैर-मुस्लिम दान को शामिल करने की सीमाएँ, वक्फ परिषद की बढ़ी शक्तियाँ और वक्फ संपत्ति पर लेनदेन पर प्रतिबंध, राज्यों पर बोझ और मनमाने भूमि दावे, यू0पी0ए0 सरकार द्वारा 2014 के विधेयक में वक्फ बोर्ड को और अधिक व्यापक शक्ति देने का प्रस्ताव किया गया के साथ - साथ अनेको वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 की मुख्य विशेषताओं पर विस्तृत चर्चा किया। वक्फ संशोधन विधेयक 2025 कमजोर वर्ग एवं मुस्लिम महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रुप से मजबूत करने मे सहायक साबित होगा यह विधेयक विरासत एवं व्यक्तिगत संपत्तियों के अधिकारों की सुरक्षा करेगा मुस्लिम महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति मे सुधार होगा विपक्ष का एजेंडा नकारात्मक प्रचार से लोगो को भ्रमित करने का है। प्रधानमंत्री मोदी जी का संकल्प सबका साथ सबका विकास व सबका विश्वास है और यही संकल्प केन्द्र सरकार की प्रत्येक योजना एवं निर्णय में परिलक्षित होता है। सह संयोजक अल्ताफ कादरी ने आये हुए मुख्यअतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रबुद्धजनों व कार्यकर्ताओं से कहा कि आप लोग अपने-अपने मंडलों में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के बारे में सामाजों में जाकर चर्चा करें एवं कार्यक्रम समापन की घोषणा की। कार्यक्रम मे मुख्यरुप से पूर्व सभासद दानिश खान,अनवर अली, अजहर खां, मुस्ताक अहमद खां, चिरागुद्दीन खां, मुस्तफा जमाल सुन्ना, तौकिर खान पूर्व उपाध्यक्ष मुस्तकीम, सरवर अंसारी, हाफिज जावेद, मुन्ना खान, सैय्यद नजीर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्रिटिकल मरीज का सफलतापूर्वक डॉ अखिलेश ने किया आपरेशन
सालों से परेशान रीढ़ के हड्डी का हुआ सफल ऑपरेशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नेशनल हॉस्पिटल धर्मशाला रोड, राबर्ट्सगंज सोनभद्र में मरीज साहिद पुत्र अल्ताफ अली उम्र 16 वर्ष ग्राम दूबेपुर पोस्ट-पवनी जिला सोनभद्र का निवासी है, जो 23.04.2025 को शाम के समय पहाड़ पर से गिर गया था, तत्काल मरीज को लेकर जिला अस्पताल लोढ़ी गये फिर वहाँ पर इनके मरीज का इलाज हुआ, लेकिन मरीज को कोई आराम न मिलने के कारण मरीज को नेशनल हॉस्पिटल राबर्ट्सगंज सोनभद्र के वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ0 अखिलेश पटेल जी से चिकित्सीय परामर्श किये वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ0 अखिलेश पटेल ने मरीज की बिमारी का निश्चित रूप से इलाज हो जायेगा। हड्डी रोग चिकित्सक डॉ0 अखिलेश पटेल ने मरीज को देखने के बाद आश्वासन देते हुये कहा की मरीज की रीढ़ की हड्डी टूट गयी है और दोनों पैर काम करना बंद कर दिया है और बताया

की मरीज का ड11 (डी0 इलेवन) फैक्चर के साथ-साथ पैरापलेजिया हो गया है। इस बीमारी से निजात पाने के लिये मरीज के रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन तत्काल करना पड़ेगा। नेशनल हॉस्पिटल में वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ0 अखिलेश पटेल द्वारा मरीज के रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन तत्काल सफलतापूर्वक कर दिया गया और मरीज पूर्णतः स्वस्थ्य है। मरीज पूर्णतः स्वस्थ्य होने पर सोमवार को मरीज को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया और घर पर रहकर स्वास्थ्य लाभ लेने को कहा गया इस प्रकार के मरीज का ईलाज अभी तक बड़े शहरों दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी में ही होता था, लेकिन नेशनल हॉस्पिटल के वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ0 अखिलेश पटेल द्वारा लगातार इस दुरह क्षेत्र में किटिकल मरीजों का सफलतापूर्वक आपरेशन कर के कीर्तिमान हासिल किया जा रहा है। आज इस मरीज के डिस्चार्ज के समय डॉ0 आर0पी0 सिंह एवं डॉ0 अखिलेश पटेल, डॉ0वी0 के0 उपाध्याय, डॉ0 हरीश कुमार के साथ हॉस्पिटल के प्रबन्धक निदेशक डॉ0 लोकपति सिंह पटेल भी उपस्थिति रहे।

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी

उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशानुसार दिनांक 06 मई 2025 जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक वाह्य निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली गई। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोन ब्लॉक में आम जनता की समस्याओं को लेकर सौंपा पत्र
खंड विकास अधिकारी से प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात, पानी और आवास मुद्दों पर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र

अंतर्गत कोन ब्लॉक में स्थानीय नागरिकों की जनसमस्याओं को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने खंड विकास अधिकारी से भेंट की। इस दौरान क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की गंभीर समस्या, पात्र व्यक्तियों को आवास एवं शौचालय जैसी योजनाओं का लाभ न मिल पाना, जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। खंड विकास अधिकारी ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में पानी की सप्लाई निरंतर की जा रही है और जहाँ भी समस्या होगी, वहाँ विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ केवल योग्य और पात्र लाभार्थियों को ही दिया जा रहा है और यह प्रक्रिया आगे भी पारदर्शिता के साथ जारी रहेगी। इस अवसर पर अपना दल (एस) युवा मंच उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद पटेल दयालु ने कहा कि 'सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएँ तभी सफल होंगी जब इनका लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचे। हमें ज़मीनी स्तर पर यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी पात्र व्यक्ति को वंचित न किया जाए। सरकार की हर योजना पारदर्शी और ईमानदारी से लागू होनी चाहिए।' इस बैठक में अपना दल (एस) के कई वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल रहे, जिनमें प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक मंच जनाब महताब आलम, जिला उपाध्यक्ष जनाब शिब्बू शेख, जिला सचिव संतोष कनौजिया, पूर्व जिला उपाध्यक्ष महेश अग्रहरी, तथा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ओबरा विकास कुमार गौड़ शामिल रहे।

एडिशनल एसपी ने विवेचना रजिस्टर का निरीक्षण कर दिए निर्देश,बीट आरक्षियों के बीट बुक का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र।पुलिस लाईन चुर्क, सोनभद्र स्थित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह द्वारा जनपद के समस्त विवोचको के विवेचना रजिस्टर का निरीक्षण व बीट सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में जनपद के समस्त बीट कर्मियों के बीट बुक का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान बीट कर्मियों को बीट क्षेत्र में नियमित रूप से भ्रमण करते हुये बीट क्षेत्र में होने वाले अवैध कार्यों के सम्बन्ध में अभिसूचना संकलन करने तथा अवैध शराब/मादक पदार्थों/छेड़खानी/महिला उत्पीड़न में लिप्त अपराधियों व मनचलों/शोहदों के सम्बन्ध में जानकारी एकत्र किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही बीट में प्रभावी कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारीगण से प्राप्त निर्देशों से अवगत कराते हुये ब्रीफ किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय द्वारा बीट कर्मियों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछा गया तथा प्रकाश में आने वाली समस्याओं के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारीगणों को निर्देशित किया गया।

वक्फ सुधार कानून से मुस्लिम समाज का होगा उत्थानः अनिल
वक्फ संशोधन विधेयक की दी गई जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी की तरफ से घोरावल विधानसभा के उरमौरा में वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को ध्यान में रखते हुए जनजागरण अभियान चलाया गया। इसमें घोरावल विधायक डॉ अनिल कुमार मौर्य ने कहा कि मोदी सरकार ने वक्फ संशोधन लाकर असहाय मुस्लिमों को बड़ी राहत दी है। वर्तमान अधिनियम वक्फ प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। मनमाने ढंग से संपत्ति अधिग्रहण को रोककर धार्मिक स्वतंत्रता और समानता को आगे बढ़ाया जाएगा। वक्फ के नाम पर भू माफिया अपना व्यक्तिगत लाभ साधते थे। लेकिन अब सरकार ने वक्फ संशोधन करके भू माफिया और दबंगों

की कमर तोड़ दी है। गलत वक्फ दावों के खिलाफ आदिवासियों की अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। संरक्षित स्मारक वक्फ के दायरे से बाहर होंगे, इस अधिनियम के माध्यम से महिलाओं के अधिकार में वृद्धि होगी। ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने कहा कि 31 प्रतिशत से अधिक मुसलमान आज भी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। जबकि लाखों करोड़ों की वक्फ संपत्तियां उनके विकास में कोई सहायक नहीं बनती रही हैं। पूर्व में बना वक्फ बोर्ड ताकतवर लोगों के लिए हथियार बन गया था जिसका उसके पदाधिकारी अपनी सुविधानुसार दुरुपयोग करते थे। नए सुधार से पूर्व की गलतियों को सुधारकर जनहित के कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम संयोजक अनवर अली ने कहा कि वक्फ अधिनियम 2025 ने हमारे तबके के कमजोर लोगों को नया जीवन दिया है। इस मौके पर सुरेश शुक्ला, आशुतोष सिंह, सदर समसुद्दीन खां, इस्तियाक अंसारी, मुस्तफा खां, आशु खां, सहादत अंसारी, करीमुद्दीन, कासिम शाह आदि मौजूद थे।

शिक्षा में निरंतर उन्नयनशील-उम्मीद छात्र छात्राए हुए सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र के छात्र छात्रों द्वारा उम्मीद संस्थान में निशुल्क शिक्षा समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए उसके अंतर्गत विभिन्न कक्षाओं तथा प्रतियोगी

परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक द्वारा सम्मानित किया गया।कक्षा 10 के 80 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले छात्र नाम आद्या सिंह,अविनाश कुमार, साधना,सौरभ,रिया वर्मा, विशाल कक्षा 12 में 70 प्रतिशत अंक पाने वाले छात्र रोशन जायसवाल, शिवांश,अनिकेत,अंकिता तथा जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित छात्र यश कुमार,आरुषि गुप्ता को सम्मानित किया गया । इस अवसर पर राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक प्रोफेसर गीतम सिंह तोमर ने समाज के प्रति संस्थान के उत्तरदायित्वों के प्रति कटिबद्धता जताई उन्होंने यह आश्वाशन दिया कि राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज निरन्तर इस क्षेत्र के उन्नयन का प्रयास करता रहेगा ।इस अवसर पर उम्मीद संस्था के फैकल्टी कॉर्डिनेटर प्रशांत पांडे तथा सिकंदर जी उपस्थित रहे ।वर्तमान में संस्थान में प्रथम कक्षा से लेकर 12 तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है । वर्तमान में 300 से अधिक छात्रों के शिक्षण का कार्य किया जाता है ।यह संभव करने में प्रशिक्षुओं मयंक शर्मा , अभिषेक चौधरी,शुभिका शर्मा , अमन सिंह यादव,मनोज यादव ,विवेक पांडे,केशव ,अंश वर्मा,अंजलि, सुष्मिता सिंह का विशेष योगदान रहा ।

पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह की मनाई गई पुण्यतिथि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय लोक दल के

संस्थापक पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह की पुण्यतिथि पर उनको याद किया गया।। सिंचाई डॉक बंगले पर रालोद कार्यकताओं ने चौधरी अजीत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण किया और विचार संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने स्वर्गीय अजीत सिंह को चौधरी चरण सिंह जी की भारत की किसान केंद्रित राजनीतिक विरासत का सच्चा अनुयाई बताते हुए कृषि मंत्री के रूप में किसानों के हित में उनके द्वारा लिए गए युगांतरकारी निर्णयों पर प्रकाश डाला। देश दुनिया के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों से शिक्षा प्राप्त करने वाले चौधरी साहब ने अपना पूरा जीवन किसानों के लिए समर्पित कर दिया। समकालीन राजनीति में किसानों का हितैषी ऐसा कोई नेता पैदा नहीं हुआ। श्री त्रिपाठी ने कहा चौधरी अजीत सिंह का सोनभद्र से गहरा नाता था। मुन्ना सिंह चौहान के सिंचाई मंत्री होते समय उन्होंने सोनभद्र के सुदूर जंगली क्षेत्रों तक का भ्रमण किया था और जसौली सिंचाई परियोजना जैसी कई सौगातें सोनभद्र के किसानों को दी थीं। वहीं प्रदेश सचिव युवा रालोद विवेक चतुर्वेदी ने अजीत सिंह को एक दूरदर्शी नेता बताया जो आधुनिक तकनीकी से कृषि को जोड़कर किसानों के जीवन में बड़े परिवर्तन की सोच रखते थे। इसी दृष्टि से उन्होंने कई कृषि अनुसंधान संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों की स्थापना भी कराई। युवा रालोद जिलाध्यक्ष प्रशांत विष्णु प्रताप सिंह ने विचार रखते हुए कहा कि चौधरी साहब बड़े दूरदर्शी विचार के नेता थे। किसानों,कामगारों और समाज के निचले तबके को उठाने के लिए किए गए उनके प्रयासों के लिए उन्हें सदा याद किया जाता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन संगठन महासचिव पवन शुक्ला ने किया। इस अवसर पर मीडिया पर हरि विकास पाण्डेय,अनिल प्रताप सिंह,बाबा रामदेव,ओमप्रकाश भारती,अमीन अंसारी, दीपक गुप्ता , बबुन्दर यादव, सुनील गुप्ता,भूषण पटेल समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रभारी विहीन पुलिस चौकी सरई गढ़, कौन सुने फरियादियों की समस्या, दो माह हो गए, दो हेड कांस्टेबल के सहारे चौकी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रायपुर थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी लगभग दो माह से उपनिरीक्षक विहीन है पुलिस चौकी में मात्र दो हेड कांस्टेबल तैनात है उन्ही के सहारे चौकी का संचालन हो रहा है। पहले उपनिरीक्षक रहे चंद्रभान सिंह का तबादला गैर जनपद हुए दो माह का समय बीत गया लेकिन सरई गढ़ पुलिस चौकी को कोई उपनिरीक्षक अभी

तक नहीं मिला जो पुलिस महकमे की कार्यशैली पर तरह तरह के सवाल उठ रहे हैं दो माह से प्रभारी विहीन चौकी का मामला कई प्रकार के सवालों को जन्म दे रहा है और चट्टी ,चौराहों पर इस बात की चर्चा भी हो रही है कि आखिर क्या कारण है कि दो माह से चौकी इंचार्ज विहीन है या किसी अधिकारी की नजर नहीं पड़ रही हैं या कोई चौकी सरई गढ़ आना नहीं चाहता तमाम प्रश्न खड़े हो रहे हैं। चौकी में दो हेड कांस्टेबल है कही किसी गांव में कोई अप्रिय घटना हो जाय तो दोनो कांस्टेबल एक साथ भी नहीं जा सकते है क्योंकि एक सिपाही की ड्यूटी वायरलेस सेट के पास होती है ऐसे में एक सिपाही क्या कर सकता है। जानकारी के अनुसार रायपुर थाना से एक उपनिरीक्षक की ड्यूटी लगाई गई है लेकिन चौकी सरई गढ़ में लेकिन वे भी तभी आते है जब कोई जरूरी कागजी कार्य पूरा करना होता है दो माह से प्रभारी विहीन चौकी होने से क्षेत्रीय लोगों में भी अपनी सुरक्षा के प्रति भय बना हुआ है क्योंकि इस क्षेत्र में पहले कई चोरियां हो चुकी है जिनका पर्दाफाश तक नही हो पाया चट्टी चौराहों के व्यापारी दुकानदार आदि को अपनी सुरक्षा का भय रहता है ऐसे में जो भी चौकी प्रभारी होते है फोर्स के साथ चट्टी चौराहों पर गस्त कर आम जनमानस में सुरक्षा का एहसास दिलाते है लेकिन पुलिस चौकी सरई गढ़ प्रभारी निरीक्षक विहीन होने से फरियादियों को भी इधर उधर भटकना पड़ रहा है तथा क्षेत्रीय ग्रामीण व्यापारियों में अपनी सुरक्षा का भय सता रहा है। इस संबंध में जब अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह से सेल फोन पर वार्ता की गई तो उन्होने ने बताया की बहुत जल्द एक दो दिन में पुलिस चौकी सरई गढ़ में चौकी प्रभारी की पोस्टिंग कर दी जाएगी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से महिला हुई गंभीर रूप से घायल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के वैष्णो मंदिर के पास वाराणसी शक्ति नगर राज्य मार्ग पर मंगलवार की भोर लगभग 4:00 बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक महिला का बाया पैर टूट कर क्षतिग्रस्त हो गया मौके से वहन हुआ फरार मिली जानकारी के मुताबिक घायल महिला नेवली उर्फ चिंतामणि 70 वर्ष पत्नी मुन्नीलाल निवासी चोपन गांव शाम को अपने लड़का रामू के घर से खाना पीना खाकर चोपन के लिए निकली जो की रात में घर ना जाकर वैष्णो मंदिर के आसपास मौजूद रही जो सुबह 4:00 बजे अज्ञात वाहन ने टक्कर मारते हुए मौके से फरार हो गया इसकी जानकारी मौके पर निषाद पार्टी के जिला अध्यक्ष अनिकेत निषाद ने तत्काल 112 व एंबुलेंस को सूचना देते हुए घर वालों को बुलाकर एंबुलेंस की सहायता से चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए भेज दिया गया रामू ने बताया कि कुछ दिमाग की संतुलन ठीक ना होने की वजह से इधर-उधर घूम के घर जा रही थी जो की रात में खाना खाकर घर के लिए निकली थी।

राशनधारी हितग्राही 15 मई तक कराएं ई-केवाईसी अन्यथा को खाद्यान्न प्राप्त करने में होगी समस्या

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

शहडोल । 8 मई 2025. जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन पटेल ने जानकारी दी है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से एन.एफ.एस.ए का खाद्यान्न निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में प्राथमिकता परिवारों को 05 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति सदस्य व अन्त्योदय परिवारों को 35 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति परिवार के मान से निःशुल्क वितरण किया जा रहा है साथ ही समस्त हितग्राहियों को नमक का वितरण 1.00 रूपये प्रति किलो की दर से एवं अन्त्योदय परिवारों को शक्कर का वितरण 20.00 रूपये प्रति किलो की दर से किया जा रहा है। शहडोल जिले में 226170 परिवार एवं 832374 सदस्यों को वर्तमान में निःशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है और निरंतर सभी उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं द्वारा कैम्प लगाकर एवं घर-घर जाकर ई-केवाईसी की जा रही है। दिनांक 07.05.2025 तक जिले में 730250 हितग्राहियों की ई-केवाईसी पीओएसी मशीन एवं मेरा ई-केवाईसी ऐप्प से की जा चुकी है। जिले में अभी भी 102124 हितग्राहियों की ई-केवाईसी शेष है। जिन हितग्राहियों की ई-केवाईसी दिनांक 15.05.2025 तक नही हो पायेगी उन्हे आगामी माह से खाद्यान्न प्राप्त नही होगा। ऐसे हितग्राही जिनके परिवार के सभी सदस्यों की ई-केवाईसी नहीं हुई है वे उचित मूल्य दुकान के विक्रेता से सम्पर्क कर दिनांक 15.05.2025 के पूर्व ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से करा ले अन्यथा हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड सकता है।

थाना चोपन पुलिस को मिली बड़ी सफलता पॉक्सो एक्ट से संबन्धित वांछित 02 नफर अभियुक्त व 01 नफर अभियुक्ता गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक महोदय के

निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक चोपन के कुशल नेतृत्व में वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में थाना चोपन पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 140/2025 धारा 137(2), 96, 61(2)ए, 64(2)एच, 64(2)एम, 64(1) बी.एन.एस. व धारा 5(जे), 5एल, 5क्यु/6 पॉक्सो एक्ट थाना चोपन जनपद सोनभद्र से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त 01. राहुल पुत्र स्व0 अमरनाथ गौड़ निवासी ग्राम चोपन थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 21 वर्ष 02. राजेश पुत्र हरिश्चन्द्र गौड़ निवासी ग्राम चोपन थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 21 वर्ष 03. शिवकुमारी पत्नी नन्दबिहारी गौड़ निवासी ग्राम चोपन थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।गिरफ्तार वांछित अभियुक्तगण का विवरण - 01. राहुल पुत्र स्व0 अमरनाथ गौड़ निवासी ग्राम चोपन थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 21 वर्ष। 02. राजेश पुत्र हरिश्चन्द्र गौड़ निवासी ग्राम चोपन थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 21 वर्ष। 03. शिवकुमारी पत्नी नन्दबिहारी गौड़ निवासी ग्राम चोपन थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम - 01. व0उ0नि0 उमाशंकर यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 02. का0 सुनील यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 03. का0 केशव सरोज थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 04. म0का0 दीपा यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र।

सोननदी में डूबने से एक युवक की मौत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। थाना जुगैल क्षेत्र के अंतर्गत गांव महलपुर के सोननदी में नहाने के दौरान एक युवक की हुआ मौत। मृतक बादल पुत्र शुद्ध राम साहनी उम्र करीब 18 वर्ष निवासी चकया थाना रायपुर अपने गांव के परिचित ड्राइवर श्यामसुंदर पुत्र स्वर्गीय विसुन का कपड़ा पहुंचाने महलपुर थाना जुगैल आया था सोननदी में नहाने बाद बाल्टी से पानी निकलने के दौरान फिसल कर गड्ढे में चला गया। जिससे वह डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। गोताखोर के अथक प्रयास से शव को पाया गया शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेजा गया।

राफेल का मजाक उड़ाने वाले अजय राय पर एफआईआर,वाराणसी में खिलौने पर नींबू मिर्ची लटकाई थी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नई दिल्ली। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पर वाराणसी के चेतगंज थाने में केस दर्ज किया गया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद अजय राय ने हवाई जहाज खिलौने पर नींबू मिर्ची बांधकर राफेल फाइटर प्लेन का मजाक उड़ाया था। राय के खिलाफ राष्ट्रवादी हिंदू शक्ति वाहिनी के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने चेतगंज थाने में शिकायत की थी। पुलिस ने राय के खिलाफ धारा 107 (1) के तहत शांतिभंग करने, झूठी सूचना, अफवाह या चौंकाने वाली खबरें बनाने, प्रकाशित या प्रसारित करने की धारा 353 (2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। अगर आरोप साबित हुए तो अजय राय को 2 साल तक की कैद हो सकती है। जुर्माना भी कोर्ट लगा सकती है।अजय राय ने 4 मई को वाराणसी में पत्रकारों से बात की थी। उन्होंने कहा था, जब सरकार ने राफेल खरीदा था, तब रक्षा मंत्री ने उसमें नीबू-मिर्च बांध दिया था। क्या यह राफेल नींबू मिर्च बांधने के लिए आया है?आखिर कब राफेल से नींबू

हटेगा और कब यह अपना काम करेगा। इस बारे में जनता जानना चाहती है। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए शुभम के परिवार के लोग जानना चाहते हैं। सरकार कब इसका इस्तेमाल करेगी और न्याय मिलेगा। देश के शहीद पूछ रहे हैं कि ये आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए आया है या सजाने के लिए आया है। उन्होंने कहा- राफेल कब कार्रवाई करेगा। हम सभी इसके इंतजार में बैठे हैं। हम चाहते हैं कि आतंकवादियों को सख्त जवाब मिलना चाहिए। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अजय राय के बयान पर पलटवार किया था। उन्होंने कहा- अजय राय ने राफेल को खिलौना कहकर देश की सेना का अपमान किया है। यह बयान राहुल गांधी के इशारे पर दिया गया है। पाकिस्तानी मीडिया इसे प्रोपगेंडा के लिए इस्तेमाल कर रहा है। कांग्रेस राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है।पाकिस्तान के न्यूज चैनल ने अजय राय के बयान को भारत के खिलाफ एक टूल किट के रूप में इस्तेमाल किया। उनके बयान को लेकर पाकिस्तान के न्यूज चैनल भारत के सैन्य क्षमता की खिल्ली उड़ा रहे थे। बीजेपी समेत तमाम राजनीतिक संगठनों ने अजय राय के इस बयान को लेकर गुस्सा जताया था। अजय राय को पाकिस्तान का एजेंट तक बता दिया था। शहर में कई जगहों पर अजय राय को पाकिस्तानी हीरो बताते हुए पोस्टर भी लगाए गए थे।

अलीगढ़ में 4 पुलिसवालों समेत 5 की मौत, कैदी को लेकर फिरोजाबाद से जा रहे थे, हाईवे पर कैंटर से टकराई गाड़ी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अलीगढ़। अलीगढ़ में पुलिस वैन सड़क किनारे खड़े कैंटर में घुस गई। हादसे में एक दरोगा, तीन सिपाही और गैंगस्टर की मौत हो गई। एक सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस टीम गैंगस्टर को पेशी पर फिरोजाबाद से बुलंदशहर ले जा रही थी। हादसा गुरुवार सुबह थाना लोधा क्षेत्र में हाईवे पर हुआ। हादसे के वीडियो सामने आए हैं। इनमें दिख रहा है कि एक पुलिसकर्मी कार के गेट में फंसा है। वह खून से लथपथ है। बेहोशी की हालत में पड़ा है। आस-पास खड़े लोग उसे निकालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पुलिस वैन का गेट बुरी तरह से पिचक जाने के कारण दरवाजा नहीं खुल रहा। वहीं, एक अन्य पुलिसकर्मी कार की फ्रंट सीट पर तड़पता हुआ दिखाई दे रहा है। उसके सिर और चेहरे पर गहरी चोटें हैं।पुलिस की जांच में पता चला है कि हादसा झपकी आने के चलते हुआ। मृतकों की पहचान दरोगा रामसजीवन, कॉन्स्टेबल बलबीर, चंद्रपाल, रघुवीर और गैंगस्टर गुलशनवर के रूप में हुई है। हेड कॉन्स्टेबल शेरपाल सिंह घायल हैं। उनका अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। दरोगा रामसजीवन गांव चतेला जिला जालौन के रहने वाले थे। हेड कॉन्स्टेबल चालक चंद्रपाल सिंह गांव मानागढ़ी जिला मथुरा के रहने वाले थे। हेड कॉन्स्टेबल बलबीर सिंह (55) गांव बिर्रा जिला हाथरस, हेड कॉन्स्टेबल रघुवीर सिंह गांव वाजूपा जिला हाथरस के रहने वाले थे। वहीं, घायल सिपाही शेरपाल सिंह बरसोली हाथरस के रहने

वाले हैं। बंदी गुलशनवर सीकरी भोपा मुजफ्फरनगर का रहने वाला है।सीओ संजीव तोमर ने बताया- फिरोजाबाद पुलिस की वैन चिकावटी मोड़ से होते हुए जा रही थी। सुबह लोधा क्षेत्र में हाईवे पर कैंटर (ठ49 ॅ 4796) खड़ा था। शुरुआती जांच के मुताबिक, ड्राइवर को झपकी आ गई थी। इसकी वजह से उसने गाड़ी से नियंत्रण खो दिया। गाड़ी बेकाबू होकर कैंटर में घुस गई। पुलिस के मुताबिक, हादसे के समय हाईवे पर ट्रैफिक सामान्य था। ऐसे में पुलिस वैन के ओवर स्पीड होने की आशंका जताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शी राहगीरों ने भी यही कहा कि तेज रफ्तार में वैन टकराई। टक्कर से धमाके जैसी आवाज आई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिस वैन का अगला हिस्सा बुरी तरह डैमेज हो गया। पुलिसकर्मी वैन में ही फंसे हुए थे। वैन का दरवाजा और शीशा तोड़कर सभी को बाहर निकाला गया। हादसे के बाद पुलिस ने क्रेन बुलवाकर कैंटर और वैन को सड़क से हटवाया।प्रत्यक्षदर्शी दुर्गा पाल ने बताया - मैं अपने खेत में चारा काट रहा था, तभी जोरदार धमाके की आवाज सुनी। मैं दौड़कर मौके पर पहुंचा। देखा तो पुलिस की गाड़ी कैंटर में घुस गई थी। तब तक आसपास के लोग इकट्ठा हो गए थे। पुलिस को सूचना दी गई। राहगीर ने बताया - वैन पीछे से कैंटर में इतनी तेज टकराई कि धमाके जैसी आवाज आई। मैंने बाइक को रोड किनारे खड़ी की। पास जाकर देखा तो पुलिस की गाड़ी खड़े कैंटर में घुस गई थी। वैन में लोग तड़प रहे थे। निकालने की कोशिश की, मगर वैन लॉक थी। आगे का गेट डैमेज हो गया था। इस वजह से गेट खोलने में दिक्कत हुई। इतने में वहां राहगीरों की भीड़ लग गई। पुलिस को फोन कर सूचना दी गई। पुलिस के आने पर सभी को निकाला गया। एम्बुलेंस कर्मी ने बताया- मैं एनएचएआई का एम्बुलेंस चालक हूं। जैसे ही मुझे सूचना मिली, मैं मौके पर पहुंचा। वहां एक कैंटर में पुलिस की गाड़ी घुसी हुई थी। पुलिस की गाड़ी कैदी को ले जा रही थी। इसमें 4 पुलिसकर्मी और एक कैदी मृत थे। एक घायल था। सभी को लेकर अस्पताल आया। यहां से घायल को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। अलीगढ़ एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक ने बताया- हादसा ड्राइव के नींद में होने से हुआ, या ओवर स्पीड या रोड खराब होने से गाड़ी बेकाबू होकर टकराईष्ठइन बिंदुओं पर पुलिस और फोरेंसिक टीम सबूत जुटा रही है। पुलिस ने 5 शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा दिया है। उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। एक पुलिस कर्मी घायल है, जिसका मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

योगी बोले- भारत विजयी है और रहेगा, कोई शक नहीं, पाकिस्तान अब कराह रहा, लखनऊ के हुसैनगंज चौराहे का नाम बदला

लखनऊ। भारत-पाकिस्तान में जंग के हालात पर सीएम

योगी ने कहा - भारत हर हाल में विजयी है और रहेगा। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों ने शरारत की, जिसका सेना के जवानों ने बहादुरी से करारा जवाब दिया। अब पाकिस्तान दुनिया के सामने कराह रहा है। आने वाले समय में पाकिस्तान अपने वजूद के लिए जूझता हुआ दिखाई देगा। सीएम योगी ने महाराणा प्रताप की जयंती पर लखनऊ में ये बातें कहीं। उन्होंने हुसैनगंज चौराहे पर स्थापित महाराणा प्रताप की प्रतिमा का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने ऐलान किया कि आज से हुसैनगंज चौराहा महाराणा प्रताप चौराहा के नाम से जाना जाएगा।आज पाकिस्तान दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है और कराहता हुआ नजर आ रहा है। भारत की कार्रवाई में मारे गए आतंकवादियों के जनाजे में पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारियों और राजनीतिज्ञों की मौजूदगी दुनिया की आंखें खोलने वाली है। यह साबित करता है कि पाकिस्तान न केवल आतंकवादियों को संरक्षण देता है, बल्कि सीधे तौर पर आतंकवाद में शामिल भी है। अब पाकिस्तान अपने वजूद के लिए जूझ रहा है।मुख्यमंत्री ने देशवासियों से अपील की कि वे भारतीय सेनाओं का मनोबल बढ़ाएं और सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से सावधान रहें। हर भारतवासी की जिम्मेदारी है कि हम अपनी सेनाओं के साथ खड़े हों और शरारतपूर्ण कार्रवाइयों को बेनकाब करें। केंद्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में हमें एकजुट होकर काम करना है। भारत हर हाल में विजयी है और रहेगा। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

मथुरा में बाल-बाल बचे प्रेमानंद महाराज,पदयात्रा के दौरान गिरने लगा लोहे का भारी ट्रेस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मथुरा। मथुरा के

वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज बुधवार को एक बड़े हादसे से बाल-बाल बच गए। उनकी पदयात्रा के दौरान स्वागत के लिए लगाए गए लोहे के भारी ट्रेस का एक हिस्सा अचानक भीड़ के दबाव में गिरने लगा। संत प्रेमानंद की पदयात्रा के दौरान उनके स्वागत के लिए रास्ते में कई जगहों पर सजावट और स्वागत द्वार बनाए गए थे। इन्हीं में एक जगह पर लोहे से बना एक भारी ट्रेस संत के स्वागत के लिए लगाया गया था। लेकिन, वजन के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और वह संत के बिल्कुल सामने गिरने लगा।हालांकि, गनीमत यह रही कि वहां मौजूद कुछ लोगों और आयोजकों ने गिरते हुए ट्रेस को सड़क पर गिरने से पहले ही पकड़ लिया। इससे संत प्रेमानंद महाराज और अन्य श्रद्धालुओं को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंच पाया।घटना के बाद कुछ समय के लिए श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। लेकिन, आयोजकों और सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति को तुरंत संभाल लिया।संत प्रेमानंद महाराज ने भी सभी को शांत को शांत रहने का संदेश दिया। साथ ही अपनी पदयात्रा जारी रखी। प्रेमानंद महाराज के संदेश के बाद लोग शांत हो गए और यात्रा बिना किसी और बाधा के चलती रही।इस घटना के बाद से प्रशासन और पदयात्रा आयोजकों पर सवाल उठने लगे हैं।

सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही को लेकर श्रद्धालुओं ने चिंता जताई की है। प्रशासन ने मामले को संज्ञान में लेते हुए भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।2 मई को केली कुंज आश्रम ने यात्रा बंद किए जाने की सूचना दी। हालांकि, आश्रम की ओर से दी गई जानकारी में यह नहीं बताया गया कि यात्रा कब तक बंद रहेगी। केली कुंज आश्रम ने भक्तों से अपील की है कि प्रेमानंद महाराज ने रात्रिकालीन यात्रा बंद कर रखी है। इसलिए, दर्शन के लिए रास्ते में खड़े ना हों।सेवादारों ने कहा था- प्रेमानंद महाराज का स्वास्थ्य सही नहीं है। इसलिए पदयात्रा नहीं करेंगे। आप लोग लौट जाइए। यात्रा मार्ग पर कतार में खड़े सभी भक्त बिना दर्शन किए निराश होकर लौट गए। केली कुंज आश्रम ने भक्ति मार्ग चैनल पर एक पोस्ट डाली। लिखा- राधे राधे श्री हरिवंश। आप सभी को सूचित किया जाता है कि पूज्य महाराज जी के स्वास्थ्य की अनुकूलता को देखते हुए पिछले कुछ दिनों से महाराज जी की रात्रिकालीन पदयात्रा बंद है। इसलिए आप सभी से प्रार्थना है कि कोई भी रात्रि में पूज्य महाराज जी के दर्शन के लिए रास्ते में खड़े न हों।संत प्रेमानंद महाराज का 30 मार्च को हिंदू नववर्ष पर धूमधाम से जन्मदिन मनाया गया। उनकी पदयात्रा में देशभर से 2 लाख भक्त पहुंचे।

हर कोई उनके दर्शन कर बधाई देने की चाहत लिए देर शाम से ही पदयात्रा के रास्ते में खड़ा था। भक्तों ने पदयात्रा का दो किलोमीटर रास्ता सजाया था। 10 क्विंटल गेंदा और गुलाब के फूलों से सड़क पर रंगोली बनाई गई थी। आतिशबाजी भी की जा रही थी। जगह-जगह भक्त राधा नाम का कीर्तन कर करते दिखे। प्रेमानंद महाराज ने वृंदावन की श्री कृष्णम शरणम् सोसाइटी से तड़के 2 बजे पदयात्रा शुरू की थी। दो किलोमीटर का सफर तय कर रमणरेती स्थित अपने आश्रम केली कुंज पहुंचे थे।

'पाकिस्तान से पीओके छीने सरकार, यही सही वक्त", लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्र बोले- सैनिकों ने दुश्मन की छाती पर मिसाइल दागी है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। पाकिस्तान के आतंकवादी

ठिकानों पर भारतीय सेना के एयर स्ट्राइक से राजधानी लखनऊ के कई इलाकों में जश्न का माहौल है। लखनऊ विश्वविद्यालय कैंपस में भी स्टूडेंट्स में सेना की इस शौर्य गाथा का बखान करते दिखे। स्टूडेंट्स ने सरकार और सेना से मांग की कि अब पीओके को भी पाकिस्तान से छीना जाए।अभिषेक श्रीवास्तव कहते है कि आधी रात 12 बजकर 38 मिनट पर भारतीय सेना के अदम्य साहस और पराक्रम को देखकर इतनी खुशी मिली है कि जिसे शब्दों में बयां करना बेहद मुश्किल है। दुश्मन देश ने भारत को चैलेंज किया था, जिसका जवाब भारत के वीर सैनिकों ने दुश्मन देश की छाती पर मिसाइल दाग कर दिया। एयर स्ट्राइक को देखकर मन गदगद हो गया।हम 'अतिथि देवो भवः' को भी मानते हैं। ये भी कहते हैं कि यदि छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं। भारतीय सेना ने जो दमदारी और साहस का काम किया है। इसके चलते पूरे देश में खुशी की लहर है। पाकिस्तान को समझना चाहिए कि अगर उसे युद्ध लड़ना है तो उसका नाम और निशान दोनों ही मिट जाएगा। प्रत्युष पांडेय कहते है पाकिस्तान को भारत से उलझना नहीं चाहिए। उसे 1971 वाली लड़ाई भी नहीं भूलनी चाहिए। उस युद्ध का अंजाम था कि बांग्लादेश बना। कहीं ऐसा ना हो कि फिर से पाकिस्तान युद्ध लड़े और बलूचिस्तान नया देश बन जाए। कम से कम पाकिस्तान को खुद के इतिहास से सीख लेनी चाहिए और संयम से काम करना चाहिए।भारतीय सेना की कार्रवाई से जैश का हेडक्वार्टर तबाह हो गया। भारतीय सेना की इस कार्रवाई और उसके अदम्य, शौर्य साहस और पराक्रम को सलाम करते हैं। पाकिस्तान को इसे जंग नहीं सिर्फ चेतावनी मानना चाहिए। इस स्ट्राइक से सबक लेना चाहिए और भविष्य में कोई भी आतंकवादी साजिश करने से पहले जरूर सोचना चाहिए कि भारतीय सेना हर तरीके से सक्षम है और उसकी नापाक हरकतों का मुंहतोड़ जवाब देगी। यूजी स्टूडेंट्स विवेक मिश्रा कहते हैं कि बॉर्डर पर भारतीय सेना मौजूद है, यही कारण है कि हम सभी भारतवासी सुरक्षित हैं। सेना से मुझे बस यही कहना है कि अब पीओके भी भारत में शामिल हो जाए तो बहुत अच्छा होगा। सरकार से मैं यही कहना चाहूंगा पाकिस्तान से बहुत जल्द पीओके छीन लेना चाहिए। यही सही वक्त है।पहलगाम में पाकिस्तान ने जो कायराना हरकत की थी, उसके खिलाफ भारत ने कार्रवाई की पर सभ्यता का भी परिचय दिया। भारतीय सेना ने सिर्फ आतंकवादियों और उनके कैंपों को ही नुकसान पहुंचाया। कहीं भी किसी आम नागरिक या पाकिस्तानी सैनिक को हताहत नहीं किया गया। बीए के सेकेंड ईयर स्टूडेंट मो.अयान आलम कहते है कि यह सिर्फ एक जीत नहीं ये जश्न का मौका है। जिस तरीके से भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया है और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है कम से कम अब तो पाकिस्तान को अपनी हरकतों से बाज आना चाहिए। पाकिस्तान हमेशा से कायराना तरीके से भारत पर हमला करता रहा है, आमने-सामने की लड़ाई में हमेशा उसे मुंह की खानी पड़ी है।भारत के लिए यह बेहद खुशी का पल है। गौरव के क्षण है। आज पूरे देश में जश्न का माहौल है। पाकिस्तान से मुझे बस यही कहना है कि पाकिस्तान अक्सर पीठ में छुरा घोंपकर भारत पर वार करता है जबकि भारतीय सेना सामने से आकर हमला करती है। अयान कहते है कि भारत और पाकिस्तान का कहीं कोई बराबरी नहीं हो सकती। पाकिस्तान भारत के चरणों की धूल के बराबर नहीं। पाकिस्तान में सरकार के लोग भारत से जंग लड़ने के धमकी जरूर देते हैं। अभी पाकिस्तान इतना सक्षम नहीं है कि वह भारत से जंग लड़कर उस पर जीत हासिल कर सके। इसलिए आतंक का रास्ता छोड़कर उसे शांति की तरफ जाना चाहिए।

उत्तराखंड हेलिकॉप्टर क्रैश- बरेली की मां-बेटी समेत 6 की मौत, 250 मीटर गहरी खाई में गिरा, सभी गंगोत्री जा रहे थे

उत्तराखंड। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में गुरुवार को हेलिकॉप्टर

क्रैश हो गया। हादसे में पायलट समेत 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में बरेली की रहने वाली मां-बेटी भी हैं। हादसा उत्तरकाशी के गंगनानी में भागीरथी नदी के पास हुआ। हेलिकॉप्टर गंगोत्री धाम जा रहा था। प्रशासन के मुताबिक, 7 सीटर हेलिकॉप्टर में 5 महिलाएं और पायलट रॉबिन समेत 2पुरुष सवार थे। हेलिकॉप्टर गुजरात की अहमदाबाद बेस्ड एरोटांस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का था। यह बेल हेलिकॉप्टर था। जहां हादसा हुआ, उस जगह की समुद्र तल से ऊंचाई करीब 2600 मीटर है। यह पहाड़ी इलाका है। ऐसे में पुलिस और एसडीआर एसडी एसडीआरएफ की टीम रस्सी के सहारे घटनास्थल तक पहुंचीं। करीब 3 घंटे रेस्क्यू के बाद सभी को बाहर निकाला। 5 महिला पर्यटकों और पायलट की मौके पर मौत हो गई। सिर्फ एक पुरुष जीवित है, जिसे रेस्क्यू कर एयर एंबुलेंस से ऋषिकेश एम्स भेजा गया है। हादसे के बाद उत्तरकाशी में केदारनाथ हेलिकॉप्टर सेवा रोक दी गई। तीनों हेलीपैड-गुप्तकाशी, सिरसी और फाटा से हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भरेंगे।देहरादून के सहस्त्रधारा से हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी थी। पर्यटकों को खरसाली हेलीपैड पर छोड़ दिया। इसके बाद खरसाली हेलीपैड से गंगोत्री के लिए दूसरे पर्यटकों को लेकर हर्षिल हेलीपैड की उड़ान भरी। अचानक खराब मौसम के बीच हेलिकॉप्टर का संपर्क टूट गया। थोड़ी देर बाद सुबह 9 बजे गंगनानी नागराजा मंदिर के पास हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। गंगनानी नागराजा मंदिर जिला मुख्यालय से 60 किमी दूर है। यहां रेस्क्यू टीम को पहुंचने में एक से सवा घंटा लग गया।हादसे के बाद एंइ टीम घटनास्थल पर पहुंची तो देखा कि हेलिकॉप्टर करीब 250 मीटर गहरी खाई में गिरा था। टीम ने घटनास्थल पर बेस बनाकर खाई में उतरकर रेस्क्यू शुरू किया। एक घंटे से ज्यादा वक्त के बाद टीम घटनास्थल तक पहुंच पाई। इसके बाद सबसे पहले घायल व्यक्ति को बाहर निकाला। बाद में शवों को बाहर लाया गया।हेलिकॉप्टर क्रैश में बरेली के आलमगिरी गंज निवासी राधा अग्रवाल और उनकी बेटी रुचि अग्रवाल की मौत हुई है। राधा के पोते उमंग अग्रवाल सर्राफ की दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया- ताई राधा बेटी और अन्य साथियों के साथ चारधाम यात्रा के लिए निकली थीं। राधा अग्रवाल अपनी बेटी रुचि के पास अभी मुंबई के पावई में रहती थीं। राधा अग्रवाल की उम्र 79 साल थीं, उनके पति का निधन 2021 में हुआ था। बेटी रुचि केमिकल इंजीनियर थीं और उनके पति भी केमिकल इंजीनियर हैं। बरेली में राधा के देवर-देवरानी रहते हैं।

इरफान सोलंकी जमानत पर सुनवाई 14 जुलाई को, इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई टली, इरफान के वकीलों ने रिज्वांडर दाखिल किया

कानपुर। सीसामऊ सीट से पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई टल गई। अब इरफान की जमानत पर सुनवाई 14 जुलाई को होगी। गैंगस्टर मामले में इरफान सोलंकी की जमानत अर्ज़ी पर सुनवाई चल रही है। इरफान सोलंकी के वकीलों ने रिज्वांडर दाखिल कर दिया। इससे पहले कोर्ट में राज्य सरकार की तरफ से जवाबी हलफनामा दायर किया गया था।

जस्टिस संजय कुमार सिंह की सिंगल बेंच 14 जुलाई को मामले की सुनवाई करेगी। कानपुर के जाजमऊ थाने में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मामले में इरफान ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। कोर्ट ने इरफान की ज़मानत अर्जी को इसी मामले में अभियुक्त उनके भाई रिजवान सोलंकी और इजरायल आटेवाला की जमानत अर्जी से संबद्ध कर दिया। अब तीनों की ज़मानत अर्जियों पर अदालत एक साथ सुनवाई करेगी। 26 दिसंबर 2022 को इरफान सोलंकी के खिलाफ गैंगस्टर का मामला दर्ज हुआ था। तत्कालीन इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे ने एफआईआर दर्ज कराई थी। विधायक इरफान सोलंकी, उसके भाई रिजवान सोलंकी, इसराइल आटेवाला, मोहम्मद शरीफ और शौकत अली के खिलाफ शिकायतकर्ता ने गैंगस्टर एक्ट में एफआईआर दर्ज कराई थी। एफआईआर में इरफान सोलंकी को गैंग लीडर बताया गया है। इरफान के खिलाफ गैंगस्टर को छोड़ कर दर्ज सभी मामलों में इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिल चुकी है। गैंगस्टर मामले में जमानत मिलने के बाद ही इरफान सोलंकी जेल से बाहर आ सकेंगे। 12 मार्च को मिली थी जमानत सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी को एक और मामले में राहत मिल गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को फर्जी आधार कार्ड पर ट्रैवल के मामले में इरफान सोलंकी की जमानत मंजूर कर ली। इस मामले में कानपुर के ग्वालटोली थाने में इरफान सोलंकी के खिलाफ 2022 में मुकदमा दर्ज कराया गया था। हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी करने के बाद इरफान सोलंकी की जमानत मंजूर की गई।हालांकि फर्जी आधार कार्ड पर ट्रैवल मामले में जमानत मिलने के बाद भी इरफान सोलंकी जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे। गैंगस्टर के एक अन्य मुकदमे में इरफान सोलंकी पिछले 2 साल से जेल में बंद है। इरफान की जमानत अर्जी पर अधिवक्ता इमरान उल्लाह और विनीत विक्रम ने अपना पक्ष रखा। इसके बाद जस्टिस अजय भनोट और सिंगल बेंच ने फैसला सुनाया। इलाहाबाद हाईकोर्ट से सीसामऊ कानपुर के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी को बड़ी राहत मिली। रंगदारी मांगने के आरोप में दो साल से जेल में बंद इरफान और रिजवान की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। जस्टिस राजवीर सिंह की सिंगल बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए फैसले को सुरक्षित कर लिया था। सोमवार को फैसला सुनाया। दोनों भाइयों की जमानत अदालत से मंजूर जरूर हो गई है। लेकिन दोनों अभी जेल से बाहर नहीं निकल पाएंगे। क्योंकि रिजवान सोलंकी के खिलाफ अभी गैंगस्टर के मुकदमे में मुकदमा विचाराधीन है। साथ ही इरफान सोलंकी की गैंगस्टर के साथ-साथ फर्जी आधार कार्ड पर यात्रा करने का मुकदमा भी न्यायालय में विचाराधीन है। प्लॉट पर कब्जे के लिए झोपड़ी में आग लगाई थी आग जाजमऊ की डिफेंस कॉलोनी में रहने वाले सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान समेत अन्य गुंडों पर पड़ोसी महिला नजीर फातिमा का प्लॉट में बने अस्थाई घर फूंकने का आरोप है। नजीर फातिमा ने 8 नवंबर 2022 को जाजमऊ थाने में इरफान, रिजवान समेत अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था, 7 नवंबर 2022 को रात 8 बजे उसका परिवार भाई की शादी में गया था। तभी रिजवान सोलंकी, इरफान सोलंकी और उनके साथियों ने घर में आग लगा दी। साजिश के तहत ऐसा किया गया, जिससे वह घर छोड़कर भाग जाए और विधायक परिवार उस पर कब्जा कर ले। आग से गृहस्थी, फ्रिज, टीवी, सिलेंडर और बाकी सामान जल गया था। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद जाजमऊ पुलिस ने जांच शुरू की। इसमें सामने आया कि शौकत, शरीफ और इजराइल आटावाला, अनूप यादव, महबूब आलम, शमशुद्दीन, एजाजुद्दीन, मो. एजाज, मुर्सलीन भोलू, शकील चिकना भी इस केस में शामिल थे। इरफान और रिजवान समेत सभी दोषी इस समय में जेल में बंद हैं। इरफान की 30 करोड़ की संपत्ति जब्त हो चुकीगैंगस्टर की कार्रवाई के बाद विधायक और उनके गैंग की करीब 30 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। साथ ही विधायक के 5 ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी।जिसमें संपत्तियों की लंबी फेहरिस्त मिली है। वहीं, जब इरफान कानपुर जेल में बंद थे, तब अखिलेश यादव उनसे मिलने गए थे। इसके बाद उन्हें महराजगंज जेल शिफ्ट कर दिया गया।

बालिग़ सहमति से बना प्रेम संबंध अपराध नहीं:हाईकोर्ट ने कहा- पॉक्सो एक्ट का उद्देश्य बच्चों को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा देना, न कि अपराध की श्रेणी में डालना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा

कि पॉक्सो एक्ट का उद्देश्य बच्चों को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा देना है, न कि किशोरों के बीच आपसी सहमति से बने प्रेम संबंधों को अपराध की श्रेणी में डालना। न्यायमूर्ति कृष्ण पहल ने यह टिप्पणी राज सोनकर की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कही। जिसे एक नाबालिग लड़की से प्रेम संबंध के मामले में गिरफ्तार किया गया था।चंदौली निवासी 18 साल के राज सोनकर पर थाना चकिया, चंदौली में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 87, 65(1) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। राज सोनकर की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपी पूर्णतः निर्दोष है और उसे झूठे मुकदमे में फंसाया गया है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि एफआईआर दर्ज करने में 15 दिनों की अत्यधिक देरी हुई है, जिसके पीछे कोई तर्कसंगत स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। पीड़िता की उम्र भले ही शैक्षणिक अभिलेखों के अनुसार 16 वर्ष से थोड़ी कम है, परंतु आरोपी स्वयं भी मात्र 18 वर्ष का किशोर है। इस प्रकरण में दोनों के बीच सहमति से बना प्रेम संबंध है, जो कि किशोरावस्था का एक स्वाभाविक व्यवहार माना जाना चाहिए।कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि 'पॉक्सो एक्ट का निर्माण 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन शोषण से सुरक्षा देने के लिए किया गया था। लेकिन वर्तमान समय में यह कानून कई बार स्वयं किशोरों के शोषण का माध्यम बनता जा रहा है। यह अधिनियम कभी भी किशोरों के आपसी सहमति वाले प्रेम संबंधों को अपराध मानने के लिए नहीं बना था। कोर्ट को हर मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर विचार करना होता है। अगर प्रेम संबंध सहमति से बने हों और पीड़िता भी आरोपी के पक्ष में बयान देती है, तो आरोपी को जेल में रखना न्याय की भावना के विरुद्ध होगा।'कोर्ट ने जमानत याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि आरोपी के विरुद्ध कोई पूर्व आपराधिक इतिहास नहीं है और वह 7 मार्च 2025 से जेल में बंद है। घटना की मेडिकल पुष्टि भी नहीं हो सकी है, और एफआईआर दर्ज करने में असामान्य विलंब हुआ। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए आरोपी को सशर्त जमानत प्रदान की जाती है।चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायपालिका को पॉस्को एक्ट के तहत कंसेंट (सहमति) की उम्र कम करने को लेकर चल रही बहस पर ध्यान देना चाहिए। नई दिल्ली में प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेन्सेस एक्ट पर हुए कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि सब जानते हैं कि पॉस्को एक्ट 18 साल से कम उम्र वालों के बीच सेक्शुअल एक्ट को आपराधिक मानता है, ये देखे बिना कि नाबालिगों के बीच सहमति थी या नहीं, क्योंकि कानून के मुताबिक 18 से कम उम्र वालों के बीच सहमति नहीं होती है। पूर्व सीजेआई ने कहा था कि, 'जज रहते हुए मैंने देखा है इस कैटेगरी के केस जजों के सामने बड़े सवाल खड़े करते हैं।

सम्पादकीय

बुधवार की सुबह मेरे एक मित्र का फोन आया। वह आमतौर पर सुबह 7 बजे के बाद ही जागते हैं। अपने इस रवैये के कारण वह उन लोगों में

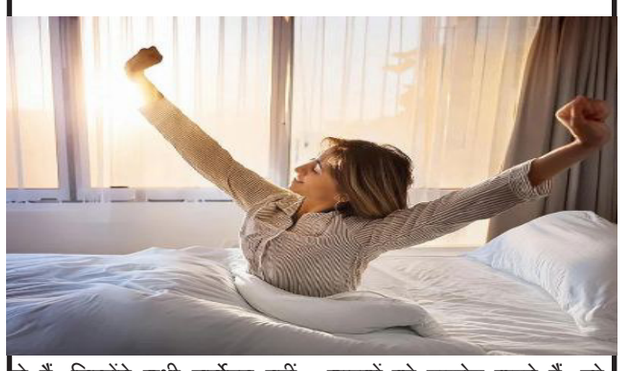

से हैं, जिन्होंने कभी सूर्योदय नहीं देखा। मैंने पूछा, 'सब ठीक है? आप सुबह 5 बजे कैसे फोन कर रहे हैं?' उन्होंने कहा कि 'इन दिनों अप्रैल के महीने के टारगेट पूरे करने के चक्कर में मैं रातों में सो नहीं पा रहा हूं और मेरी 'स्लीप हाइजीन' पूरी तरह गड़बड़ा गई है।मैं रात में थोड़ा गुनगुना दूध लेता हूं और इस गर्म मौसम में कमरे का तापमान ठंडा रखने की कोशिश कर रहा हूं, फिर भी अच्छी नींद नहीं आ रही।' मैंने कहा, 'अगर आपको हफ्ते में कम से कम तीन दिन नींद नहीं आ रही है और अगर ऐसा तीन महीने से हो रहा है, तो आपको डॉक्टर से मिलना चाहिए।जब उन्होंने हां कहा, तो मैंने उन्हें एक स्लीप एक्सपर्ट का नंबर दिया और कहा कि 'अगर नींद की समस्या हमारी चिंताओं का केंद्र बन गई हैं, तो हम धीरे-धीरे यह यकीन करना शुरू कर देते हैं कि हमारी स्लीप सिस्टम ब्रेक हो गया है। तब कुछ लोग जल्दी सोने और देर तक बिस्तर में रहने की रणनीति अपनाते हैं, जो मेरे ख्याल से कई लोगों के लिए काम नहीं करती।हालांकि, आप डॉक्टर की सलाह लें।' और डॉक्टर ने उन्हें ठीक वही बताया, जो मैंने अनुमान लगाया था। डॉक्टर ने कहा कि नींद नहीं आने की वजह पेट भारी महसूस होना या दूसरे कारणों से नहीं है, बल्कि आमतौर पर यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम नींद नहीं आने पर बैड नाइट पर किस तरह की प्रतिक्रिया करते हैं।उन्होंने कहा कि जल्दी बिस्तर पर जाना या नाश्ते के समय तक बिस्तर पर लेटे रहने जैसे रणनीतियों से नींद की गुणवत्ता पर असर पड़ता है और इससे लोग बिस्तर पर पड़े-पड़े खीझते रहते हैं और नींद के बारे में चिंता करते रहते हैं। तो क्या कारगर है? डॉक्टर अनिद्रा के लिए शुरुआती उपचार में कॉग्निटिव बिहेविरल थैरेपी का सुझाव देते हैं। इसमें नींद के शेड्यूल में धीरे-धीरे व्यक्तिगत परिवर्तन किए जाते हैं, जिससे स्लीप ड्राइव दुरुस्त होती है। इसे उन टेक्नीक्स के साथ जोड़ते हैं, जिससे बेडरूम के माहौल और नींद न आने की आशंका के बीच संबंधों को तोड़ने की कोशिश होती है। अंततः उपचार में उन विशिष्ट कारकों को टारगेट करते हैं, जो लगातार नींद की समस्याओं का कारण बनते हैं। डॉक्टर ने उन्हें तीन चीजों का पालन करने के लिए कहा 1. नींद का शेड्यूल नियमित रखें। सोने और जागने का एक निश्चित समय करने से बायोलॉजिकल क्लॉक मजबूत होती है, तन-मन स्वस्थ रहता है। 2. पूरे दिन जितना संभव हो सक्रिय रहें और शरीर को थकाएं। इससे स्पष्ट रूप से अच्छी नींद को बढ़ावा मिलेगा। डॉक्टर ने आगे सलाह दी कि सोने से पहले सुकून और खुशी देने वाली कुछ गतिविधियां करने से दिमाग शांत और आराम की मुद्रा में रहेगा। यदि संभव नहीं है, तो कम से कम सोने से पहले कुछ समय सुकून से बैठकर आराम करें। 3. अगर फिर भी रात अच्छी तरह से नहीं कटती, तो डॉक्टर ने उन्हें कहा कि इस पर ध्यान न दें जैसे शरीर को न्याय नहीं मिला। जो लोग रात में अच्छा आराम नहीं मिलने के बावजूद, इस पर सोचने के बजाय आगे बढ़ जाते हैं, वे लोग उनकी तुलना में बेहतर करते हैं, जो कि स्लीप हाइजीन के नियमों को सख्ती से लागू करने पर ही ध्यान लगाए रहते हैं। जिन लोगों को ढंग से नींद नहीं आती, उन्हें मेरी व्यक्तिगत सलाह है कि पहले ये समझना चाहिए कि क्या वे किसी तनाव या चिंता से पीड़ित हैं। दोनों के बीच मुख्य अंतर ये है कि तनाव पुरानी समस्या है जो हमारे साथ कुछ समय से चल रही है जैसे किसी रिश्तेदार की खराब सेहत आदि, वहीं चिंता भविष्य को लेकर अपेक्षाएं हैं। एक बार जब आप उन्हें वर्गीकृत कर लेते हैं, तो दोनों को अलग-अलग संभालना आसान हो जाता है। समस्या तब बढ़ती है जब दोनों-तनाव व चिंता एक साथ हो जाते हैं और लोग नहीं जानते कि कौन-सी चीज क्या है।

भाजपा जाति जनगणना का लाभ उठाने की स्थिति में है

जाति जनगणना पर भाजपा का हृदय-परिवर्तन जरूर हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि पार्टी ने इसे कभी खारिज नहीं किया था। इसके

निहितार्थों को लेकर पार्टी के भीतर और व्यापक संघ परिवार में भी ऊहापोह थी। बुधवार को कैबिनेट की सर्वोच्च समिति सीसीपीए ने जाति जनगणना को मंजूरी देने के लिए बैठक की। पिछले दो वर्षों से इस विचार को आगे बढ़ा रहे राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी अब इसके लिए सरकार पर दबाव बनाने का श्रेय ले रहे हैं। लेकिन लंबे समय के बाद किसी निर्णय पर राजनीतिक सर्वसम्मति दिखी है और भाजपा, कांग्रेस, क्षेत्रीय दल सभी एक ही पक्ष में हैं। भाजपा का गणित यह है कि वह इस निर्णय का राजनीतिक लाभ उठाने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में है। क्योंकि आज वह पहले की तरह ब्राह्मण-बनिया पार्टी नहीं कहलाती है, बल्कि पिछले दशक में उसने दलितों-पिछड़ों में अपना समर्थन-आधार बढ़ाया है। सरकार का नेतृत्व एक ऐसे प्रधानमंत्री कर रहे हैं, जो खुद ओबीसी वर्ग से आते हैं। वैसे भी भाजपा ऐसी पार्टी है, जो किसी भी स्थिति को अपने फायदे में बदलने में माहिर है। भाजपा को मुद्दा भुनाना आता है, कांग्रेस इस खेल में पिट जाती है। राहुल गांधी द्वारा इस मुद्दे को उठाने के बाद से पिछले दो वर्षों में हुए चुनावों में कांग्रेस को कितने अतिरिक्त ओबीसी वोट मिले हैं? दूसरी तरफ 2024 के लोकसभा चुनावों में यूपी में भाजपा की सीटें भी 62 से घटकर 33 रह गईं और इसी के चलते वह बहुमत के आंकड़े से पीछे रह आई। इस गिरावट का एक महत्वपूर्ण कारण ओबीसी थे। उन्होंने भाजपा को उतने पैमाने पर वोट नहीं दिया, जैसी कि उनसे उम्मीद की जा रही थी। सैद्धांतिक रूप से, जाति जनगणना का प्रयोजन है यह पता करना कि विभिन्न जातियां और उपजातियां कहां खड़ी हैं, ताकि सरकार हाशिए के लोगों को आगे आने का मौका देने के लिए उपयुक्त कार्यक्रम बना सके। अभी तक हम 1931 की जाति जनगणना के आंकड़ों पर ही निर्भर हैं। उसके बाद, 2011 में भी एक जाति जनगणना हुई थी, लेकिन उसके अधिकांश निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह अजीब बात है कि न तो कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए- जो उस समय सत्ता में थी- और न ही भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए- जो पिछले 11 वर्षों से सत्ता में है- ने 2011 की जनगणना से मिली जानकरियों का खुलासा किया है। न ही वह जानकारी 'लीक' हो पाई है। कहा जाता है कि 2011 की जाति जनगणना से पता चला था भारत में 46 लाख जातियां हैं! राजनीतिक रूप से देखा जाए तो जाति जनगणना को राजनीतिक दलों द्वारा ओबीसी जातियों का समर्थन जुटाने के साधन के रूप में देखा जाता है, क्योंकि वे बड़ी संख्या में हैं। बिहार, तेलंगाना या कर्नाटक जैसी राज्य सरकारों द्वारा की गई जाति जनगणना से पता चलता है कि ओबीसी की संख्या और बढ़ने की संभावना है। 2023 में बिहार की जाति जनगणना में पाया गया था कि राज्य में ओबीसी की आबादी 63फीसदी थी। 1931 की जाति जनगणना के अनुसार, ओबीसी का राष्ट्रीय औसत 52 फीसदी था। ऐसा होने पर, ओबीसी स्वाभाविक रूप से आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में अधिक हिस्सेदारी की मांग करेंगे। वे नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में अधिक आरक्षण चाहेंगे। राजनीति में इस बदली हुई हकीकत के दूरगामी परिणाम होंगे। इस निर्णय की टाइमिंग ने भी सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। यह निर्णय ऐसे समय लिया गया है, जब देश पहलगाम आतंकी हमले के सदमे से जूझ रहा था। प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाने की बात कही है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। कई उच्चस्तरीय बैठकों के बाद सेना प्रमुखों को फ्री-हैंड दे दिया गया है। बढ़ते तनाव और सस्पेंस के बीच अचानक सरकार ने एक ऐसा कदम उठाया, जिसने सुर्खियों को बदल दिया है।

भारत अमेरिका से और पाकिस्तान चीन से हथियार ले रहा है

भारत को पश्चिमी देशों और पाकिस्तान को चीन की सैन्य मदद बढ़ने से वैश्विक गठबंधनों में बदलाव के संकेत मिलते हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय तनाव भड़कने की एक अन्य जमीन तैयार हो गई है। पिछली बार 2019 में भारत और पाकिस्तान के बीच टकराव के समय अमेरिकी अधिकारियों को दोनों देशों में परमाणु हथियारों की हलचल नजर आई थी। इससे अमेरिका फौरन सक्रिय हुआ। विदेश सचिव माइक पोम्पियो ने आधी रात दोनों पक्षों को फोन पर समझाया कि वे परमाणु युद्ध की तैयारियां न करें। पोम्पियो ने अपने संस्मरणों में इस वाकये का जिक्र किया है। शुरुआती झड़प के बाद वह टकराव जल्द ही ठंडा पड़ गया था। लेकिन पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 भारतीय पर्यटकों की हत्या के बाद दोनों देश फिर से सैनिक टकराव में उलझ गए हैं। भारत परंपरागत रूप से गुटनिरपेक्ष देश रहा है। लेकिन अब वह अमेरिका के प्रति अपनी हिचक छोड़कर अमेरिका और पश्चिमी देशों से अरबों रुपए के हथियार खरीद रहा है। वहीं भारत ने शीतयुद्ध के दौर के अपने सहयोगी रूस से हथियारों की खरीद में भारी कटौती की है। अफगानिस्तान में युद्ध खत्म होने के बाद अमेरिका के लिए पाकिस्तान की उपयोगिता कम हो गई है। वह अब अमेरिकी हथियार नहीं खरीदता है। इसके बजाय पाकिस्तान अपना अधिकतर फौजी साज-सामान चीन से खरीद रहा है। इस हलचल ने दक्षिण एशिया में महाशक्तियों की राजनीति को नया मोड़ दिया है। अमेरिका ने चीन का मुकाबला करने के लिए भारत को पार्टनर बनाया है। वहीं चीन ने पाकिस्तान पर अपना हाथ रखा है। वह वहां भारी निवेश कर रहा है। इसके साथ अभी हाल के वर्षों में भारत और चीन के बीच रिश्ते बिगड़े हैं। दोनों की सेनाओं में झड़पें हो चुकी हैं। दक्षिण एशिया में सैन्य-टकरावों

के इतिहास से स्थिति पेचीदा हो सकती है। भारत-पाकिस्तान के बीच कई बार फौजी तनातनी को देखते हुए स्थिति हाथ से बाहर निकलने का खतरा है। पूर्व राजनयिक एशली टेलिस का कहना है, भारत के सुरक्षा हितों में अमेरिका की अहम भूमिका है। दूसरी ओर पाकिस्तान के लिए चीन की ऐसी ही स्थिति है। पाकिस्तान से तनाव के बीच इस बार अमेरिका भारत के ज्यादा नजदीक है। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ट्रम्प और वेंस से बात कर चुके हैं। ट्रम्प प्रशासन के कई अधिकारियों द्वारा भारत का समर्थन करने से नई दिल्ली में कई अधिकारी मानते हैं कि अमेरिका ने पाकिस्तान के खिलाफ बदले की कार्रवाई के लिए भारत को हरी झंडी दे दी है। स्थिति में बदलाव का एक संकेत रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन की परिदृश्य में गैरमौजूदगी से भी मिलता है। आतंकवादी हमले के बाद दुनिया के एक दर्जन से अधिक नेताओं ने मोदी को टेलीफोन किए हैं। हमले के एक हफ्ते बाद रूस के विदेश मंत्री ने भारतीय विदेश मंत्री से बात की। अधिकारियों का कहना है, मोदी और पुतिन के बीच इस सप्ताह बात हुई है। उधर चीन ने पाकिस्तान के लिए अपना खुला समर्थन जाहिर किया है। पूर्व अमेरिकी डिफेंस अधिकारी लिंडसे फोर्ड की टिप्पणी पर गौर कीजिए। वे कहते हैं, भविष्य में भारत अमेरिकी और यूरोपीय हथियारों और पाकिस्तान चीनी हथियारों से लड़ेंगे। बीते दशक में यह पैटर्न उभरा है। किसी समय अमेरिका पाकिस्तान का सबसे बड़ी फौजी सप्लायर था। चीन दूसरे नंबर पर था। अमेरिका के मुंह मोड़ने से पाकिस्तान ने चीन की तरफ रुख किया। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसार 2000 के दशक के मध्य में पाकिस्तान के 38फीसदी हथियारों की सप्लाई चीन करता था। पिछले चार वर्षों में उसने 80फीसदी हथियार दिए हैं। उधर भारत ने भी रूस पर निर्भरता कम की है। 2006 से 2010 के बीच भारत के 80फीसदी प्रमुख हथियार रूस से आए थे। पिछले चार वर्षों में यह आंकड़ा 38फीसदी रह गया है। भारत ने आधे से ज्यादा हथियार अमेरिका और उसके इजराइल, फ्रांस जैसे सहयोगी देशों से हासिल किए हैं। पाकिस्तान के लिए एकमात्र अपवाद अमेरिका के एफ-16 विमान हैं। 2019 के बाद भारत अपनी सेनाओं के आधुनिकीकरण पर अरबों रुपए खर्च कर रहा है। पाकिस्तान से टकराव के साथ भारत के सामने चीन ज्यादा बड़ा खतरा है। वह पाकिस्तान की भी मदद कर रहा है। अमेरिकी अधिकारियों को चिंता है कि आपसी संदेह और छोटी-सी गलती या आदेशों के दायरे से बाहर जाकर कार्रवाई किए जाने से संघर्ष का विनाशकारी विस्तार हो सकता है।

भारत अब कठोर तौर-तरीके अपनाने की ओर बढ़ रहा है

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और पीओके में नौ ठिकानों पर हमला किया। यह भारत-पाकिस्तान संबंधों में आ रहे बुनियादी बदलावों का हिस्सा है। सिंधु जल संधि के निलंबन को भी इसके साथ जोड़कर देखें तो पाएंगे कि दक्षिण एशिया के इन दोनों पड़ोसियों के आपसी ताल्लुक आज किस दशा में पहुंच गए हैं। वह संधि 1960 में हुई थी और उसके बाद भारत-पाकिस्तान के बीच हुए अनेक युद्धों के बावजूद कायम रही थी। लेकिन इस बार चीजें बदल गई हैं। भारत ने अपने प्रहार को 'नपा-तुला, जिम्मेदार और नॉन-एस्केलेटरी' बताया है। उसने यह सुनिश्चित किया कि हमला जोरदार हो, लेकिन साथ ही में उसने यह भी स्पष्ट किया कि 'अपने टारगेट्स के चयन और प्रहार के तरीकों में संयम' बरता गया है। भारतीय हमलों में न केवल पीओके में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया है, बल्कि सियालकोट जैसे पाकिस्तान के इलाकों पर भी प्रहार किया। साथ ही मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय और भवालपुर में जैश-ए-मुहम्मद के मुख्यालय पर भी निशाना साधा है। हमले के कुछ घंटों बाद नई दिल्ली में एक ब्रीफिंग में सैन्य अधिकारियों द्वारा सभी हमलों का विस्तृत विवरण दिया गया। हमलों के विस्तृत ड्रोन फुटेज को राष्ट्रीय मीडिया में साझा किया गया। इसके विपरीत, पाकिस्तान 5 भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने के बेबुनियाद दावे करता रहा, जबकि यह स्पष्ट है कि भारतीय विमान

वास्तव में पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर पाए थे। ज्यादा संभावना इस बात की है कि भारतीय विमानों ने पाकिस्तान पर हमला करने के लिए स्कैल्प जैसी लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं और हम्मर जैसे बमों का इस्तेमाल किया। स्कैल्प की रेंज 250 से 500 किलोमीटर के बीच है और यह आसानी से बहावलपुर जैसे टारगेट पर प्रहार कर सकती है, जो जैसलमेर से लगभग 300 किलोमीटर दूर है। हमेशा की तरह, पाकिस्तान ने भारतीय हमले में अपने नागरिकों के हताहत होने की सूचना दी है और पश्चिमी मीडिया इसे जस का तस दोहरा रहा है। जबकि रिपोर्टों से पता चलता है कि पाकिस्तानी सेना के कम से कम दो शीर्ष जिहादी सहयोगी मारे गए हैं। इससे पहले भी 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 के बालाकोट हमले से भारत ने आतंकवाद को लेकर एक स्पष्ट लक्ष्मणरेखा खींच दी थी, जिससे यह लगभग तय हो गया था कि भारत पहलगाम हमले के लिए पाकिस्तान पर सैन्य प्रहार करेगा। 2016 और 2019 की तरह, इस बार की स्ट्राइक का लक्ष्य भी आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाना था और किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना बनाने से बचना था। अतीत में भारत के पास पाकिस्तानी नीति को प्रभावी ढंग से आकार देने के लिए सैन्य या आर्थिक ताकत की कमी रही है, इसलिए उसने आक्रामकता के निम्नतम स्तर पर संबंधों को प्रबंधित करने की कोशिश की है। लेकिन अब वह पाकिस्तान से नाउम्मीद हो चुका है और कठोर विकल्पों की तलाश कर रहा है। अब तक हमारी नीति इस भ्रांत धारणा पर आधारित थी कि सीधी बातचीत किसी तरह से इस्लामाबाद को हमारे पक्ष में कर लेगी। लेकिन मौजूदा घटनाएं भारत-पाक सम्बंधों में एक गुणात्मक परिवर्तन लाएंगी।

तीनों सेनाओं की सहभागिता से सटीक प्रहार

बुधवार, 7 मई को जब देशवासियों की नींद खुली, तो उस खबर ने उनका स्वागत किया, जिसकी उन्हें कुछ समय से उम्मीद थी। एक अलग तरह की सर्जिकल स्ट्राइक! तीनों सेनाओं की सहभागिता से सटीक और तकनीकी प्रहार! पहलगाम हमले के बाद से ही पाकिस्तान के खिलाफ लोगों की भावनाएं आसमान छू रही थीं। 23 अप्रैल को कैबिनेट कमेटी फॉर सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक में लिए गए सरकार के फैसलों ने सशस्त्र बलों को तैयारी और हमला करने का अवसर दिया। हमले भी सही समय पर और प्रभावी ढंग से किए गए। मॉक ड्रिल की तैयारियों के जरिए एक डिसेप्शन-प्लान को बेहतरीन तरीके से अंजाम दिया गया। हमले से पहले मीडिया में जो दृश्य दिखाए जाते रहे, उन्होंने भी समग्र प्रभावशीलता में योगदान दिया। लेकिन ऑपरेशन के लिए नाम का चयन भी बहुत कुछ बताता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' का मतलब है पहलगाम में हुए जघन्य कृत्य का प्रतिशोध लेना, जिसमें धर्म के आधार पर हिंदू महिलाओं के पतियों की निर्मम हत्या की गई थी। सिंदूर विवाहित हिंदू महिलाओं का प्रतीक है! कई कारणों से यह एक ऐतिहासिक क्षण है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र से अपना वादा पूरा किया है और इस स्ट्राइक से उभरकर सामने आने वाले ब्योरे पेशेवर-विश्लेषण के हकदार हैं। यह पहली बार है, जब सेना के तीनों अंगों ने आतंक के अड्डों पर प्रभावी कार्रवाई करने के लिए अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और संसाधनों का इस्तेमाल किया है। मुझे अपने लक्ष्यों पर सटीक हमले करने की हमारी क्षमता पर संदेह था। मुरीदके और बहावलपुर दोनों ही ऐसे क्षेत्रों में हैं, जिन पर प्रहार

करने से नागरिकों के हताहत होने का जोखिम रहता है। पाकिस्तान और उसके डीप स्टेट के विपरीत भारत को जरूर मानवाधिकारों और निर्दोष मनुष्यों के जीवन की चिंता रहती है। 2016 और 2019 में हमने इन जगहों को निशाना बनाने से परहेज किया था, लेकिन इस बार हमारी उन्नत तकनीकी क्षमताओं को देखते हुए ऐसा करना महत्वपूर्ण था। पीओके और पंजाब- इन दोनों में पाकिस्तान के गढ़ में स्थित नौ स्थानों का चयन सावधानी से किया गया। चूंकि एनआईए ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से पाकिस्तानी सेना, आईएसआई और लश्कर के गठजोड़ का संकेत दिया था, इसलिए यह महत्वपूर्ण था कि पीओके के साथ ही पंजाब में भी लक्ष्य चुने जाते। मुरीदके (लाहौर से 40 किमी दूर लश्कर मुख्यालय), बहावलपुर (जैश मुख्यालय) और सियालकोट (मेहमूना जोया कैम्प जहां पठानकोट हमले की योजना बनाई गई थी)- सभी पर जमीन, समुद्र और हवा से अलग-अलग प्लेटफॉर्म से लॉन्च किए गए स्मार्ट लोइटर हथियारों से प्रहार किया गया, ताकि किसी भी तरह के को-लैटरल डैमेज से बचा जा सके। ये सभी फेसिलिटीज़ पाकिस्तानी सेना के प्रमुख स्टेशनों के करीब स्थित हैं। भारत ने अपनी क्षमताओं का परिचय पाकिस्तान को दे दिया है। पीओके में स्थानों का चयन सीमा से सटे हिस्से में किया गया था और यह खुफिया सूचनाओं पर आधारित था। इनमें से कई स्थानों को हमले की आशंका के कारण खाली करा दिया गया होगा, लेकिन फिर भी यह स्ट्राइक इस मायने में मूल्यवान है कि हम अगली बार पहलगाम जैसे किसी ट्रिगर के बिना भी हमला कर सकते हैं। उस स्थिति में सरप्राइज-फैक्टर अधिक होगा और इसका असर भी ज्यादा पड़ेगा। नुकसान का आकलन हमें बहुत कुछ बताएगा, लेकिन मेरे विचार से यह कार्रवाई उसके प्रभावों से ज्यादा महत्वपूर्ण है। यह किसी भी समय तब दोहराई जा सकती है, जब किसी आतंकवादी वारदात का संदेह हो। भारत ने बिना किसी ट्रिगर के ऐसी कार्रवाई के लिए एक मिसाल कायम कर दी है। महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि हमले में किसी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया है। अगर वैसा किया जाता तो इसका परिणाम पाकिस्तान की ओर से तत्काल प्रतिक्रिया के रूप में सामने आता। मौजूदा स्थिति में एस्केलेशन को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया गया है और भविष्य के लिए विकल्प बनाए गए हैं। पाकिस्तान ने अपने चिर-परिचत अंदाज में फर्जी खबरों के साथ इस हमले का जवाब दिया है, क्योंकि उसकी इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) विंग भारत द्वारा किए गए प्रभावी सटीक हमलों के बाद धारणा-प्रबंधन की चुनौती से जूझ रहा है। भारत में पाकिस्तान जैसे कोई आतंकी ठिकाने नहीं हैं, जिन पर पाकिस्तान जवाबी कार्रवाई के रूप में निशाना साध सके। हालांकि पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर अपनी हरकतों को और बढ़ाने का फैसला किया है। पिछले एक पखवाड़े से तंगधार, उरी, पुंछ और राजौरी सेक्टरों में नियमित गोलीबारी हो रही है। इसमें हमारी तरफ के नागरिक भी हताहत हुए हैं, जिसका पाकिस्तान को कोई अफसोस नहीं है। यह पाकिस्तान का अपनी हताशा व्यक्त करने का तरीका है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है कि पाकिस्तान की तरफ से अगले कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर से भारत को चुनौती देने के लिए एक कार्रवाई की जा सकती है। ऐसी स्थिति में भारत को तत्काल प्रतिक्रिया के लिए अपने शस्त्रागार को तैयार रखना चाहिए। यहां अंतरराष्ट्रीय फैक्टर्स भी महत्वपूर्ण हैं। हमें वैश्विक जनमत को पाकिस्तान की निंदा की ओर केंद्रित करना होगा और उसे सीमापार आतंकवाद को प्रायोजित करने वाला देश घोषित करना होगा। एफएटीएफ के साथ हम पाकिस्तान को दोषी ठहराने में सफल रहे थे।

पर्यावरण को ध्यान में रखकर भी हम विकास कर सकते हैं

भारत को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कोई कदम नहीं उठाना चाहिए- जब ?मैंने विभिन्न यूरोपीय देशों के जलवायु परिवर्तन दूतों के एक समूह से यह बात कही तो उनके चेहरों पर असमंजस के

भाव थे। मैंने उन्हें अपने कारण बताए।विकास भारत जैसे देश के लिए बड़ी चुनौती है। यह विकास समावेशी और टिकाऊ भी होना चाहिए। अगर हम इसे हासिल करते हैं, तो हम एक बेहतरीन लक्ष्य पर पहुंच जाएंगे- स्थानीय प्रदूषण को कम करने और ग्रीन-आजीविका को बढ़ावा देने के लिए हमारे कदम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को भी कम करेंगे। इस तरह, हमारा राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) पारस्परिक-लाभों पर आधारित होगा। दूसरे शब्दों में अगर सही तरीके से विकास किया जाए, तो वह जलवायु परिवर्तन के संकट का भी सामना कर सकता है। दुनिया के दूसरे तमाम देशों की तरह भारत को भी विकास करना है। इसका मतलब है लाखों लोगों को रोजगार देना, उन्हें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आवास प्रदान करना और ऊर्जा आपूर्ति को बढ़ाना। विकास के लिए हमें ऐसी कार्रवाई की आवश्यकता होगी, जो सभी की जरूरतों को पूरा करे। इसके लिए रणनीति में बदलाव की जरूरत है। हम पूंजी और संसाधनों की प्रचुरता वाले मार्ग का जोखिम नहीं उठा सकते, क्योंकि वह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है और समाज में भी ?असमानता को बढ़ाता है। हम पहले प्रदूषण फैलाने और फिर उसकी सफाई करने के पश्चिमी देशों के दृष्टिकोण को नहीं अपना सकते। हमारे पास नुकसान की मरम्मत के लिए वित्तीय साधन भी नहीं हैं। ऐसे में हमें विकास की अपनी अवधारणा को फिर से आविष्कृत करना होगा और भारत में कई नीतियों ने यही किया है। यह भारत जैसे देशों के लिए अनूठा अवसर है कि वह विकास को जलवायु-कार्रवाई के खिलाफ खड़ा करने के बजाय उसे विकास के लिए बनाई गई नीतियों के भीतर समाहित कर सके।उदाहरण के लिए, हम जानते हैं कि हम अपनी मोबिलिटी के तौर-तरीकों को बदले बिना वायु प्रदूषण को ठीक नहीं कर सकते, क्योंकि निजी वाहन- वो चाहे जितने भी स्वच्छ क्यों न हों- सड़क की जगह घेरते हैं और प्रदूषण और भीड़भाड़ को बढ़ाते हैं। पश्चिम ने निजी वाहनों को सब्सिडी देने और उनका विद्युतीकरण करने का रास्ता अपनाया है। हमारे पास एक और उपाय है, जो हमारे आवागमन को फिर से परिभाषित करता है। यह है इलेक्ट्रिक बसों और पैराट्रांजिट और दोपहिया वाहनों जैसे किफायती परिवहन में निवेश करना।भारत का एनडीसी लो-कार्बन वाले सार्वजनिक परिवहन को बढ़ाने के बारे में होना चाहिए, न कि केवल इलेक्ट्रिक कारों की गिनती करने के बारे में। यह नीति हवा को शुद्ध रखने से प्रेरित है, लेकिन इसमें जलवायु परिवर्तन से निपटने का अतिरिक्त लाभ भी है।उद्योग-जगत से एक उदाहरण देखें : हमारे सीमेंट उद्योग ने फ्लाई ऐश का उपयोग करना शुरू कर दिया है- कार्बन को कम करने के लिए नहीं, बल्कि कचरे को कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल करने, चूना-पत्थर का विकल्प चुनने और ऊर्जा की लागत कम करने के लिए। लो-कार्बन वाले औद्योगीकरण का भविष्य इसी तरह के समाधानों में निहित है, जिनसे सभी को लाभ हो। जैसे कि लौह अयस्क स्लैग से लेकर बायोमास और कचरे से प्राप्त होने वाले ईंधन तक- ये सभी कोयले और अन्य जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने और दक्षता में सुधार के लिए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें ग्रीन-इकोनॉमी के विचार को फिर से तैयार करना होगा। हम ग्रीन-एम्प्लॉयमेंट की बातें नहीं कर सकते, क्योंकि हम जानते हैं कि रिन्यूएल ऊर्जा या ईवी को अपनाने का मतलब आजीविका के अधिक अवसर नहीं होगा।

परमात्मा बेटियों के प्रति अतिरिक्त रूप से उदार है

बेटे-बेटी के लालन-पालन में सावधानी

के स्तर पर जरूर फर्क रखिए, लेकिन लाड़-प्यार में अंतर नहीं होना चाहिए। बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ- इसमें पढ़ाना शब्द बड़ा गहरा है। पुरुष की शिक्षा स्त्री की शिक्षा से तब भी अलग थी और आज भी अलग है। व्यावसायिक जीवन में एक जैसे शिक्षित व्यक्ति के लिए संघर्ष बदल जाता है। परिवार की बात करें तो एक आंकड़ा बहुत सुखद इन दिनों नजर आता है कि पढ़ी-लिखी बेटियां बेटों के मुकाबले बुढ़ापे में अपने मां-बाप की सेवा अधिक कर रही हैं।इनका प्रतिशत 28 है। लेकिन चार रिश्ते परिवार के चतुर्भुज हैं और अगर इसे ठीक से समझ लें तो स्वर्ग धरती पर उतर आए- सास, मां, बेटी और बहू। सास कितनी मां बनती है, बहू को कितनी बेटी माना जाता है और बेटी को बहू बनाते समय क्या समझाया जाता है।भागवत ग्रंथ के अनुसार संसार में पहली पांच संतानों में तीन बेटियां थीं। तो परमात्मा बेटियों के प्रति अतिरिक्त उदार है, कृपावंत है, और यही काम हमें अपने परिवारों में करना चाहिए।

स्ट्रीमिंग की बदलती दुनिया में आप कहां खड़े हैं?

साल 2021 में एमिली ने अपनी नौकरी छोड़ दी। जो भी जरूरी सामान उसे चाहिए था, उसे पैक करके कार में रखा और अपने बॉयफ्रेंड को अलविदा कहकर घर से निकल गई। और 30 घंटे गाड़ी चलाने के बाद दूर एक छोटे-से अपार्टमेंट में शिफ्ट हो गई, ताकि ट्विच पर पूरा ध्यान दे सके, ये अमेजन का एक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है। एमिली अपना स्लीप मास्क हटाती हैं, आईलाइनर लगाती हैं, एनर्जी ड्रिंक खोलती हैं, ब्रेड टोस्ट करती हैं और चीज़ या अंडे के साथ नाश्ता करती हैं। फिर सोफे पर बैठकर सुबह की खबरें या कोई प्रोग्राम देखती हैं। इस दौरान 600 से ज्यादा लोग उन्हें अलग-अलग जगहों से देख रहे होते हैं और एक घंटे में 1100 से ज्यादा लोग उन्हें देखते हैं। उनके अपार्टमेंट में वॉशरूम ही एकमात्र ऐसी जगह है, जहां कैमरा नहीं है और जब वह वॉशरूम जाती हैं, तो तुरंत खामोशी छा जाती है, और फिर कोई दर्शक टाइप करता है, 'एमिली कहां हैं?' कुछ मिनटों बाद वह वॉशरूम से बाहर आती हैं और कैमरा फिर उनके पीछे-पीछे लग जाता है। पिछले तीन सालों से वह बिना एक दिन का ब्रेक लिए अपने जीवन का खुद ही प्रसारण कर रही हैं। वह कैमरा लेकर ग्रॉसरी स्टोर, ट्रैफिक जंक्शन पर जाती हैं और अनवरत स्क्रीन से बात करती रहती हैं। हर ग्राहक जो उन्हें देख रहा है, वे इसके लिए 5.99 डॉलर चुका रहे हैं और इस प्लेटफॉर्म पर हर महीने औसतन 10 करोड़ से ज्यादा विजिटर्स हैं। 30-40फीसदी की कटौती के बाद एमिली जैसे सेल्फ ब्रॉडकास्टर को भुगतान किया जाता है। एमिली ट्विच की प्रसिद्ध हस्ती हैं। उनके जैसे क्रिएटर्स, जिन्हें मैराथन स्ट्रीमर्स भी कहते हैं, वे इंटरनेट युग की नई खोज हैं और किसी के व्यक्तिगत जीवन का अलग ही स्तर पेश करते हैं, जहां इंटिमेसी भी है। अमेरिका में पांच में से एक किशोर इस प्लेटफॉर्म पर किसी न किसी को देख रहे हैं या फॉलो कर रहे हैं। स्ट्रीमर

को स्ट्रीमिंग कब शुरू या बंद करनी है, इसका कोई नियम नहीं है। वे अपनी रणनीति खुद तय करते हैं। एमिली जैसे लोगों का खुद के

चाचा बनने वाले हैं राम चरण, भाई वरुण तेज के घर गूंजेगी किलकारी, शादी के डेढ़ साल बाद बीवी लावण्या हैं प्रेग्नेंट

नई दिल्ली। राम चरण और अल्लू अर्जुन के कजिन वरुण तेज ने 6 मई को खुशखबरी सुनाई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अनाउंस किया कि उनकी वाइफ लावण्या त्रिपाठी प्रेग्नेंट हैं। जल्द ही उनकी जिंदगी में एक नन्हा-मुन्ना आने वाला है। बता दें कि दोनों की शादी नवंबर 2023 में हुई थी।वरुण तेज ने वाइफ लावण्या त्रिपाठी के साथ एक ज्वॉइंट इंस्टाग्राम स्टेटस शेयर किया। इसमें लावण्या ने वरुण का हाथ थामा हुआ है, जिसमें दो छोटे से ऊन के बुने जूते नजर आ रहे हैं। इस पर दिल वाले इमोजी बने हुए हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'जिंदगी की अब तक की सबसे खूबसूरत भूमिका- जल्द ही आ रही है।वरुण और लावण्या ने जैसे ही गुड न्यूज सुनाई, बधाई देने वालों का

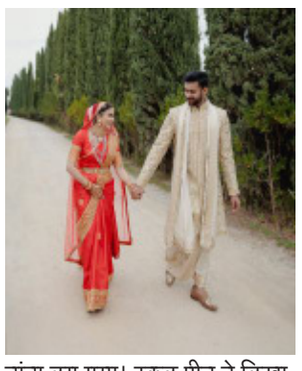

तांता लग गया। रकुल प्रीत ने लिखा, 'ओ.एम.जी बधाई।' राम चरण की वाइफ उपासना ने कहा, 'स्वीटेस्ट पैरेंट्स बनने वाले, बेस्ट न्यूज।' अल्लू स्नेहा रेड्डी से लेकर अदिति राव हैदरी, सामंथा रुथ प्रभु सहित कई सेलेब्स ने उन्हें बधाई दी है।वरुण और लावण्या की मुलाकात साल 2017 में 'मिस्टर' फिल्म के सेट पर हुई थी। फिर दोनों ने डेट करना शुरू किया। उन्होंने 2018 में अन्तरिक्षम 9000 केएमपीएच में भी काम किया। अपने रिश्ते को नाम देते हुए दोनों ने 8 जून 2023 को हैदराबाद में सगाई की और इसी साल इटली के टस्कनी में 1 नवंबर को शादी कर ली। अब शादी के करीब डेढ़ साल बाद उनके घर बच्चे की किलकारियां गूंजने वाली हैं। वरुण तेज, नागेंद्र बाबू के बेटे हैं। वो चिरंजीवी और पवन कल्याण के भतीजे हैं। वरुण की बहन निहारिका भी एक्ट्रेस हैं। वो राम चरण, अल्लू अर्जुन, अल्लू शिरीष, साई तेज और पंचा वैष्णव तेज के कजिन हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर कंगना बोलीं, आंतकवाद पर जीरो टॉलरेंसःरजनीकांत ने लिखा, पूरा भारत आपके साथ है नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारत ने पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर स्ट्राइक की है। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया है। इसकी सफलता पर बॉलीवुड के कई सेलेब्स रिएक्शन देते हुए फैंस में उत्साह बढ़ा रहे हैं। कंगना रनोट, अनुपम खेर से लेकर रितेश देशमुख और चिरंजीवी जैसे

कई सेलेब्स ने इस पर अपने विचार पेश किए हैं। कंगना रनोट ने एक पोस्ट शेयर कर लिखा है, ऑपरेशन सिंदूर, आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस। भारतीय सशस्त्र बलों ने एक सटीक मिशन, ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में 9 आतंकवादी शिविरों को निष्प्रभावी कर दिया गया। नया भारत।एक्टर से राजनेता बने पवन कल्याण ने इस ऑपरेशन पर खूबसूरत लेख लिखा। उन्होंने पोस्ट में लिखा है, वीरता जहां पर नहीं, पुण्य का क्षय है। वीरता जहां पर नहीं, स्वार्थ की जय है। इसके आगे उन्होंने लिखा है, दशकों तक सहनशीलता, सहनशीलता! अत्यधिक सहन के बाद मौन बैठी संपूर्ण भारतवर्ष को 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से फिर से वीरता की भावना से भर देने वाले तीनों सेनाओं के वीर नेतृत्व को, और उनके साथ अडिग होकर खड़े रहे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को हार्दिक धन्यवाद।अनुपम खेर ने ऑफिशियल एक्स प्लेटफॉर्म पर ऑपरेशन सिंदूर का पोस्टर शेयर कर लिखा, भारत माता की जय। अनुपम खेर ने ऑफिशियल एक्स प्लेटफॉर्म पर ऑपरेशन सिंदूर का पोस्टर शेयर कर लिखा, भारत माता की जय।चिरंजीवी ने पोस्ट शेयर कर लिखा, जय हिंद। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन की तरफ से भी ऑपरेशन सिंदूर पर भारत सरकार को समर्थन दिया गया है। एसोसिएशन की तरफ से की गई पोस्ट में लिखा गया है, भारत सरकार और भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की गई निर्णायक कार्रवाई के लिए उनके प्रति अपना अटूट समर्थन और आभार। पाकिस्तान और पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाकर किया गया यह ऑपरेशन, पहलगाम हमले का दृढ़ जवाब था जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी।

जावेद अख्तर पर बिगड़े पाकिस्तानी एक्ट्रेस के बोल- कहा- शर्म करो, मरने में 2 घंटे बचे हैं

नई दिल्ली। जावेद अख्तर ने हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए सरकार से पाकिस्तान के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की बात कही थी। उनके इस बयान पर अब पाकिस्तानी एक्ट्रेस बुशरा अंसारी का रिएक्शन सामने आया है, जिसमें उन्होंने जावेद अख्तर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। रिव्यू इट की रिपोर्ट के अनुसार, बुशरा अंसारी ने जावेद अख्तर

पर कहा है, हमारे सो-कॉल्ड राइटर, उनको तो बहाना ही चाहिए था। दरअसल, उनको तो मकान किराए पर नहीं मिलता था बॉम्बे में। पता नहीं क्या-क्या बोल रहे हैं। कोई शर्म करें। मरने में आपको दो घंटे रह गए हैं, ऊपर से आप इतनी फिजूल बातें कर रहे हैं।आगे बुशरा अंसारी ने कहा, इतना भी क्या कोई डरे, इतना लालच करे। चलो जी चुप करिए आप। नसीरुद्दीन शाह भी तो हैं, वो चुप बैठे हैं ना। और भी तो चुप बैठे हैं ना। जिसके दिल में जो है वो रखा रहे। ये तो पता नहीं क्या कह रहे हैं। अपने बयान में बुशरा ने ये भी कहा है कि वो हाल ही में कुछ भारतीय लड़कियों से मिली थीं। उन लड़कियों ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया था। भारतीय बुरे नहीं हैं, उन्हें उकसाया जा रहा है। दिल्ली में फिक्की के एक कार्यक्रम में जावेद अख्तर ने कहा, 'आतंकवादी आखिर आते कहां से हैं? ये कोई जर्मनी से तो नहीं आते। हम उनकी सीमाओं से जुड़े हुए हैं और यह बात नजरअंदाज नहीं की जा सकती। पहलगाम की घटना एक अहम मोड़ होनी चाहिए। जब इस तरह की घटनाएं बार-बार होती हैं, तो तनाव तो लाजमी है। लगभग हर कुछ दिनों में या फिर हर साल में कोई न कोई ऐसी दुखद घटना सामने आती है।' जावेद अख्तर ने कहा कि

विजय थलपति के बॉडीगार्ड ने बुजुर्ग पर तानी बंदूकःहंगामा नजरअंदाज कर निकल गए एक्टर

नई दिल्ली। तमिल सुपरस्टार थलपति विजय का मदुरै एयरपोर्ट पहुंचना उस वक्त हंगामे में बदल गया जब उनके

एक बॉडीगार्ड ने अचानक बंदूक निकाल ली। विजय कोडैकनाल में शूटिंग खत्म कर लौट रहे थे और एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए भारी भीड़ जमा थी। इसी दौरान एक बुजुर्ग फैन विजय की तरफ तेजी से बढ़ा। बॉडीगार्ड को उसका यह कदम सही नहीं लगा और उसने तुरंत अपनी जेब से बंदूक निकाल ली और बुजुर्ग की ओर तान दी।कुछ ही पल में बॉडीगार्ड ने बंदूक वापस रख ली और टीम ने उस बुजुर्ग को वहां से हटाया। इस बीच एक्टर से राजनेता बने विजय ने इस वाकये पर कोई रिएक्शन नहीं दिया और चुपचाप टर्मिनल की तरफ बइस वीडियो को लेकर एक यूजर ने कमेंट किया, 'जब जनता या पत्रकार रजनीकांत सर, अजीत सर, शिवकार्तिकेयन, सूर्या जैसे अन्य स्टार्स के पास जाते हैं, तो वे बेहद विनम्रता से पेश आते हैं, लेकिन इस शख्स के साथ तो मामला ही अलग है। बेचारे ताता (दादा) ने सोचा होगा विजय को देखने को मिलेगा, पर टीम ने तो कुछ और ही सोच रखा था।'वहीं एक अन्य यूजर ने सुरक्षा टीम की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए लिखा, 'सार्वजनिक स्थान पर किसी के सिर पर बंदूक तानना, वो भी एयरपोर्ट जैसी जगह पर, क्या ये कानूनन सही है? फैंस इस घटना से हैरान जरूर हुए, लेकिन राहत की बात ये रही कि बुजुर्ग फैन को कोई नुकसान नहीं हुआ और बाद में उन्हें सुरक्षित ले जाया गया।सोशल मीडिया पर यूजर्स का रिएक्शन इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इंडस्ट्री ट्रैकर मनोबाला विजयबालन ने यह वीडियो एक्स पर शेयर किया है। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स कई तरह के रिएक्शन दे रहे हैं।विजय का एक पुराना वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वे एक छात्रा को सम्मानित करते हुए शॉल ओढ़ाते हैं और उसके कंधे पर हाथ रखकर पोज देते हैं। वीडियो में छात्रा तुरंत उनका हाथ हटाती नजर आती है। जिसको लेकर कई लोगों ने विजय पर निशाना साधा। विजय के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी बता दें कि इससे पहले भी विजय चर्चा में थे। मार्च में विजय के खिलाफ चेन्नई में एक एफआईआर दर्ज की गई थी। उन पर रमजान के दौरान आयोजित एक इफ्तार पार्टी में मुस्लिम समुदाय की भावनाएं आहत करने का आरोप लगा था। दरअसल, रमजान का पवित्र महीना शुरू होते ही विजय ने चेन्नई में एक इफ्तार पार्टी का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में उन्होंने मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ इफ्तार किया और खुद भी एक दिन का रोजा रखा था। इफ्तार पार्टी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं। इस मामले में तमिलनाडु सुन्नत जमात ने चेन्नई पुलिस कमिश्नर ऑफिस में एक्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि विजय की ओर से आयोजित इफ्तार पार्टी में कुछ ऐसे कृत्य हुए जिनसे मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

कॉन्सर्ट विवाद पर सोनू निगम ने मांगी माफी

बैंगलोर। बैंगलोर में हुए एक कॉन्सर्ट के चलते सोनू निगम विवादों में आ गए। मंच पर भड़कते हुए कन्नड़ में गाने की अपील पर दिए गए सोनू निगम के बयान के बाद उन्हें कन्नड़ इंडस्ट्री से बैन कर दिया गया। हालांकि अब सोनू निगम ने माफी मांगते हुए इस विवाद पर विराम लगा दिया है। सोनू निगम ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से लिखा है, 'सॉरी कर्नाटक, आपके लिए मेरा प्यार, मेरे ईगो से ज्यादा बड़ा है। हमेशा प्यार।इसके अलावा भी सोनू निगम ने एक और पोस्ट शेयर की है। इसमें एक्टर ने पूरे मामले में अपना नजरिया रखा। उन्होंने लिखा, 'नमस्कार, मैंने भाषा, संस्कृति, संगीत, संगीतकारों, राज्य और लोगों को अभूतपूर्व प्यार दिया है, न केवल कर्नाटक में बल्कि दुनिया में कहीं भी। वास्तव में मैंने हिंदी सहित अन्य भाषाओं के गीतों की तुलना में अपने कन्नड़ गीतों का अधिक सम्मान किया है। सोशल मीडिया पर सैकड़ों वीडियो इस बात के प्रमाण हैं। मेरे पास एक घंटे से ज्यादा के कन्नड़ सॉन्ग हैं, जिन्हें मैं कर्नाटक में होने वाले हर कॉन्सर्ट के लिए तैयार करता हूं। हालाँकि, मैं कोई युवा नहीं हूं जो किसी से अपमान सहूं। मैं 51 साल का हूं, अपने जीवन के दूसरे हिस्से में हूं और मुझे इस बात पर नाराज होने का हक है कि मेरे बेटे जैसे युवा ने मुझे हजारों लोगों के सामने भाषा के नाम पर धमकाया, वो भी कन्नड़ में जो मेरे काम के मामले में मेरी दूसरी भाषा है।

उत्तराखंड के दो स्टार, दो भयानक कार हादसे मौत से जंग और सफलता की दो अद्भुत कहानियां

नई दिल्ली। सड़क हादसे में घायल पवनदीप राजन की अस्पताल की तस्वीरें जब सामने आईं तो हर किसी को ऋषभ पंत की याद आ गई। इसी तरह से जब पूरा विश्व नए वर्ष के जश्न की तैयारियों में डूबा हुआ था तो 30 दिसंबर की सुबह एक खबर ने हिलाकर रख दिया। यह खबर ऋषभ पंत के कार एक्सीडेंट में बुरी तरह से घायल होने की थी। पैर,

पेट और सिर में काफी चौटें आई थीं। उनकी मर्सिडीज-बेंज एसयूवी जलकर खाक हो चुकी थी, जबकि राजन के कार की हालत भी कुछ इसी तरह से दिख रही है। दोनों में एक खास कनेक्शन भी है। दोनों ही उत्तराखंड से आते हैं और दोनों के स्टार बनने के पीछे एक बड़ा संघर्ष है। उनका कहानियां प्रेरणा देती हैं।उत्तराखंड के रुड़की में जन्मे ऋषभ पंत की कहानी प्रेरणादायक है। उन्होंने मुश्किलों का सामना करते हुए अपने सपनों को पूरा किया। 12 साल की उम्र में दिल्ली आकर उन्होंने क्रिकेट में करियर बनाने का फैसला किया। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। कई रातें गुरुद्वारा में गुजारीं तो अंडर-19 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया। 2017 में पिता के निधन से बड़ा झटका लगा, लेकिन वह लगे रहे। गाबा में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई 2021 में 89 रनों की मैच विनिंग पारी ने उन्हें हीरो बना दिया। 2022 में एक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद कहा जा रहा था कि वह शायद ही कभी क्रिकेट खेल सकें, लेकिन उन्होंने 2024 में आईपीएल में वापसी की। अब टी-20 वर्ल्ड कप 2024 खेले और चैंपियन बने।जब पंत 12 साल के थे, तब उन्होंने क्रिकेटर बनने का फैसला किया। वह अपनी मां के साथ दिल्ली आ गए। दिल्ली में उनके पास रहने की जगह नहीं थी और खाने के लिए पैसे भी नहीं थे। वह मोतीबाग के गुरुद्वारे में रहने लगे। उनकी मां वहां सेवा करती थीं। वे दोनों गुरुद्वारे में लंगर खाते थे। पंत हर दिन लंगर खाकर क्रिकेट की प्रैक्टिस करने जाते थे। दिल्ली में पंत ने अंडर-12 टूर्नामेंट में तीन शतक बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब मिला। इसके बाद उन्होंने दिल्ली कैंट के एयरफोर्स स्कूल में एडमिशन लिया। वहां उन्होंने क्रिकेट में अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी। 2016 में अंडर-19 वर्ल्ड कप में उन्होंने नेपाल के खिलाफ सिर्फ 18 गेंदों में अर्धशतक बनाया। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ शतक भी जड़ा। इससे उन्होंने सबको अपनी प्रतिभा दिखा दी। उसी साल दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) ने उन्हें 1.9 करोड़ रुपये में खरीदा।2017 में पंत के पिता का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। यह उनके लिए बहुत दुखद समय था। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने आईपीएल मैच में हिस्सा लिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंलुरु के खिलाफ उन्होंने 33 गेंदों में अर्धशतक बनाया। 30 दिसंबर 2022 को पंत की कार का एक्सीडेंट हो गया। उन्हें पैरों में गंभीर चोटें आईं।उन्हें ठीक होने में लगभग 15 महीने लगे। 23 मार्च 2024 को उन्होंने आईपीएल में वापसी की। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच खेला। ऋषभ पंत की कहानी हमें सिखाती है कि मुश्किल समय में भी हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। अगर हम ठान लें तो हम कुछ भी कर सकते हैं।

दोस्ताना 2 से निकाले गए कार्तिक आर्यनःकरण जौहर से मतभेद होने पर रुक गई थी फिल्म

नई दिल्ली। धर्मा प्रोडक्शंस की दोस्ताना 2 से कार्तिक आर्यन बाहर हो चुके हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में कार्तिक आर्यन और करण जौहर के बीच हुए मतभेद से बंद हुई फिल्म दोस्ताना 2 एक बार फिर बनने की तैयारी में है, लेकिन कार्तिक अब फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। कार्तिक को रिप्लेस कर सकते हैं एक्टर विक्रांत मैसी एक रिपोर्ट के अनुसार, कार्तिक आर्यन ने अब धर्मा की

फिल्म नागजिला में काम करना शुरू कर दिया है, लेकिन वो दोस्ताना से निकाल दिए गए हैं। अब फिल्म उनकी जगह एक्टर विक्रांत मैसी का नाम सामने आ रहा है। वहीं लक्ष्य अब भी फिल्म का हिस्सा हैं।एक सूत्र के मुताबिक, 'जब फिल्म को फिर से शुरू करने की बात हुई, तो लक्ष्य को बनाए रखना तय था। दोस्ताना जैसी फिल्म में दो मेल एक्टर्स की केमिस्ट्री बहुत जरूरी होती है। विक्रांत इस रोल में बिल्कुल फिट बैठते हैं।' बताया जा रहा है कि विक्रांत डॉन 3 में भी नजर आ सकते हैं। फिलहाल इसको लेकर धर्मा प्रोडक्शन की ओर से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है।गौरतलब है कि फिल्म की घोषणा साल 2019 में हुई थी। उस समय फिल्म में कार्तिक आर्यन, जान्हवी कपूर और लक्ष्य को लिया गया था। शूटिंग शुरू भी हो गई थी, लेकिन 21 दिन बाद कार्तिक और करण जौहर के बीच मतभेद हो गए। धर्मा ने इसे क्रिएटिव डिफरेंसेज बताया और फिल्म बंद कर दी गई।बता दें कि साल 2024 में कार्तिक आर्यन ने पहली बार दोस्ताना 2 के अचानक बंद होने पर खुलकर बात की थी। लल्लनटॉप को दिए एक इंटरव्यू में कार्तिक ने कहा था, 'देखिए, वो बहुत पुरानी बात हो गई है। कई बार बहुत मिसकम्युनिकेशन हो जाता है और कई चीजें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जाती हैं। जब वो लिखा जाता है, तो कुछ और ही लगने लगता है।कार्तिक ने ये भी कहा था, 'मैं तब भी चुप था और अब भी चुप हूं उन बातों पर। मैं बस 100 प्रतिशत काम करता हूं। जब भी ऐसी कोई खबर आती है या कोई कंट्रोवर्सी होती है, तो मैं अपने शेल में चला जाता हूं। मैं शांत रहता हूं। मैं इन चीजों में ज्यादा घुसता नहीं हूं, और ना ही कुछ साबित करने की जरूरत महसूस करता हूं।वहीं सवाल ये भी उठता है कि जब करण जौहर और कार्तिक आर्यन के बीच पुराने मतभेद अब खत्म हो चुके हैं और कार्तिक धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म नागजिला में काम कर रहे हैं तो फिर उन्हें दोस्ताना 2 से क्यों हटाया गया।

'गुलामी वाली मानसिकता अब भी साथ है', जान्हवी कपूर ने मेट गाला में भारतीय सेलेब्स को ट्रोल करने वालों को लगाई फटकार

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने मेट गाला 2025 में इंडियन सेलेब्स की मौजूदगी पर ट्रोल करने वालों को जमकर सुनाया है। इस साल मेट गाला में शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा, कियारा आडवाणी और दिलजीत दोसांझ जैसे बड़े सेलेब्स ने शिरकत की, लेकिन कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर इनकी मौजूदगी को लेकर तंज कसना शुरू कर दिए। कुछ ने सेलेब्स के कपड़ों पर ये कह दिया कि ये चांदीवली का मेट गाला लग रहा है।जान्हवी कपूर ने दिया करारा जवाब जान्हवी कपूर इस साल मेट गाला में शामिल नहीं हुईं। हालांकि, उन्होंने भारतीय सेलेब्स और संस्कृति को ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया। उन्होंने इंस्टाग्राम उस पोस्ट पर कमेंट किया है, जिसमें सेलेब्स को ट्रोल किया गया था। जान्हवी ने लिखा है, 'क्या हमें खुश नहीं होना चाहिए कि हमें आखिरकार हमारी सही पहचान मिल रही है, बजाय इसके कि हम ये सोचे कि जब हम अपने लोगों को इस मंच पर देख रहे हैं, तो यह कम आकर्षक लगने लगा है?'उन्होंने आगे कहा, 'हमारे कपड़े तो सबसे शानदार थे। देखकर हंसी आती है कि हम खुद को ही नीचा दिखाने लगे हैं। जाहिर है, गुलामी वाली मानसिकता अब भी हमारे साथ है।'आगे जान्हवी लिखती हैं, 'सालों से हमारे कारीगरों का काम हमारे देश से बाहर भेजा जाता था और उसे बिना क्रेडिट के ग्लोबल मंच पर दिखाया जाता था।

रेप की शिकायत दर्ज होने के बाद ऐजाज खान फरार

नई दिल्ली। बिग बॉस 7 का हिस्सा रह चुके एक्टर ऐजाज खान के खिलाफ 4 मई को रेप की शिकायत दर्ज हुई है। चारकोप पुलिस ने एक्टर की तलाश शुरू कर दी है, हालांकि शिकायत दर्ज होते ही ऐजाज खान फरार हो चुके हैं। चारकोप पुलिस ऐजाज खान की तलाश में उनके घर पहुंची थी, हालांकि एक्टर घर में नहीं मिले। जब उनके नंबर पर कॉल किए गए तो नंबर भी बंद मिला। पुलिस अब एक्टर की तलाश में जुट गई है। इस मामले में जल्द ही ऐजाज खान की गिरफ्तारी हो सकती है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, 30 साल की महिला ने चारकोप पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायतकर्ता ने बताया है कि ऐजाज खान ने उन्हें हाउस अरेस्ट शो को होस्ट करने का ऑफर दिया था। शूटिंग के दौरान ऐजाज खान ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया और फिर बाद में अपने घर ले गए, जहां उन्होंने 25 मार्च को महिला से जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। महिला का दावा है कि ऐजाज खान ने कई बार उनके साथ जबरदस्ती की है। ऐजाज ने उनसे कहा था कि उनके धर्म में 4 शादियां करने की इजाजत है, ऐसे में वो उनकी पूरी जिम्मेदारी उठाएंगे। ऐजाज खान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 63, 64, 69 और 74 के तहत शिकायत दर्ज हुई है।

मां कहती हैं इंडस्ट्री के शोर से बचकर काम पर फोकस करो मां श्वेता तिवारी से मिली पर बोलीं पलक तिवारी

नई दिल्ली। एक्ट्रेस पलक तिवारी अपने काम से ज्यादा अपनी निजी

जिंदगी की वजह से लाइमलाइट में रहती हैं। उनका नाम एक्टर सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान से जुड़ता रहता है। दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ हैंग आउट करते भी दिखते हैं। फिलहाल पलक अपनी नई फिल्म 'द भूतनी' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उन्हें संजय दत्त जैसे दिग्गज एक्टर के साथ काम करने का मौका मिला है।बाहरी प्रेशर सबसे ज्यादा होता है। लोगों को जो बोलना है, बोलेंगे ही। मुझे लगता है कि लोगों की इज्जत भी कमानी पड़ती है। मैं एक दिन ये भी कमा लूंगी। लेकिन सबसे ज्यादा प्रेशर खुद से आता है और वो प्रेशर घटता नहीं है। जैसे कि मैं खुद पर हर दिन बेहतर करने का दबाव बनाती हूं। बाहरी दबाव के लिए आप बहाने बना सकते हैं कि चलो मैं इसे जानती नहीं हूं। लेकिन जो दबाव इंसान खुद से खुद के ऊपर डालता है, उसका कोई इलाज नहीं है।मैं इंसान हूं और इंसानों का असल जिंदगी में भूत से नहीं जिंदगी का ही खौफ होता है। मुझे भी वही खौफ है। असल जीवन में बहुत चीजों की टेंशन होती है। मां-भाई को गर्व महसूस करा पा रही हूं या नहीं? अपना काम अच्छे से करना है। घर के लिए पैसे कमाने हैं। इन बातों का कितना स्ट्रेस होता है।जैसा कि आपने कहा मैंने ये जिम्मेदारी ली है। घर की जिम्मेदारी किसी ने नहीं डाली है। मुझे लगता है मेरी फैमिली में हर कोई बहुत ज्यादा इनवॉल्ड है। मेरे घर में हर सदस्य एक-दूसरे की मदद करता है। मैंने अपनी मां बहुत कम उम्र से घर के लोगों को प्यार और सपोर्ट करते देखा है इसलिए मेरा भी दिल करता है कि मैं यह करूं। मेरी मां मेरे लिए प्रेरणा हैं।शायद पहले करता था लेकिन अब इतना नहीं है। मैं जैसे-जैसे बड़ी हो रही हूं, मुझे एहसास हो रहा है कि अगर मैं अच्छा काम करूंगी तो लोग मुझे अपना ही लेंगे। लोग एक्टर से नफरत इतना करते हैं, जैसे दुश्मन हों। फिर फैमिली की तरह प्यार भी देते हैं। मैं सोशल मीडिया पर आया निगेटिव कमेंट को पढ़ती नहीं हूं और न कभी कोई रिप्लाई किया है। मेरा मानना है कि जितना पढ़ोगे, उतना खुद पर इफेक्ट पड़ेगा। मैं सोशल मीडिया पर अच्छा-बुरा दोनों पढ़ने से बचती हूं। जो लोग भी मुझसे नफरत करते हैं, मैं सबको एक दिन प्यार में बदल दूंगी।इससे मुझे प्रेशर नहीं फील होता है। मुझे निराशा महसूस होती है। चलिए, मैंने शायद अभी इतना काम किया नहीं है इसलिए लोगों को मेरी पर्सनल लाइफ दिलचस्पी होती होगी। इसी बात से मुझे मोटिवेशन मिलती है कि इतना काम करो कि लोग आपके काम पर बात करें। मीडिया हेडलाइंस की बात करूं तो पहले कि पत्रकार रिसर्च करके कुछ लिखते थे। आजकल तो कोई भी चिंटू कमेंट कर देता है और उसका कमेंट हेडलाइन बन जा रहा है। अब ऐसे कमेंट और हेडलाइन को क्या ही सीरियसली लूंगी।पहले मुझ पर ये प्रेशर था लेकिन अब नहीं है। पहले लगता था कि मुझे सुंदर दिखना है, लेकिन अब मैं ध्यान ही नहीं देती। कुछ दिनों से इतना रेडी होना पड़ा रहा है। एक पूरी टीम आपको तैयार कर रही है। ऐसे में फिर लगता है कि अब अकेले रहना है। लगता है कि दो-तीन नॉर्मल ही दिखने दो फिर एक समय के बाद आदत से हो जाती है। आप, मैं या कोई भी हो, सुबह उठकर सब एक जैसे ही दिखते हैं।मेरी मां भी टिपिकल मांओं जैसी हैं। वो पीठ पीछे कुछ भी बोले लेकिन मुंह पर कभी तारीफ नहीं करेंगी। मैं मम्मी से ज्यादा पूछती भी नहीं हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि अभी बहुत फिल्में करनी है। मां को प्राउड करना में अभी लंबा समय है। बहुत फिल्में करनी है और अगर उन्हें करके मुझे खुशी मिली, तब मैं अपनी मां से ये सवाल पूछूंगी।मां हमेशा कहती हैं, इंडस्ट्री में बहुत शोर है। तुम बस अपना काम करो। जैसे घोड़ों को ब्लाइंडर्स लगाते हैं, ठीक वैसे ही ब्लाइंडर्स लगाकर काम पर ध्यान देना है। आस-पास और क्या चल रहा है, उसे इग्नोर करो।मैं तो अपनी मम्मी बनना पसंद करूंगी। मम्मी बने सबसे पहले अपने छोटे भाई रियान को खूब डांटूगी। मेरी मां उसे बिल्कुल नहीं डांटती हैं और वो एकदम बिगड़ा हुआ बच्चा है।

ओजेम्पिक से वजन घटाने वाले दावे पर करण की सफाईःकहा- ये सुनकर थक गया हूं, आप मेरी सच्चाई नहीं जानते, खुद को देखकर घिन आती है

नई दिल्ली। करण जौहर का शॉकिंग ट्रांसफॉर्मेशन लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। कुछ समय पहले ही करण जौहर ने काफी वेट कम कर लिया है, जिससे वो काफी यंग दिखने लगे हैं। अचानक हुए ट्रांसफॉर्मेशन को देख लोगों ने ये कहना शुरू कर दिया है कि जल्दी वजन घटाने के लिए करण जौहर ने ओजेम्पिक का सहारा लिया है। वही ओजेम्पिक इंजेक्शन जो बना तो डायबिटीज के लिए है, लेकिन अब लोग इसे जल्द वजन कम करने में इस्तेमाल कर रहे हैं। अब करण ने इस पर बात करते हुए कहा है कि वो इन आरोपों से थक चुके हैं।हाल ही में करण जौहर ने राज शमानी के पॉडकास्ट में अपने ट्रांसफॉर्मेशन और ओजेम्पिक लेने के दावे पर बात की। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से ही अपने बढ़े हुए वजन से परेशान रहा हूं। मैंने 1000 तरह की डाइट ली, 500 से ज्यादा वर्कआउट किए। जो भी वर्कआउट था, रूटीन था, सब कुछ किया है। वजन कम हुआ ही नहीं। मैंने टेस्ट करवाया तो मुझे पता चला कि मुझे थायरॉइड की दिक्कत है, जिसे मुझे ठीक करना पड़ेगा, मैं कर भी रहा हूं।आगे करण जौहर ने ओजेम्पिक लेने के दावे पर कहा, लोग कहते हैं, मैंने ओजेम्पिक लिया है, मैं इससे थक चुका हूं।

राशिफल

मेष-ःपिछले कुछ समय से किसी खास काम के प्रति चल रही मेहनत के अच्छे परिणाम सामने आएंगे। समाज में आपकी योग्यता और क्षमता की तारीफ होगी। नरमी और सरलता से रुका हुआ पैसा निकालने का प्रयास करें, सफलता मिलेगी।

वृष-ः सामाजिक या सोसाइटी से जुड़े किसी समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। घर में शांति का माहौल रहेगा। बड़े लोगों का साथ और सहयोग आपकी छवि को और अच्छा बनाएगा। दोस्तों और रिश्तेदारों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

मिथुन-ःफायदे वाला समय है। अपनी पूरी ताकत अपने कामों पर लगा दें। आज आपको अपने प्रयासों के अच्छे परिणाम मिलेंगे। पैसों की योजनाओं को पूरा करने का सही समय है। रुपए पैसे के लेनदेन से जुड़े काम भी होंगे।

कर्क-ःआप अपनी दिनचर्या और आदतों का खास तरह से ध्यान दे रहे हैं। जिससे आपके स्वभाव में बहुत सुधार आएगा। बच्चों की पढ़ाई और करियर आदि से जुड़ा भी कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं।

सिंह-ःआज आपके आसपास का माहौल अच्छा और खुशहाल बना रहेगा। अगर घर में कोई सुधार से जुड़ी योजना बन सकती है। आपके लिए फायदेमंद और शुभ दिन रहेगा। रिश्तों के बीच चल रही गलतफहमी को दूर करने का अच्छा समय है।

कन्या-ःस्वास्थ्य व व्यावसायिक मामलों में सुधार होगा। व्यावसायिक व निजी जीवन में कुछ अप्रत्याशित घटनाक्रम घटित हो सकते हैं। भाग्य आपके साथ है। व्यावसाय में तेजी आएगी।

तुला-ः किसी दोस्त की मदद से आपका कोई निजी काम हल होगा। घर और बाहर दोनों जगह सम्मानजनक स्थिति बनेगी। पढ़ने वालों और युवाओं को अपनी पढ़ाई के साथ साथ दूसरे क्षेत्र में भी जानकारी हासिल करने से जुड़ी रुचि बनी रहेगी।

वृश्चिक-ः किसी दोस्त की मदद से आपका कोई निजी काम हल होगा। घर और बाहर दोनों जगह सम्मानजनक स्थिति बनेगी। पढ़ने वालों और युवाओं को अपनी पढ़ाई के साथ साथ दूसरे क्षेत्र में भी जानकारी हासिल करने से जुड़ी रुचि बनी रहेगी।

धनु-ःसफलता का समय है। किसी की सलाह आपके लिए वरदान साबित होगी और आप अपने अंदर दोबारा नई ताकत महसूस करेंगे। आपको अपनी बात रखने का भी मौका मिलेगा। पढ़ने वालों और युवाओं का अपने पढ़ाई और करियर पर ध्यान रहेगा।

मकर-ः पुरानी परेशानियों से राहत मिलेगी। अपने पसंदीदा कामों में भी थोड़ा समय बिताएं। इस समय अपने पैसों से जुड़े कामों पर ज्यादा ध्यान दें। ऐसा करना आपके भविष्य के लिए बहुत फायदेमंद रहेगा।

कुंभ-ः कोई खास फैसला लेने में असमंजस की स्थिति हो सकती है। ऐ

गाड़ी चलाते हैं तो पोजिशन का रखें ध्यान,घुटने में दर्द को न करें इग्नोर, क्या है पैटेलर टेंडिनोपैथी

नई दिल्ली। अगर कोई रोज लगभग 2 घंटे से ज्यादा ड्राइविंग करता है तो उसे तकलीफदेह कंडीशन ड्राइवर नी या पैटेलर टेंडिनोपैथी का सामना करना पड़ सकता है। इस कंडीशन में पैटेला यानी घुटने की हड्डी और टिबिया यानी घुटने-टखने के बीच की की हड्डियों में सूजन के कारण होती है। इस कंडीशन में घुटने के आगे के हिस्से में तेज दर्द होता है और खासतौर पर उन लोगों को यह समस्या ज्यादा होती है, जो लंबे समय तक एक ही पोजीशन में बैठकर ड्राइव करते हैं। अगर इस दौरान पॉश्चर गलत है तो इसके चांस और बढ़ जाते हैं। अगर किसी भी कारणवश घुटने पर लगातार लंबे समय तक जोर पड़ता है तो इसमें सूजन हो जाती है। अगर रास्ते में भीड़ ज्यादा है तो ड्राइवर को बार-बार ब्रेक और क्लच दबाना पड़ता है। इससे घुटनों पर जोर पड़ता है और ड्राइवर नी यानी पैटेलर टेंडिनोपैथी का जोखिम बढ़ जाता है। 'फिजिकल हेल्थ' में पैटेलर टेंडिनोपैथी की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि ये आख़िर होता क्या हैं कार में बार-बार गियर बदलने, क्लच और ब्रेक दबाने से घुटनों पर बार-बार दबाव पड़ता है। इससे घुटने की मांसपेशियां और टेंडन कमजोर हो जाते हैं, जिससे पैटेलर टेंडिनोपैथी हो सकता है।डॉ. सुनील चौधरी कहते हैं कि पैटेलर टेंडिनोपैथी में घुटने के

नीचे वाले हिस्से में दर्द और सूजन हो सकती है। यह दर्द शुरुआत में केवल दौड़ने, कूदने या सीढ़ियां चढ़ने के दौरान महसूस होता है, लेकिन कुछ समय बाद यह आराम करने पर भी बना रह सकता है।इसके कारण घुटने में जकड़न और कमजोरी महसूस हो सकती है, जिससे लंबी दूरी तक चलना या दौड़ना मुश्किल हो जाता है। सुबह उठने पर या लंबे समय तक बैठने के बाद घुटने में अकड़न महसूस हो सकती है। अगर इसे नजरअंदाज किया जाए तो यह समस्या गंभीर हो सकती है और घुटने को मोड़ना तक मुश्किल हो जाता है।पैटेलर टेंडिनोपैथी के ट्रीटमेंट में आमतौर पर दर्द कम करने, सूजन को कंट्रोल करने और घुटने को फिर से मजबूत बनाने पर फोकस्ड होता है। डॉ. ये सलाह दे सकते हैं आराम करें और घुटने पर जोर डालने वाली एक्टिविटीज से बचें। बर्फ और गर्म सेंक- सूजन और दर्द कम करने के लिए बर्फ लगाएं। डॉक्टर से कंसल्ट करके पेन किलर खा सकते हैं। स्ट्रेचिंग और फिजियोथेरेपी- क्वाड्रिसेप्स और हैमस्ट्रिंग स्ट्रेचिंग करें। नी कैप या पटेला स्ट्रेप- घुटने को सपोर्ट देने के लिए इस्तेमाल करें। स्टेम सेल थेरेपी- गंभीर मामलों में टेंडन रिकवरी के लिए। सर्जरी- जब 6 महीने तक कोई सुधार नहीं होता तो सर्जरी की जरूरत होत ी है।लाइफस्टाइल में सुधार- वजन कंट्रोल करें। बताई गई एक्सरसाइज करें और न्यूट्रिशन से भरपूर डाइट लें।ड्राइवर नी सिर्फ मैनुअल कार चलाने वालों तक सीमित नहीं है। यह समस्या उन लोगों को भी हो सकती है जो लंबे समय तक ऑटोमेटिक कार चलाते हैं, खासकर अगर उनके बैठने की पोजीशन सही नहीं है या उनके घुटनों पर ज्यादा दबाव पड़ रहा है। मैनुअल कार में बार-बार क्लच और ब्रेक दबाने की वजह से घुटनों पर ज्यादा स्ट्रेस पड़ता है, जिससे यह समस्या जल्दी विकसित हो सकती है। अगर सही समय पर इस समस्या का इलाज और बचाव नहीं किया गया, तो यह क्रॉनिक पेन का रूप ले सकती है। लंबे समय तक अनहेल्दी ड्राइविंग पॉश्चर और घुटनों पर पड़ने वाला दबाव कार्टिलेज के घिसने का कारण बन सकता है, जिससे आगे चलकर ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी गंभीर स्थिति भी हो सकती है। इसलिए यदि आपको घुटनों में बार-बार दर्द, सूजन या जकड़न महसूस हो रही है, तो इसे हल्के में न लें और डॉक्टर से परामर्श लें।

डब्लू.डब्लू.ई की करतूत से टूट कर बिखर गईं डैनी पामर, अब कभी रिंग में नहीं उतरने की खाई कसम

नई दिल्ली। एनएक्सटी स्टार डैनी पामर ने डब्लू.डब्लू.ई से निकाले जाने के बाद रेसलिंग से संन्यास लेने का ऐलान किया है। कंपनी ने रेसलमेनिया 41 के बाद कई रेसलर्स को निकाला, जिनमें डैनी पामर भी शामिल थीं। घुटने की चोट के कारण उन्होंने रेसलिंग छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने फरवरी में अपना आखिरी मैच खेला था। अब वे एक नया बिजनेस शुरू करने जा रही हैं। डैनी पामर ने अपना आखिरी मैच 21 फरवरी को इवॉल्व टेपिंग में खेला था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में उन्होंने काली आर्मस्ट्रांग के साथ कुश्ती की थी। पामर ने बताया कि मैच के दौरान उनके घुटने में चोट लग गई थी। उन्होंने लिखा कि यह 'आखिरी बार' था जब वे रिंग में उतरी थीं। पूर्व

डब्लू.डब्लू.ई स्टार ने इंस्टाग्राम पर एक और मैसेज लिखा। उन्होंने कहा कि यह उनके एथलेटिक करियर का अंत है। इसका मतलब है कि अब वे किसी भी खेल में हिस्सा नहीं लेंगी। डैनी पामर, जिनका असली नाम एलेक्सिस अमरिन है, उन्होंने 2022 में डब्लू.डब्लू.ई ज्वाइन किया था। उन्होंने उसी साल रिंग में अपना डेब्यू किया। डैनी पामर ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'यह मेरे करियर का अंत है।' इसका मतलब है कि अब वे कुश्ती में आगे नहीं बढ़ेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपने भविष्य को लेकर उत्साहित हैं। वे एक नया बिजनेस शुरू करने के लिए तैयार हैं।डैनी पामर ज्यादातर लाइव इवेंट्स और एनएक्सटी लेवल अप में कुश्ती करती थीं। उन्होंने एनएक्सटी में भी कुछ मुकाबले खेले। अच्छी खबर यह है कि संन्यास लेने के बाद भी वे खुश हैं। उन्होंने बताया कि वे जल्द ही एक बिजनेस शुरू करने वाली हैं। डैनी पामर के इस फैसले से उनके फैंस थोड़े निराश हैं। लेकिन वे उनके नए बिजनेस के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। डब्लू.डब्लू.ई में उनका करियर भले ही छोटा रहा, लेकिन उन्होंने अपनी प्रतिभा से लोगों का दिल जीता।

ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में राष्ट्रगान बजा, धोनी सबसे ज्यादा शिकार करने वाले विकेटकीपर

नई दिल्ली। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में मैच से पहले राष्ट्रगान बजा। आई में मैच से पहले आमतौर पर नेशनल एंथम नहीं बजाया जाता, लेकिन आर्मी के सम्मान में बुधवार को ऐसा किया गया। 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में जब आतंकी हमला हुआ था, तब खिलाड़ियों ने मैच के दौरान काली पट्टी बांधकर विरोध प्रकट किया था। चेन्नई के स्पिनर नूर अहमद ने पारी के 8वें ओवर में 2 विकेट निकाले। उन्होंने पहली गेंद पर सुनील नरेन को विकेटकीपर एमएस धोनी के हाथों स्टंपिंग कराया। फिर चौथी गेंद पर अंगकृष रघुवंशी को धोनी के ही हाथों कॉट बिहाइंड भी करा दिया। नूर ने मैच में 4 विकेट लिए। सी.के.एस के मिडिल ऑर्डर बैटर डेवाल्ड ब्रेविस ने दूसरी पारी के 11वें ओवर में 30 रन बटोर लिए। उन्होंने वैभव अरोड़ा के खिलाफ ओवर में 3 छक्के और 3 चौके लगाए। आखिरी गेंद पर चौका लगाकर उन्होंने 22 गेंद पर ही अपनी फिफ्टी भी पूरी कर ली। यह ब्रेविस के आई पी एल करियर की पहली ही हाफ सेंचुरी रही।

वरुण चक्रवर्ती पर बीसीसीआई ने 25फीसदी जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर बीसीसीआई ने आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25फीसदी जुर्माना लगाया गया और एक डिमेरिट पॉइंट दिया है। हालांकि, आईपीएल की ओर से जारी किए गए बयान में नहीं बताया गया है कि किस घटना के लिए उन पर करवाई की गई है। बयान में कहा गया है कि वरुण अनुच्छेद 2.5 के तहत लेवल 1 के दोषी हैं। अनुच्छेद 2.5 में किसी खिलाड़ी की ओर से आउट होने पर बल्लेबाज की ओर की गई टिप्पणी, क्रिया या इशारा शामिल है। जिससे आउट होने वाले बल्लेबाज की आक्रामक प्रतिक्रिया भड़कने की संभावना हो। डेवाल्ड ब्रेविस को आउट करने के बाद वरुण ने उन्हें मैदान सो बाहर जाने का इशारा किया था। माना जा रहा है कि वरुण पर इसी लिए जुर्माना लगा है।दरअसल, केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 179 रन बनाए थे। 180 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी सी.एस.के की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 60 रन पर ही उसके 5 विकेट गिर गए थे। लेकिन, ब्रेविस ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने वैभव अरोड़ा के एक ओवर में 30 रन बनाए। ब्रेविस ने 25 गेंदों पर 52 रन बनाए और उनके विकेट ने केकेआर को खेल में वापस ला दिया। उनका विकेट वरुण ने लिया। जब वे वापस जाने लगे तो उन्हें जाने का इशारा किया। वरुण के चार ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए। कोलकाता को इस मैच में 2 विकेट से चेन्नई से हार का सामना करना पड़ा। कोलकाता ने पहले बैटिंग करते हुए 179 रन बनाए। चेन्नई ने 8 विकेट खोकर 20वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। इस नतीजे ने केकेआर को प्लेऑफ से लगभग बाहर कर दिया। कोलकाता को 12 मैचों में छठी हार मिली। टीम 5 जीत और एक बेनतीजा मैच से 11 पॉइंट्स लेकर छठे स्थान पर है। केकेआर को अब प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपने दोनों मैच जीतने के साथ मुंबई और दिल्ली के सभी मैच हारने की दुआ भी करनी होगी। तभी टीम 15 पॉइंट्स के साथ प्लेऑफ में जगह बना पाएगी।

जसप्रीत बुमराह टेस्ट की कप्तानी ही नहीं, उपकप्तानी की रेस से भी बाहर! शुभमन गिल सहित ये 3 हैं अब दावेदार

नई दिल्ली।आईपीएल के रोमांचक दो महीने बाद, भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। यह सीरीज भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) साइकिल की शुरुआत होगी। रोहित शर्मा की टीम पिछली बार ऑस्ट्रेलिया से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 1-3 से हार गई थी। इस हार के साथ, वे डब्ल्यूटीसी फाइनल में हैट्रिक बनाने से चूक गए थे। अब खबर है कि जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उप-कप्तान नहीं बनाया जाएगा। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में रोहित के उप-कप्तान थे। लेकिन, बुमराह की फिटनेस को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद भारतीय टीम अब इंग्लैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए तैयार है। यह सीरीज डब्ल्यूटीसी के नए सत्र की शुरुआत है। पिछली बार भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने से चूक गया था। इस बीच टीम मैनेजमेंट चाहता है कि उप-कप्तान ऐसा खिलाड़ी हो जो इंग्लैंड के खिलाफ

सभी पांच मैच खेले। साथ ही, टीम एक युवा चेहरे को यह जिम्मेदारी देना चाहती है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट 20 जून को लीड्स में खेला जाएगा।इस बीच डब्ल्यूटीसी 2023-25 का फाइनल ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच 11 जून को लॉर्ड्स में होगा। इस सीरीज के लिए खिलाड़ियों का चयन जल्द ही होगा। द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, जसप्रीत बुमराह को उप-कप्तान नहीं बनाया जाएगा। बुमराह पहले उपकप्तान थे, लेकिन वह चोट के कारण कुछ समय से टीम से बाहर थे। उन्होंने आईपीएल में वापसी की है।टीम मैनेजमेंट बुमराह पर ज्यादा दबाव नहीं डालना चाहता। उन्हें सभी पांच टेस्ट मैचों में नहीं खिलाना चाहते। एक बीसीसीआई सूत्र ने बताया- हम चाहते हैं कि उप-कप्तान ऐसा खिलाड़ी हो जो सभी पांच टेस्ट मैच खेले। बुमराह सभी पांच मैच नहीं खेलेंगे, इसलिए हम अलग-अलग मैचों के लिए अलग-अलग उप-कप्तान नहीं बनाना चाहते। यह बेहतर होगा यदि कप्तान और उप-कप्तान दोनों निश्चित हों और सभी पांच टेस्ट खेलें। उपकप्तानी के लिए दावेदार शुभमन गिल इस पद के लिए दावेदार हैं। शुभमन गिल फिलहाल गुजरात टाइटंस के कप्तान हैं, जबकि वनडे में रोहित के उपकप्तान भी रह चुके हैं। उनका बल्ला खूब बोल रहा है। देखा जाए तो वह उपकप्तानी की रेस में सबसे आगे हैं। ऋषभ पंत का टेस्ट रिकॉर्ड शानदार है, हालांकि चोट के बाद वापसी के बाद वह लय नहीं पा सके हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान की फॉर्म आईपीएल में बहुत अच्छी नहीं है। यह उनके खिलाफ जा सकता है।

ओवरथिंकिंग से परेशान हैं, पढ़ें डेरियस फरू की 'सुलझी सोच'

'सुलझी सोच' डच लेखक डेरियस फरू द्वारा लिखी गई एक सेल्फ-हेल्प बुक है। डेरियस फरू एक मशहूर लेखक, ब्लॉगर और आंत्रप्रेन्योर हैं। डेरियस लाइफ और सेल्फ-हेल्प पर लिखते हैं। उनकी यह किताब हमारे दिमाग में चलने वाली उलझन और नकारात्मक सोच से छुटकारा पाने के तरीकों के बारे में बात करती है। हम अक्सर सुनते हैं कि स्पष्ट सोच वाले लोग कम संसाधनों और कम समय के बावजूद जीवन में ज्यादा सफल होते हैं। इसकी वजह यह है कि वे मुश्किल समय में भी धैर्य बनाए रखते हैं। यह किताब इसी बारे में बात करती है कि कैसे हम अपने विचारों को स्पष्ट रख सकते हैं। डेरियस फरू ने अपनी निजी जिंदगी के अनुभवों और प्रैक्टिकल सुझावों के जरिए हमें गाइड किया है। जब डेरियस फरू ने अपनी सोच को सुलझाया -डेरियस फरू बताते हैं कि एक समय था जब उनका दिमाग हमेशा कुछ-न-कुछ सोचता रहता था और तनावग्रस्त रहता था। वे कहते हैं, 'मैं छोटी-छोटी चीजों को लेकर ओवरथिंकिंग की आदत

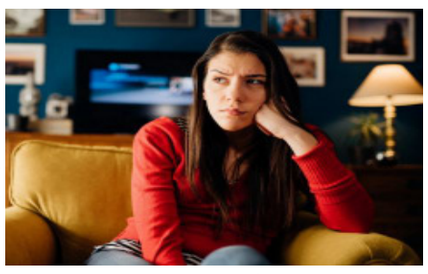

से परेशान रहता था और इससे मेरा काम प्रभावित होता था।'डेरियस बताते हैं कि हमारा दिमाग क्यों उलझता है। इसके दो मुख्य कारण हैं। पहला हमारी अनावश्यक चिंताएं और दूसरा फोकस की कमी। अगर हम इनसे छुटकारा पाने के लिए सही तरीके अपनाएं, तो जिंदगी सुलझी हुई रहेगी।पुस्तक में कई सारी जरूरी बातों पर चर्चा की गई है, जो हमारे जीवन में बहुत मायने रखती हैं। इसके बावजूद, हम इन्हें अपने जीवन में उतार नहीं पाते हैं। डेरियस फरू कहते हैं कि हमारा दिमाग अक्सर पुरानी गलतियों को याद करने या आने वाले कल की चिंता करने जैसी बेवजह की बातों में फंसा रहता है। डेरियस सलाह देते हैं कि हमें हर दिन थोड़ा टाइम निकाल कर एकांत में शांत बैठना चाहिए और मेडिटेशन करना चाहिए। कोई विचार परेशान कर रहा है तो उसे लिखना चाहिए। इससे हम समझ सकते हैं कि हमारे लिए कौन-सी बातें जरूरी हैं और कौन सी नहीं। जैसे, अगर आप बार-बार अपने फेलियर होने के बारे में सोचते हैं, तो उसे लिखें। अपनी गलतियां खोजें और उनसे सीखते हुए आगे बढ़ें।डेरियस कहते हैं कि हम जैसा सोचते हैं, वैसे ही हो जाते हैं। ये सब चीजें हमारी जिंदगी में भी दिखने लगती हैं। अगर हम नकारात्मक सोचते हैं, तो हमारा दिन बुरा हो सकता है। डेरियस अपनी किताब में सुझाव देते हैं कि हमें हर सुबह कुछ पॉजिटिव बातें सोचनी चाहिए, जैसे 'आज मेरा दिन अच्छा होगा' या 'मैं अपना लक्ष्य हासिल कर सकता हूं।' यह छोटी-छोटी आदतें धीरे-धीरे हमारी सोच को बदलने में मदद करती हैं। कई लोग ओवरथिंकिंग की समस्या से जूझते हैं। डेरियस सुझाव देते हैं कि जब आप न चाहते हुए भी किसी 'बेवजह की बात' के बारे में सोचकर परेशान हो रहे हों, तो 5 मिनट के लिए गहरी सांस लें और अपने आसपास की चीजों पर ध्यान दें। जैसे हवा का बहना या पक्षियों की आवाज। इससे आपको सुकून मिलता है और आप शांति से अपने बारे में सोच सकते हैं। इसके अलावा हर दिन कम से कम 20 मिनट पढ़ने या लिखने के लिए समय निकालें। नए विचारों को पढ़ने और अपनी मन की बात लिखने से तनाव कम होता है। डेरियस कहते हैं कि जब हमारे पास कोई लक्ष्य नहीं होता है तो हम जिंदगी भर भटकते रहते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के प्रदर्शन में लगातार आ रही गिरावट, सोशल मीडिया पर अजब-गजब मीम बन रहे

हैदराबाद।दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ने के साथ सनराइजर्स हैदराबाद की टीम प्ले ऑफ में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गई। दोनों टीम को इस मैच से एक-एक अंक मिला जिससे दिल्ली के 11 मैच में 13 अंक हो गए हैं और टीम पांचवें स्थान पर बनी हुई है। सनराइजर्स की टीम 11 मैच में सात अंक के साथ आठवें स्थान पर है लेकिन अब अधिकतम 13 अंक जुटा सकती है जबकि पहले ही चार टीम 14 या इससे अधिक अंक हासिल कर चुकी हैं। सनराइजर्स की टीम प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली तीसरी टीम है। राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपरकिंग्स भी पहले ही प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं।सनराइजर्स ने कप्तान पैट कमिंस (19 रन पर तीन विकेट) की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट पर 133 रन के स्कोर पर रोक दिया। पारी के ब्रेक के दौरान हालांकि तेज बारिश शुरू हो गई और मैच दोबारा शुरू नहीं हो पाया। दिल्ली की हार तय दिख रही थी लेकिन बारिश ने उसे बचा लिया और एक पॉइंट मिल गए। इसके साथ ही दिल्ली का नेट रन रेट भी खराब नहीं हुआ। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 की दमदार शुरुआत की थी। पहले चार मैचों में उसने चार जीत हासिल की। टीम लगातार पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर थी। लेकिन फिर टीम पटरी से उतर गई। उसके बाद 7 मैच में दिल्ली को सिर्फ दो जीत मिली है। इसमें एक जीत जैसे-तैसे राजस्थान के खिलाफ सुपर ओवर में मिली। इसलिए दिल्ली कैपिटल्स पर खूब मीम्स बन रहे हैं।दिल्ली कैपिटल्स के अगले तीन मुकाबले काफी मुश्किल हैं। टीम को पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस से खेलना है। ये तीनों टीमों शानदार फॉर्म में हैं और टेबल में दिल्ली से ऊपर हैं। यही वजह है कि दिल्ली को जल्द से जल्द पुरानी तय हासिल करनी होगी नहीं तो प्लेऑफ में जाने का सपना टूट सकता है।

आप भी हैं घमौरियों से परेशान, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे,छोटे बच्चों से लेकर बड़े-बुजुर्ग तक इसके शिकार

नई दिल्ली। आपने अक्सर देखा होगा कि गर्मियों के मौसम में तेज धूप और उमस की वजह से लोगों की शरीर में घमौरियां हो जाती हैं। ये एक आम स्किन प्रॉब्लम है, जिससे बहुत से लोग परेशान रहते हैं। कई बार तो घमौरियां की वजह से रातों की नींद तक हराम हो जाती है क्योंकि इससे स्किन में तेज खुजली भी होती है। ये समस्या छोटे बच्चों से लेकर बड़े-बुजुर्ग तक किसी को भी हो सकती है।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, घमौरियांएक कॉमन स्किन कंडीशन है, जो तेज गर्मी या नमी के कारण होती है। हालांकि कुछ बुनियादी देखभाल व हाइजीन से इससे काफी हद तक राहत पाया जा सकता है। डॉ. संदीप अरोड़ा, डर्मेटोलॉजिस्ट, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली से हुई बात पे उन्होंने बताया। ये स्किन से जुड़ी एक आम समस्या है, जो ज्यादातर गर्मी के मौसम में होती है। इसमें स्किन पर छोटे-छोटे लाल दाने निकल आते हैं और उसमें जलन या खुजली भी महसूस हो सकती है। ये दाने आमतौर पर गर्दन, पीठ और कमर के नीचे दिखाई देते हैं। इसका मुख्य कारण पसीने की ग्रंथियों में ब्लॉकेज माना जाता है। दरअसल पसीने की नमी के कारण स्किन में स्टेफाइलोकोकस नामक बैक्टीरिया पनपते हैं, जो रोम छिद्रों को ब्लॉक कर देते हैं। इसके कारण पसीना बाहर नहीं निकल पाता और स्किन पर दाने उभर आते हैं। मेडिकल की भाषा में इसे 'मिलियारिया' कहा जाता है। इसे स्वेट रैश, हीट रैश या प्रिक्ली हीट भी कहते हैं। घमौरियों के कई कारण हो सकते हैं। जैसेकि बहुत अधिक पसीना निकलने से, टाइट या सिंथेटिक कपड़े पहनने से,ज्यादा मेहनत करने से,तेज धूप में काम करने से,ज्यादा हार्ड कॉस्मेटिक के इस्तेमाल से, दवाएं खाने से। नवजात शिशुओं को जन्म के पहले कुछ हफ्तों में घमौरियां हो सकती हैं। दरअसल छोटे बच्चों को एडल्ट्स की तुलना में अपने शरीर के तापमान को कंट्रोल करने में ज्यादा मुश्किल होती है। इसका एक कारण यह हो सकता है कि उनकी पसीने की नलियां पूरी तरह से विकसित नहीं होती हैं, जिससे उनके ब्लॉक होने की संभावना ज्यादा होती है। इसके अलावा और भी कुछ लोगों को घमौरियों का खतरा ज्यादा होता है।घमौरियों के लक्षण काफी हल्के होते हैं। आमतौर इसमें स्किन पर छोटे-छोटे लाल रंग के दाने या फुंसियां उभर आती हैं। ये अक्सर गुच्छों में दिखाई देती हैं। इन दानों में खुजली, जलन या चुभन महसूस हो सकती है, जो काफी परेशान करने वाली होती है। कुछ मामलों में दानों में पानी जैसा तरल पदार्थ भी हो सकता है। आमतौर पर घमौरियां शरीर के उन हिस्सों पर ज्यादा होती हैं, जहां पसीना अधिक आता है और हवा आसानी से नहीं पहुंच पाती है। जैसे कि गर्दन पर, पीठ के ऊपरी हिस्से पर, सीने के ऊपरी हिस्से पर, कमर के नीचे, कोहनी पर,घुटनों के पीछे,जांघों के अंदरूनी हिस्से में इसके लिए गर्मी और उमस भरे मौसम में हल्के और ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनना चाहिए। इससे हवा पास होती है और पसीना आसानी से सूख जाता है। शरीर को ठंडा रखना भी जरूरी है, इसलिए घर में पंखा, कूलर या एयर कंडीशनर का इस्तेमाल करें। इसके अलावा नियमित रूप से नहाएं और स्किन को साफ रखें, ताकि पसीने की ग्रंथियां ब्लॉक न हों। तेज धूप में निकलने व हैवी फिजिकल एक्टिविटी से बचें। अगर धूप में निकलना जरूरी हो तो सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। साथ ही कुछ और बातों का ध्यान रखें। घमौरी से राहत पाने के लिए इसके लिए नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर उससे नहाने से आराम मिल सकता है क्योंकि नीम में एंटी बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। इसके अलावा ठंडे पानी की सिकाई से भी घमौरियों से राहत मिल सकती है। हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये घरेलू नुस्खे केवल शुरुआती राहत दे सकते हैं। अगर घमौरियां ठीक नहीं होती हैं या उनमें पस पड़ जाता है तो डॉक्टर से सलाह लेना सबसे बेहतर है।

हद से ज्यादा कोलेस्ट्रॉल बढ़ाता है गलत तेल, अंदर से शुक्राणु हो जाएंगे खत्म, आपके लिए कौन सा तेल है बेस्ट?

नई दिल्ली। खाना बनाने के लिए सबसे पहले तेल इस्तेमाल

किया जाता है। यह स्वाद, एनर्जी, हेल्दी फैट, विटामिन, मिनरल देता है। लेकिन इसके साथ बहुत सारा अनहेल्दी फैट भी मिलता है। अगर आपका शरीर इसे ढंग से पचा नहीं पा रहा है तो यह आपके लिए जानलेवा बन सकता है और दिल-दिमाग की बीमारी पैदा कर सकता है।लेकिन आपके लिए कौन सा तेल खाना सही रहेगा? इस सवाल का जवाब आयुर्वेद में अच्छी तरह दिया गया है, जिसे डॉक्टर चैताली राठौड़ ने शेयर किया है। वो कहती हैं कि तेल खाना जरूरी है, लेकिन इसे अपनी प्रकृति, विकृति और देश के हिसाब से सेवन करना चाहिए। किसी भी ट्रेंड या विज्ञापन के चक्कर में सेहत ना बिगाड़ लें। हर तेल हर किसी के लिए अच्छा नहीं रहता है। जैसे कि पुरुषों को इनफर्टिलिटी में इसका सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि यह शुक्राणुओं को घटाने वाला माना जाता है। वहीं, कुछ शोध इसे एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने वाला मानते हैं, जो कि हार्ट अटैक का प्रमुख कारण है। डॉक्टर ने हर तेल के फायदे और गुण बताए हैं, आप अपनी जरूरत और दोष के मुताबिक इनका चुनाव कर सकते हैं।डॉक्टर ने एक आयुर्वेदिक लेख को साझा किया है, जिसमें तेल को घी के बाद दूसरा सबसे फायदेमंद तेलीय पदार्थ बताया है। हालांकि बार-बार गर्म किया तेल इस्तेमाल करने से मना किया गया है। साथ ही अपनी प्रकृति, देश और फिजिकल एक्टिविटी के मुताबिक ही सेवन करने की सलाह दी गई है। ऐसे तो तिल के तेल में कुकिंग के फायदे बहुत है, डॉक्टरों के मुताबिक यह मसल्स को पोषण देता है, वात शांत करने वाला सबसे शक्तिशाली प्रभाव, स्वाद में मीठा और तासीर में गर्म,उम्र के लक्षणों को कम करने वाला, ठंडी जगह में रहने वालों के लिए बेस्ट?, इसके अलावा जो बहुतायत में इस्तेमाल होता हैं वह हैं सरसो का तेल डॉक्टर ने इसके अंदर सैचुरेटेड फैट कम बताए हैं, पचने में हल्का और तासीर में गर्म, कफ और वात दोष को शांत करने वाला, कीड़े मारने वाला, कान के विकारों के लिए फायदेमंद इसी प्रकार नारियल तेल के गुण यह पचने में भारी और ठंडा होता है वात और पित्त दोष में राहत देता है, कफ दोष बढ़ाने वाला,स्किन की बीमारी दूर करने वाला और बालों के लिए फायदेमंद, मूंगफली के तेल का असर मूंगफली के तेल की तासीर गर्म होती है यह भारी होता है और देर से पचता है,पित्त दोष और जलन को बढ़ाता है?।

सब देखते रहे आई.पी.एल, उधर टूटा 23 साल पुराना फेडरेशन कप रिकॉड..'शैली सिंह ने गुरु अंजू बॉबी जॉर्ज को पछाड़ दिया

नई दिल्लीः एक ओर दुनिया आईपीएल के रोमांच में डूबी रही तो दूसरी ओरफेडरेशन कप में 6.64 मीटर की जोरदार छलांग लगाकर अंजू बॉबी जॉर्ज का 23 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के बाद लॉन्ग जंपर शैली सिंह ने कहा कि यह उनके सफर की बस शुरुआत है। 21 वर्षीय शैली ने एर्नाकुलम के महाराजा कॉलेज ग्राउंड में आयोजित नेशनल फेडरेशन कप एथलेटिक्स में अपनी कोच और दिग्गज अंजू बॉबी जॉर्ज का रिकॉर्ड तोड़ दिया। शैली ने 6.64 मीटर की छलांग लगाई और अंजू के 2002 के 6.59 मीटर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।शैली ने कहा, 'अंजू मैम के लंबे समय से चले आ रहे फेडरेशन कप रिकॉर्ड को तोड़ना मेरे लिए गर्व की बात है। उनकी उपलब्धियां हमेशा से मेरी प्रेरणा रही हैं और उनके नक्शे कदम पर चलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह रिकॉर्ड 23 साल तक कायम रहा क्योंकि वह कितनी असाधारण थीं और अब मैं इस विरासत का हिस्सा बनकर गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। यह मेरी यात्रा की शुरुआत है

और मुझे उम्मीद है कि मैं आने वाले समय में कई और मील के पत्थर हासिल करके अपने देश को गौरवान्वित करती रहूंगी।शैली की सफलता पर विचार करते हुए, अनुभवी अंजू बॉबी जॉर्ज ने युवा खिलाड़ी की सराहना की और कहा कि उनका ऐतिहासिक प्रदर्शन खेलों में भारतीय महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा- रिकॉर्ड टूटने के लिए होते हैं, और मैं शैली को यह उपलब्धि हासिल करते देखकर रोमांचित हूं। जब हमने कई साल पहले उसकी प्रतिभा को पहली बार देखा था, तो मुझे लगा कि उसमें वह सब कुछ है जो मेरे सबसे अच्छे अंकों को भी पार कर सकता है। उसे बढ़ते देखना भारतीय एथलेटिक्स के अगले अध्याय को शुरू होते देखने जैसा है।उन्होंने आगे कहा- यह रिकॉर्ड तोड़ने वाला प्रदर्शन खेलों में भारतीय महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है। मैं इस मशाल को किसी ऐसे व्यक्ति को सौंपकर बहुत गर्व महसूस कर रही हूं जो इतना समर्पित और प्रतिभाशाली है।

पाकिस्तान में पीएसएल खेल रहे विदेशी लौटना चाहते हैं स्वदेश

नई दिल्ली। पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी घटना के बाद भारत के जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान में दहशत का माहौल है। भारतीय सेना की तरफ से बीते 6-7 मई की रात को पाकिस्तान में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की गई है। इस घटना में तीन दर्जन से भी अधिक आतंकी मारे गए। भारत की तरफ से इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान के रावलपिंडी, सियालकोट और लाहौर के अलग-अलग हिस्सों धमाके हुए हैं।इस घटना के बाद पाकिस्तान सुपर लीग में खेल रहे विदेशी प्लेयर खौफ में है। पीएसएल का यह 10वां सीजन खेला जा रहा है। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 18 मई को होना है, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि पीएसएल का यह सीजन पूरा नहीं हो पाएगा। इंग्लैंड के सैम बिलिंग्स और क्रिस जॉर्डन जैसे खिलाड़ियों ने अपने फ्रेंचाइजी से स्वदेश वापस लौटने की बात कह चुके हैं। ऐसे में बचे हुए अन्य विदेशी खिलाड़ी भी जल्द पाकिस्तान लौटने का फैसला ले सकते हैं।पाकिस्तान सुपर लीग में कुल 6 टीमें हिस्सा लेती है।

चिनाब का पानी रोकने से पाकिस्तान में जलसंकट,भारत ने दो बांध बंद किए, पाक के 24 शहरों में 3 करोड़ लोगों पर असर

जम्मू। भारत ने जम्मू-कश्मीर में चिनाब पर बने सियाल और बगलिहार बांध के गेट बंद कर दिए हैं। इसके चलते पाकिस्तान जाने वाला चिनाब का पानी रुक गया है और वाटर लेवल घटकर 15 फीट रह गया है।

पाकिस्तान में चिनाब का पानी 22 फीट था जो 24 घंटे में 7 फीट घट गया। चिनाब के लगातार सिकुड़ने से 4 दिन बाद पंजाब के 24 अहम शहरों में 3 करोड़ से ज्यादा लोगों को पीने के पानी के लिए तरसना पड़ सकता है। पाकिस्तान के फैसलाबाद और हाफिजाबाद जैसे घनी आबादी वाले शहरों की 80फीसदी आबादी पेयजल के लिए चिनाब के सतही पानी पर निर्भर है। सिंधु जल प्राधिकरण ने आशंका जताई कि भारत के इस कदम से खरीफ की फसलों के लिए पानी में 21प्रतिशत की कमी आएगी। पाकिस्तानी संसद ने इसे युद्ध छेड़ने की कार्रवाई बताया है।पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो ने सिंधु जल समझौता रोकने पर भारत को धमकी दी है। बिलावल ने 25 अप्रैल को एक रैली में कहा कि सिंधु नदी में या तो हमारा पानी बहेगा, या फिर उनका खून बहेगा। सिंधु दरिया हमारा है और हमारा ही रहेगा। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 4 मई को धमकी देते हुए कहा है कि अगर भारत ने सिंधु नदी पर डैम बनाया तो, पाकिस्तान उस पर हमला करेगा।शहबाज शरीफ ने 1 मई को कहा कि भारत ने युद्ध भड़काने वाले फैसले किए और पाकिस्तान के खिलाफ आक्रमक रुख अपनाया।भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौता रोक दिया है। 19 सितंबर 1960 को भारत और पाकिस्तान के बीच 6 नदियों का पानी बांटने को लेकर सिंधु जल समझौता हुआ था। समझौते के तहत भारत को तीन पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास और सतलुज) का अधिकार मिला, जबकि पाकिस्तान को तीन पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम और चिनाब) का इस्तेमाल करने की परमिशन दी गई।

भारत के एयर स्ट्राइक से पहले पीएम का बड़ा बयान बोले- अब भारत के हक का पानी भारत में ही रहेगा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत मंडपम में एक न्यूज की समिट में कहा, 'दशकों तक हमारी नदियों का पानी झगड़े का मुद्दा रहा।

हमारी सरकार ने नदियों को जोड़ने का बड़ा फैसला किया है। आजकल मीडिया में पानी को लेकर बहुत बातें चल रही हैं।'उन्होंने कहा, 'पहले भारत के हक का पानी भी बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी भारत के हक में बहेगा, हक में रुकेगा और भारत के ही काम आएगा।' पीएम ने यह बात सिंधु जल समझौते के संदर्भ में कही। दरअसल, पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है। भारत ने सिंधु जल समझौते को खत्म करने के अलावा कई सख्त फैसले लिए हैं।' उनके भाषण में 6 मुख्या बिंदु रहे उन्होंने बताया हमारे पूर्व पीएम ने माना था अगर सरकार 1 रुपया गरीब को भेजती है, तो 85 पैसा लुट जाता है। सरकारें बदलती रहीं, लेकिन गरीब की दिशा में ठोस काम नहीं हुआ। हमारी सरकार ने तय किया कि 1 रुपया पूरा गरीबों को मिले। इसके लिए डायरेक्टर अकाउंट में भेजा। 10 करोड़ फर्जी लाभार्थी ऐसे थे जिनका कभी जन्म तक नहीं हुआ था। पहले वाले यही सिस्टम बना कर गए थे। हमारी सरकार ने इन 10 करोड़ फर्जी नामों को हटाया। डीबीटी के जरिए पूरा पैसा गरीबों के बैंक खातों में भेजा। इससे साढ़े 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा पैसा गलत हाथों में जाने से बचा है। मतलब आपका पैसा बचाया है। पैसा आपका बचा, गाली मोदी ने खाई. वन रैंक वन पेंशन का मामला दशकों से लटका हुआ था। तर्क था कि इससे सरकारी खजाने पर बोझ पड़ेगा। हमारी सरकार ने जीवन खपाने वालों के हित को सर्वोपरि रखा। अब तक हमारी सरकार सवा लाख करोड़ रुपए से ज्यादा वन रैंक वन पेंशन में दे चुकी है। ट्रिपल तलाक के मामले पर बात नहीं की जाती थी। मुस्लिम परिवारों, महिलाओं के हित में ट्रिपल तलाक का कानून बनाया। वक्फ कानून में बदलाव की मांग दशकों से की जा रही थी। इसमें जरूरी बदलाव किए गए। इससे गरीब मुस्लिमों, परमांदा मुस्लिमों को फायदा मिलेगा।इंडिया-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआः इंडिया-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट फाइनल हो चुका है। विश्व की दो बड़ी ओपन मार्केट इकोनॉमी के बीच दोनों देशों के विकास में नया अध्याय जुड़ेगा। इससे भारत में इकोनॉमिक एक्टिविटी को बूस्ट मिलेगा। कुछ समय पहले हमने यूएई, मॉरीशस के साथ ट्रेड साइन किए। भारत आज रिफॉर्म नहीं कर रहा, बल्कि दुनिया के साथ एक्टिवली एंगेज करके हब बना रहा है।हमारी एक ही पॉलिसी, नेशन फर्स्टः देश का हित सर्वोपरि रखा जाए, ये जरूरी है। देश के सामर्थ्य पर भरोसा किया जाए, लेकिन दशकों से देश में विपरीत धारा बही, इसका देश ने बहुत नुकसान उठाया। पहले कोई भी बड़ा कदम उठाने के पहले ये सोचा जाता था कि दुनिया क्या सोचेगी। वोट मिलेगा या नहीं मिलेगा, कुर्सी मिलेगी या नहीं, वोट बैंक छिटकेगा तो नहीं। अलग-अलग स्वार्थ के कारण बड़े फैसले टलते ही जा रहे थे। कोई भी देश ऐसे आगे नहीं बढ़ता है। देश तब आगे बढ़ता है जब एक पॉलिसी हो, नेशन फर्स्ट, राष्ट्र प्रथम। बीते एक दशक में इसी नीति को लेकर भारत आगे बढ़ रहा है। जो हमने देखा है।

भारतीय हमले में पाकिस्तान के 9 आतंकी ट्रेनिंग सेंटर,लॉन्चपैड तबाह, जैश का सबसे बड़ा हेडक्वार्टर, लादेन की फंडिंग वाला मरकज ध्वस्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय वायुसेना ने

पाकिस्तान में एयरस्ट्राइक की है, जिसे सेना ने ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया है। यह कार्रवाई खुफिया एजेंसी रॉ के इनपुट पर की गई है। सेना ने 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया है। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक इनमें जैश-ए-मोहम्मद के 4, लश्कर-ए-तैयबा के 3 और हिजबुल मुजाहिदीन के 2 आतंकी ठिकाने शामिल हैं।भारतीय सेना ने बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के हेडक्वार्टर रहे मरकज सुब्हान को निशाना बनाया है। बहावलपुर शहर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है। इसके साथ ही भारत ने मुरीदके शहर के उमालकुरा मस्जिद को भी निशाना बनाया है। मुरीदके को लश्कर-ए-तैयबा का अहम केंद्र माना जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मुरीदके में ही लश्कर का मरकज-ए-तैयबा परिसर है, जहां आतंकियों को ट्रेनिंग दी जाती है। इसके अलावा भारत ने मुजफ्फराबाद में बिलाल मस्जिद और कोटली में अब्बत मस्जिद को निशाना बनाया है। मरकज सुब्हान अल्लाह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बहावलपुर शहर के बाहरी इलाके में मौजूद है। यहां युवाओं को प्रशिक्षित और ब्रेनवॉश किया जाता है। यह लगभग 15 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। 14 फरवरी 2019 के पुलवामा आतंकी हमले की प्लानिंग यही हुई थी। पुलवामा हमले के आतंकियों को इसी कैंप में प्रशिक्षण दिया गया था। इस मरकज में जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर, मुफ्ती अब्दुल रऊफ असगर, मौलाना अम्मार और 600 से अधिक सदस्यों का घर है। पाकिस्तान में लश्कर का सबसे अहम ट्रेनिंग सेंटर स्थापना- 2000, एरिया- 82 एकड़ ओसामा बिन लादेन ने 1 करोड़ रुपए की फंडिंग की थी। अजमल कसाब समेत 26/11 मुंबई हमले के सभी अपराधियों को यहां ट्रेनिंग मिली थी। यहां पाकिस्तान ही नहीं दूसरे देशों से आए आतंकियों को भी ट्रेनिंग मिलती है। लश्कर का मास्टरमाइंडर माने जाने वाले आमिर हमजा, अब्दुल रहमान आबिद और जफर इकबाल यहीं रहते हैं।इसी जगह से भारत-पाक सीमा के नीचे सुरंगों की खुदाई करवाई जाती हैं, जिनका इस्तेमाल आतंकियों की घुसपैठ के लिए होता है। यह सेंटर भारतीय सीमा (सांबा सेक्टर, जम्मू) से सिर्फ 6 किमी दूर है। यहां से ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद और ड्रग्स भारत में गिराए जाते हैं। यह सेंटर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की आड़ में चलाया जाता है, जहां 20 से 25 आतंकी हमेशा तैनात होते हैं।

एयर स्ट्राइक के खिलाफ पाकिस्तान के सपोर्ट में चीन, तुर्किये-इजराइल ने दिया भारत का साथ

नई दिल्ली। भारत ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। ये हमले 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत बहावलपुर, मुरीदके, बाघ, कोटली और मुजफ्फराबाद में किए गए। पाकिस्तान ने इस हमले में 26 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। अमेरिका, इजराइल, तुर्किये और यूएई ने इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है। जहां तुर्किये पाकिस्तान के सपोर्ट में उतरा है, वहीं इजराइल ने भारत के लिए समर्थन जताया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ता तनाव ब्रिटेन में कई लोगों के लिए गंभीर चिंता का विषय होगा। हम दोनों देशों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ बातचीत कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि बातचीत आगे बढ़े, तनाव में कमी आए और नागरिकों की सुरक्षा बनी रहे। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान और भारत के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की है। मंत्रालय ने कहा कि इस तनाव का और बढ़ना क्षेत्र के हित में नहीं है। मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि सुरक्षा और स्थिरता, क्षेत्र के सभी देशों के सामूहिक हित में है। साथ ही मंत्रालय दोनों पक्षों से संयम बरतने और आपसी मुद्दों को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से सुलझाने की अपील करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 7 मई को पाकिस्तान पर भारत की एयर स्ट्राइक पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि भारत की सैन्य कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण है।

पोप चुने जाने की प्रक्रिया है जारी वेटिकन पहुंचे कार्डिनल्स

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नई दिल्ली। दिवंगत पोप फ्रांसिस के उत्तराधिकारी को चुनने की प्रक्रिया आज वेटिकन सिटी के सिस्टीन चैपल में शुरू होगी। कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च धर्मगुरु को चुनने के लिए सीक्रेट वोटिंग होती है जिसे कॉन्क्लेव कहा जाता है। कॉन्क्लेव में शामिल होने के लिए दुनियाभर से 133 कार्डिनल पहुंचे हैं। इसमें 4 भारतीय भी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आज वोटिंग शुरू होने से लगभग 90 मिनट पहले सभी सिग्नल बंद कर दिए जाएंगे। कार्डिनल्स ने कल ही अपने फोन और इलेक्ट्रॉनिक सामान जमा कर दिए हैं, नए पोप के चुने जाने तक इन्हें वापस नहीं किया जाएगा। लीक को रोकने के लिए कॉन्क्लेव क्षेत्र को सख्त लॉकडाउन में रखा जाएगा। 2013 में भी यही तरीका अपनाया गया था जब पोप फ्रांसिस के चुनाव के लिए सिग्नल ब्लॉकर्स लगाए गए थे। वेटिकन में रोजाना का काम करने वाले कर्मचारियों ने भी मौन रहने की शपथ ली है।कॉन्क्लेव एक गुप्त और पवित्र प्रक्रिया है, जो 13वीं शताब्दी से चली आ रही है। वेटिकन के संविधान के मुताबिक पोप के निधन के 15 से 20 दिनों के भीतर कॉन्क्लेव की शुरुआत होनी चाहिए। कॉन्क्लेव की शुरुआत से 2 दिन पहले वेटिकन के कर्मचारियों जैसे कि पुजारी, सुरक्षा गार्ड, डॉक्टर, टेक्नीशियन आदी ने प्राइवेसी की शपथ ली है, ताकि नए पोप के चुनाव की गोपनीयता बनी रहे। वोटिंग से पहले सिस्टीन चैपल को बाहरी दुनिया से पूरी तरह अलग कर दिया जाता है। इस पूरे इलाके की जांच की जाती है। कार्डिनल्स के पास मोबाइल फोन, इंटरनेट और न्यूजपेपर की सुविधा नहीं होती। पोप की मौत के बाद अगले पोप के दावेदारों के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं होती है। नए पोप के चयन की प्रक्रिया को 'पैपल कॉन्क्लेव' कहा जाता है। जब पोप की मौत हो जाती है या फिर वे इस्तीफा दे देते हैं, तब कैथोलिक चर्च के कार्डिनल्स चुनाव करते हैं। कार्डिनल्स बड़े पादरियों का एक ग्रुप है। इनका काम पोप को सलाह देना है। हर बार इन्हीं कार्डिनल्स में से पोप चुना जाता है। हालांकि पोप बनने के लिए कार्डिनल होना जरूरी नहीं है, लेकिन अब तक हर पोप चुने जाने से पहले कार्डिनल रह चुके हैं। जितने भी कार्डिनल्स नए पोप का चुनाव करेंगे, उसमें से ज्यादातर को पोप फ्रांसिस ने चुना था। इसलिए माना जा रहा है कि नए पोप भी फ्रांसिस की तरह उदार और बदलाव को स्वीकार करने वाले होंगे।कॉन्क्लेव का पहला दिन विशेष प्रार्थना सभा से शुरू होता है। प्रार्थना के दौरान सभी कार्डिनल्स एक कमरे में एकजुट होते हैं। इसमें हर एक कार्डिनल गॉस्पेल यानी पवित्र किताब पर हाथ रखकर यह कसम खाता है कि वह इस चुनाव से जुड़ी किसी भी जानकारी का कभी भी किसी और के सामने खुलासा नहीं करेगा। इसके बाद कमरे को बंद कर दिया जाता है फिर सीक्रेट तरीके से वोटिंग की प्रक्रिया शुरू होती है। वोटिंग शुरू होने के दौरान हर एक कार्डिनल को एक बैलेट दिया जाता है। वह उस पर उस शख्स का नाम लिखता है, जिसे वह पोप बनाना चाहता है। इसके बाद इन्हें एक प्लेट में रखा जाता है। इसके बाद तीन अधिकारी इन्हें गिनते हैं। यदि किसी व्यक्ति को दो-तिहाई बहुमत मिलते हैं, तो वह नया पोप घोषित होता है। इस बार पोप बनने के लिए 89 वोट हासिल करना होगा।89 वोट नहीं मिले तो सभी बैलेट को जला दिया जाएगा। इस दौरान बैलेट में एक खास रसायन मिलाया जाएगा, जिससे काला धुआं निकलेगा। काले धुएं का मतलब- अभी तक नए पोप को लेकर कोई फैसला नहीं किया गया है। सफेद धुआं तब निकलता है जब नया पोप चुन लिया जाता है। कॉन्क्लेव के दौरान हर दिन चार बार मतदान होता है। दो सुबह में और दो दोपहर में। यदि किसी उम्मीदवार को दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलता, तो वोटिंग की प्रक्रिया दोहराई जाती है। अगर किसी उम्मीदवार को 89 वोट्स मिल जाएंगे, उनसे पूछा जाएगा कि क्या आप पोप के रूप में चुने जाने को स्वीकार करते हैं? उसकी मंजूरी मिलने के बाद वेटिकन की सेंट पीटर बेसिलिका की बालकनी से नए पोप मिलने की घोषणा की जाती है। इसके बाद नए पोप औपचारिक रूप से पद ग्रहण करते हैं।

भारत पर पाक के आरोप यू.एन.एस.सी में खारिज पूछा-क्या पहलगाम हमले में लश्कर शामिल था

नई दिल्ली। पहलगाम अटैक और भारत-पाकिस्तान तनाव पर सोमवार रात यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल की मीटिंग में पाकिस्तान से सवाल हुए। एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान से पूछा गया कि क्या पहलगाम अटैक में लश्कर-ए-तैयबा शामिल था। बैठक में यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल मेंबर्स ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और इसकी जवाबदेही की जरूरत पर भी जोर दिया। इस दौरान यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल मेंबर्स ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों को उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाया गया। मेंबर्स ने पाकिस्तान की ओर से 3 दिन में 2 मिसाइल परीक्षण किए जाने पर भी चिंता जाहिर की। यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल के अस्थाई सदस्य पाकिस्तान ने भारत-पाकिस्तान तनाव पर मीटिंग की अपील की थी। साथ ही यह भी कहा था कि यह मीटिंग बंद कमरे में हो। मीटिंग पर यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल ने अभी कोई स्टेटमेंट जारी नहीं किया है। सूत्रों के मुताबिक मेंबर्स ने पाकिस्तान के भारत पर लगाए आरोपों को स्वीकार नहीं किया। हालांकि, बैठक से पहले यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों देशों से अपील की कि कोई गलती न करें, मिलिट्री ऑपरेशन समाधान नहीं है। बैठक से जुड़ी 4 अहम बातें ये रही के पाकिस्तान के उस झूठे दावे को खारिज कर दिया गया, जिसमें उसने कहा था कि भारत ने पहलगाम में खुद आतंकी हमला कराया। 2. मामले को ग्लोबल बनाने से इनकार। पाक को भारत के साथ द्विपक्षीय रूप से मुद्दों को सुलझाने की सलाह दी गई। 3. पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की गई और इसकी जवाबदेही ठहराने की मांग की गई। 4. पाकिस्तान ने भारत के सिंधु जल समझौता स्थगित करने की आलोचना की। कहा कि पानी को हथियार के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। यह बैठक सिक्योरिटी काउंसिल के मुख्य कक्ष में नहीं बल्कि 'कंसल्टेशन रूम' में हुई थी। इस कमरे में गोपनीय बातचीत होती है। बैठक में 15 देशों के प्रतिनिधि शामिल थे। बातचीत लगभग डेढ़ घंटे तक चली। बैठक के बाद सिक्योरिटी काउंसिल ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।बैठक के बाद युएन में पाकिस्तानी राजदूत इफ्तिखार अहमद ने कहा कि पाकिस्तान ने इस मीटिंग का अनुरोध किया था, ताकि दक्षिण एशिया में पैदा हो रहे तनाव को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि उनका जो मकसद था वो पूरा हुआ। इफ्तिखार ने कहा कि सुरक्षा परिषद के कई सदस्य इस बात पर सहमत थे कि तमाम मुद्दों को शांति से हल किया जाना चाहिए। इसमें कश्मीर का मुद्दा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इलाके में शांति सिर्फ बातचीत और अंतरराष्ट्रीय कानून की पाबंदी से ही मुमकिन है। इफ्तिखार ने आरोप लगाया कि भारत ने 23 अप्रैल को 'एकतरफा और गैरकानूनी' कदम उठाए। इसके साथ ही सैन्य जमावड़ा और भड़काऊ बयान दिए। इससे तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। इफ्तिखार ने कहा कि पाकिस्तान टकराव नहीं चाहता, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की हिफाजत के लिए पूरी तरह तैयार है।'इफ्तिखार ने भारत के उस आरोप को नकार दिया जिसमें पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले का जिम्मेदार ठहराया गया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और सुरक्षा परिषद के सभी सदस्य इस हमले की निंदा कर चुके हैं।

भारत के ऑपरेशन सिंदूर पर वर्ल्ड मीडिया न्यू यॉर्क टाइम्स बोला- दो न्यूक्लियर पावर के बीच जंग का खतरा

नई दिल्ली। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के ठीक 15 दिन बाद पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया है। ये वे ठिकाने हैं, जहां से भारत पर आतंकी हमलों की साजिश रची जा रही थी और उन्हें अंजाम दिया जा रहा था। भारत ने इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया है। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि भारतीय एयर स्ट्राइक 26 लोगों की मौत हुई, जबकि 35 घायल हो गए हैं। भारत ने 6 अलग-अलग इलाकों में कुल 24 हमले किए है। वाशिंगटन पोस्ट- भारत का पाक पर हमला, जंग की आशंका बढ़ी भारतीय सेना ने बुधवार को कहा कि उसने पिछले महीने कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ हमले शुरू किए हैं, जिससे दोनों न्यूक्लियर पावर देश 6 साल में पहली बार सीधे आमने सामने आ गए हैं। भारतीय सेना ने बताया है कि उसने उन 9 जगहों को निशाना बनाया है, जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई थी और डायरेक्शन दिया गया था। किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया है। हमला फोकस्ड और नपा-तुला है। पाकिस्तान ने कहा है कि वो सही वक्त पर जवाब देगा।वहीं बीबीसी का वर्ज़न है भारत सरकार का कहना है कि उसकी डिफेंस फोर्स ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकाने पर हमला किया। वहीं पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता का कहना है कि इस्लामाबाद इस हमले का जवाब अपने चुने गए वक्त और जगह पर देगा। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस दिखाना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हवाई हमलों पर चर्चा करने के लिए आर्मी, एयर और नेवी के प्रमुखों से बात की है। इसके अलावा न्यूयॉर्क टाइम्सः आतंकी हमले के दो हफ्ते बाद भारत का पाकिस्तान पर अटैकभारत ने कहा कि उसकी डिफेंस फोर्स ने पाकिस्तान और पीओके में 9 जगहों पर हमला किया है। वहीं पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों का कहना है कि पंजाब प्रांत और पीओके में 5 जगहों पर हमले किए गए हैं। पाकिस्तानी सरकार ने कहा- 'हम हमले का जवाब दिए बिना नहीं रहेंगे। भारत की ये थोड़ी देर की खुशी, जल्द ही लंबे समय के दुख में बदल जाएगी।' ग्लोबल लीडर्स ने चेतावनी दी है कि अगर दोनों पक्ष तनाव कम करने में नाकाम रहे तो इसके खतरनाक नतीजे होंगे।

पाकिस्तान बोला- भारत ने इजराइली ड्रोन से हमला कियाःहमने ऐसे 12 ड्रोन मार गिराए

नई दिल्ली। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा है कि भारत ने पाकिस्तान में इजराइली ड्रोन हेरोप से हमला किया है। चौधरी के मुताबिक गुरुवार को लाहौर में हुए ड्रोन हमले में पाकिस्तानी सेना के 4 जवान घायल हुए हैं। वहीं मियानों में एक शख्स की मौत हुई है।प्रवक्ता ने बताया कि लाहौर, गुजरांवाला, चकवाल, रावलपिंडी, मियानो, चोर और कराची में ड्रोन हमले हुए हैं, जिनमें से पाकिस्तानी सेना कम से कम 12 भारतीय ड्रोन को गिराने में सफल हुई है।बुधवार को भारत के एयरस्ट्राइक के बाद शरीफ चौधरी की यह तीसरी प्रेस ब्रीफिंग है।पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि हम भारत में केवल सैन्य ठिकानों पर हमला करेंगे,

पाकिस्तान से तनाव के बीच भारत ने दिखाई ताकत, 28000 किमी प्रतिघंटे की स्पीड पर सैटेलाइट की डॉगफाइट

नई दिल्ली। अंतरिक्ष में भारत का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। चंद्रयान-3 से लेकर आदित्य एल-1 तक भारत की अंतरिक्ष ताकत को बता रहे हैं। दुनियाभर के देश अपने सैटेलाइट को अंतरिक्ष में भेजने के लिए भारत का रुख कर रहे हैं, क्योंकि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने उपग्रह को लॉन्च करने के लिए विश्वसनीय और अन्य देशों की तुलना में सबसे सस्ते विकल्प के रूप में पेश किया है। अब भारत अंतरिक्ष में ऐसा कुछ कर रहा है, जिससे चीन और पाकिस्तान के होश उड़ जाएंगे। भारत पृथ्वी से लगभग 500 किलोमीटर ऊपर दो उपग्रहों में डॉगफाइट का संचालन कर रहा है। इस डॉगफाइट के बारे में जानकारी ऐसे समय में आई है, जब पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ा हुआ है। पिछले साल ही चीन ने अपने रक्षा उपग्रहों के बीच निचली कक्षा में डॉगफाइट कराई थी, जिसके बारे अमेरिका ने हाल ही में चिंता जताई है। अंतरिक्ष में डॉगफाइट दो उपग्रहों में उसी तरह की नजदीकी पैंतरेबाजी है, जिस तरह से दो लड़ाकू विमान डॉगफाइट के दौरान करते हैं। एनडीटीवी से बातचीत में इसरो के चेयरमैन वी नारायणन ने बताया कि भारत के स्पैडेक्स मिशन ने दो बार सफलतापूर्व डॉकिंग और अनडॉकिंग की प्रक्रिया दिखाई है। नारायणन के अनुसार, डॉकिंग और अनडॉकिंग अभ्यास के बाद भी दोनों उपग्रहों में 50 फीसदी ईधन बचा हुआ था। इस बचे ईंधन का उपयोग करते हुए, इसरो ने कक्षा में दो उपग्रहों के बीच करीबी समन्वय से जुड़ा एक नया परीक्षण किया, जो हवा में मॉक डॉगफाइट्स के समान था। इस गतिविधि को तकनीकी रूप से जटिल और अंजाम देने में मुश्किल बताया गया।रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिक्ष में लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उड़ान भरने वाले दो भारतीय उपग्रहों ने एसडीएक्स01 और एसडीएक्स02 इस सटीक उड़ान पैटर्न में स्वायत्त रूप से भाग लिया। हाल ही में दो उपग्रहों के बीच निकट मुठभेड़ हुई, जो उनकी कक्षाओं को समायोजित करने के लिए कई दिनों तक चले अभियान के बाद हुई। भारत के इस अभ्यास में खास बात एक उपग्रह हीटिंग एलीमेंट के लिए दूसरे उपग्रह से बिजली ट्रांसफर करना था। ट्रांसफ? की अवधि लगभग 4 मिनट थी, जो उम्मीद के मुताबिक थी। दूसरे डॉकिंग प्रयास में 3 मीटर की अंतर-उपग्रह दूरी पर अतिरिक्त होल्ड पॉइंट का मैन्युअल रूप में इस्तेमाल किया गया।इसरो ने इस साल 16 जनवरी को पहली डॉकिंग हासिल की थी, जब पृथ्वी से 475 किमी ऊपर अंतरिक्ष में परिक्रमा कर रहे दो भारतीय उपग्रहों को सफलतापूर्वक डॉक किया। इस तरह भारत रूस, अमेरिका और चीन के बाद डॉकिंग करने वाला चौथा देश बन गया। भारत ने पिछले साल 30 दिसम्बर को पीएसएलवी रॉकेट से स्पैडेक्स मिशन लॉन्च किया था। डॉकिंग चंद्रयान-4 और भविष्य में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे आगामी मिशनों के लिए सक्षम तकनीक है।इसी साल मार्च में अमेरिकी स्पेस फोर्स ने अंतरिक्ष में युद्धाभ्यास करने की चीन की बढ़ती क्षमता के बारे में चिंता जताई थी। अमेरिकी स्पेस फोर्स के उपाध्यक्ष माइकल ए गुएटलीन ने तब कहा था, 'इसे हम अंतरिक्ष में डॉगफाइटिंग कहते हैं। वे एक उपग्रह से दूसरे उपग्रह पर ऑन-ऑर्बिट अंतरिक्ष संचालन करने के लिए रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं का अभ्यास कर रहे हैं।

पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक, 11 एयरपोर्ट्स के ऑपरेशन बंद,एअर इंडिया ने 9 शहरों में दोपहर 12 बजे तक सभी उड़ानें रद्द कीं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नई दिल्ली। पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के बाद भारत ने भी ऐहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। 7 राज्यों के 11 एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट्स ऑपरेशन बंद कर दिया गया है। श्रीनगर, जम्मू, श्रीनगर, लेह, चंडीगढ़, बीकानेर, जोधपुर, राजकोट, धर्मशाला, अमृतसर, भुज और जामनगर में उड़ानें रोकी गई हैं। यह एयरपोर्ट्स पाकिस्तान बॉर्डर से लगे हुए हैं। सरकार महत्वपूर्ण संस्थानों, इमारतों और संवेदनशील इलाकों के लिए कुछ और कदम भी उठा सकती है। 11 बजे होने वाली कैबिनेट की बैठक में इस पर फैसला लिया जा सकता है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारत ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। इसमें 1000 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए हैं। एअर इंडिया ने एक्स पर बताया कि जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट के लिए सभी उड़ानें दोपहर तक रद्द कर दी गई हैं। दो इंटरनेशनल फ्लाइट्स को अमृतसर से दिल्ली डायवर्ट किया गया है। स्पाइसजेट और इंडिगो ने बताया है कि जम्मू, श्रीनगर, लेह, धर्मशाला और अमृतसर के एयरपोर्ट बंद हैं।

पाकिस्तानी पीएम शहबाज ने तुर्किए के राष्ट्रपति को भाई कहा, चीन-तुर्किये के अलावा कोई भी देश पाक के साथ नहीं

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन को 'भाई' कहा है और भारत के खिलाफ साथ देने के लिए शुक्रिया कहा है। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान के लिए कठिन समय है। पीएम शहबाज ने साउथ एशिया में तनाव कम करने और क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा देने के लिए तुर्किये की कोशिशों की भी सराहना की। तुर्किये ने भारत के एयरस्ट्राइक के बाद पाकिस्तान का समर्थन किया था और इसे संप्रभुता का उल्लंघन माना था। पूर्व ब्रिटिश इश्र ऋषि सुनक ने भारत का सपोर्ट करते हुए लिखा कि किसी भी देश को दूसरे देश की जमीन से अपना यहां हो रहे हमले स्वीकार नहीं करने चाहिए। भारत का आतंकी ठिकानों पर हमला सही है। आतंकवादियों को किसी भी तरह की छूट नहीं दे सकते।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोर श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.

1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008

(उ.प्र.) से प्रकाशित

सम्पादक-डा. दीपक अरोरा

मो 0 न0 09415608783

RNI No. UPHIN/2012/41154

website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।